आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 2, अंक : 87 रांची, शनिवार, 08 मार्च, 2025 (फाल्गुन शुक्ल 09, संवत 2081) पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये, email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

झारखंड के लोगों को लग सकता है झटका : 01 अप्रैल से महंगी होगी बिजली!

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड में बिजली की दर में बढ़ोतरी हो सकती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में बिजली टैरिफ निर्धारित करने को लेकर कार्यवाही शुरू हो गयी है। जानकारी के मुताबिक जेबीवीनएल ने घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली की दरों में प्रति यूनिट दो रुपये बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। वर्तमान में शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं का बिजली दर 6.65 रुपये प्रति यूनिट है। दो रुपये बढ़ जाने से इसकी दर 8.65 रुपये हो जाएगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के बिजली उपभोक्ताओं की दर भी 6.30 से बढ़ाकर 8 रुपये करने का प्रस्ताव है।

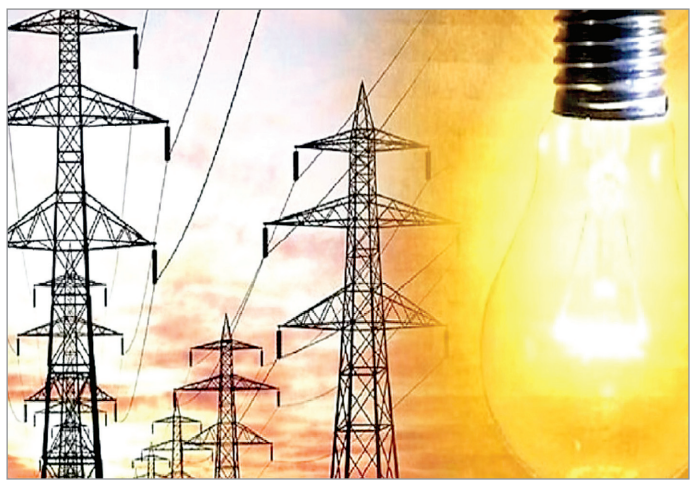

बिजली टैरिफ पर जनसुनवाई की प्रक्रिया जल्द होगी शुरू

झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग बिजली टैरिफ पर जनसुनवाई की प्रक्रिया आरंभ करेगा। इसकी शुरूआत 19 मार्च को चाईबासा में होगी। इसके बाद 20 को धनबाद, 21 मार्च को देवघर, 24 मार्च को डालटनगंज और 25 मार्च को रांची में जनसुनवाई होगी। 26 मार्च को राज्य विद्युत सलाहकार समिति की बैठक में टैरिफ पर सहमति ली जाएगी। 31 मार्च को नये टैरिफ की घोषणा संभव है, जो 1 अप्रैल 2025 से लागू हो जाएगी।

फिक्सड चार्ज भी बढ़ेगा

बिजली टैरिफ के अलावा फिक्सड चार्ज भी 100 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 200 रुपये करने का प्रस्ताव है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों का फिक्सड चार्ज भी 75 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा डीएस एचटी यानी कि आवासीय कॉलोनी या अपार्टमेंट का बिजली दर भी 6.25 रुपये प्रति यूनिट से बढ़ाकर 9.50 रुपये करने का प्रस्ताव है। वहीं, फिक्सड चार्ज 150 से बढ़ाकर 250 रुपये होगा। वहीं, कमर्शियल उपभोक्ताओं की दर में भी 4.90 प्रति यूनिट की दर से बढ़ेगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पर्यटन विभाग का विशेष उपहार

महिलाओं के लिए होगा झारखंड के सभी पर्यटन स्थलों पर निःशुल्क प्रवेश

रांची। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर झारखंड पर्यटन विभाग ने महिलाओं के सम्मान में एक विशेष पहल की है। इसके तहत इस वर्ष 8 मार्च को राज्य के सभी पर्यटन स्थलों, पार्कों, झरनों और विशेष रूप से पतरातू लेक 'पार्क' में महिलाओं के लिए प्रवेश पूरी तरह से निःशुल्क रहेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार के विजन को लेकर पहल करते हुए झारखंड पर्यटन विभाग की यह पहल शेष पृष्ठ 08 पर

संक्षिप्त

हरियाणा में एयरफोर्स का फाइटर प्लेन जैगुआर क्रैश

हरियाणा। हरियाणा में भारतीय वायुसेना का एक लड़ाकू विमान जगुआर क्रैश हो गया है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान अंबाला में सिस्टम में खराबी आने के कारण फाइटर जेट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट ने विमान को सुरक्षित रूप से बाहर निकलने से पहले जमीन पर किसी भी बस्ती से दूर ले गया। हादसे के बाद भारतीय वायुसेना ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए हैं। हादसे के बाद फाइटर प्लेन का पायलट पैराशूट के सहारे सुरक्षित नीचे उतरने में कामयाब रहा।

कोल ट्रांसपोर्टर बिपिन मिश्रा को अपराधियों ने गोली मारी

रांची। कोयला के बड़े ट्रांसपोर्टर बिपिन मिश्रा को अपराधियों ने गोली मार दी है। यह घटना रांची शहर के बरियातू रोड के सेंट्रल अकाडमी स्कूल के पास हुई है। घायलावस्था में उन्हें मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि अपराधियों ने बिपिन मिश्रा पर कई राउंड फायर किया। उन्हें दो गोली लगी है और उनकी स्थिति गंभीर बतायी जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद बरियातू थाना की पुलिस मेडिका अस्पताल पहुंची। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बिपिन मिश्रा लंबे समय से कोयला कारोबार से जुड़े हुए हैं। उनकी कंपनी का नाम पीएनएम है। यह कंपनी कई पावर प्लाटों के लिए कोयला की ट्रांसपोर्टिंग का काम करती है।

सीएम हेमंत की भाभी सीता सोरेन पर जानलेवा हमला

धनबाद। सीएम हेमंत सोरेन की भाभी और भाजपा नेत्री और पूर्व विधायक सीता सोरेन पर जानलेवा हमले की कोशिश हुई है। घटना गुरुवार रात की है। सीता सोरेन कतरास के एक शादी समारोह में गयी हुई थीं। शादी समारोह से लौटने के दौरान वो धनबाद के सरायढेला स्थित एक बड़े होटल में रुकी थीं। यहां कमरे में उनका पूर्व पीए देवाशीष घोष पहले से हथियार के साथ मौजूद था। सीता सोरेन के कमरे में घुसते ही देवाशीष ने पिस्टल चलाने की कोशिश की। उसी वक्त तुरंत मौके पर सुरक्षाकर्मी आ पहुंचे, जिससे सीता सोरेन को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचा। सुरक्षा गार्डों ने देवाशीष को धर दबोचा। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पूर्व पीए को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को धनबाद कोर्ट में आरोपी को पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा चुनाव के दौरान फंड के हिसाब-किताब को लेकर सीता सोरेन और पूर्व पीए देवाशीष घोष के बीच विवाद चल रहा था।

सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण व कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है : सीएम

झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में सीएम हेमंत से महिला विधायकों ने की मुलाकात

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से महिला विधायकों ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी महिला मंत्रियों और विधायकों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड विधानसभा में महिला जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति से नारी शक्ति को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष की सभी महिला विधायक सदन में महिलाओं की सुरक्षा, स्वावलंबन और सशक्तीकरण की आवाज हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी की भागीदारी से ही देश, राज्य और समाज के सर्वांगीण विकास का रास्ता खुलता है। हमारी सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना जैसी कई योजनाओं के माध्यम से आधी आबादी को सशक्त बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की दी बधाई

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे इस बात का गर्व है कि झारखंड की महिलाओं ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल सहित अनेकों क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल कर राज्य का नाम रोशन किया है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल कर रही हैं। शेष पृष्ठ 08 पर

होली के पूर्व मिलेगी मंईयां सम्मान योजना की राशि : हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को सदन में कहा कि राज्य की महिलाओं को होली पर्व से पूर्व मंईयां सम्मान योजना की राशि उनके खाते में भेज दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं। सरकार इस योजना की त्रुटियों को ठीक कर रही है। त्योहारों से पूर्व राज्य की महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान आएगी, ऐसा सरकार का प्रयास है। इससे संबंधित प्रश्न विधायक मंगल कालिंदी ने सरकार से पूछा था।

फुलो झानो योजना बेहतर तरीके से लागू करेगी सरकार

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार फुलो झानो योजना को और भी बेहतर तरीके से लागू करेगी। उन्होंने सदन को बताया कि उनकी सरकार ने राज्ये की ऐसी महिलाओं के लिए इस योजना की शुरूआत की थी जो हड़िया दारू बेचकर जीविका चलाती हैं। लेकिन सरकार ने पाया कि जिन महिलाओं को इस योजना से जोड़ा गया वे फिर से हड़िया दारू बेचना शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड ही नहीं, बल्कि देश में जहां-जहां आदिवासी समाज रहता है वहां की महिलाएं हड़िया दारू बेचती हैं।

सड़क किनारे हड़िया दारू बेचने पर लगे प्रतिबंध : मरांडी

उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज गरीब और उपेक्षित है। महिलाएं मजबूरी में यह काम करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरूजी का भी प्रयास था कि हड़िया दारू केवल पूजा पाठ तक ही सीमित रहे। उन्होंने कहा कि फुलो झानो योजना को और बेहतर बनाने के लिए विपक्ष भी सुझाव दे सकता है। इसके पूर्व इस मामले को उठाते हुए सूचना के रूप में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल ने कहा कि सड़क पर हड़िया दारू बेचा जाता है। उन्होंने सरकार से इस पर रोक लगाने की मांग की।

ग्रामीण विकास और वन विभाग के 98.41 अरब का बजट पारित

- ग्रामीण विकास विभाग को दी है प्राथमिकता : दीपिका पांडेय सिंह

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को भोजनावकाश के बाद ग्रामीण विकास और वन विभाग का 98 अरब 41 करोड़ 41 लाख 61 हजार रुपए का बजट पारित हो गया। इस दौरान विपक्ष अनुपस्थित रहा। इसलिए विपक्ष के कटौती प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया गया। ग्रामीण विकास और वन विभाग पर हुए वाद-विवाद पर जवाब देते हुए विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि सरकार ने ग्रामीण विकास विभाग को प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं में पक्ष और विपक्ष के सदस्यों को शिकायत नहीं करनी पड़ेगी। मंत्री ने कहा कि विपक्ष के विधायक शशि भूषण मेहता ने भी कहा है कि पीएम आवास योजना की राशि कम है और इसे बढ़ाकर दो लाख करना चाहिए। हमारी सरकार ने अपने दम पर अबुआ आवास योजना के लिए लाभुकों को दो लाख रुपए दे रही है। शेष पृष्ठ 08 पर

15 करोड़ मानव दिवस का करेंगे सृजन

मंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि आनेवाले दिनों में मनरेगा में 15 करोड़ मानव दिवस का सृजन करेंगे। उन्होंने बताया कि 53 सीएफटी का काम करने पर हमने एक दिन का मानव दिवस के रूप में तय किया है। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने बकाया 8868 रुपए नहीं दिया। इसलिए विभाग के बजट में कटौती करनी पड़ी। केंद्र की संवेदनहीनता के चलते आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए राज्य सरकार को तीन गुनी राशि देनी पड़ रही है। मंत्री सरकार ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के 98 हजार युवाओं को प्रशिक्षित किया है। इन्हें जल्दी रोजगार से जोड़ा जाएगा। साथ जिला स्तर प्रशिक्षित महिलाओं को जेएसएलपीएस के जरिए जोड़ने की बात उन्होंने कही। शेष पृष्ठ 08 पर

सीएम हेमंत से अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने की मुलाकात, झारखंड में फिल्म निर्माण पर चर्चा

स्थानीय कलाकारों को बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने पर विचार-विमर्श

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। बॉलीवुड अभिनेता सह लोकसभा सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मुलाकात की। यह मुलाकात शिष्टाचार भेंट के रूप में हुई। इस दौरान, शत्रुघ्न सिन्हा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड राज्य में फिल्मों के निर्माण एवं शूटिंग की संभावनाओं पर चर्चा की। साथ ही, स्थानीय कलाकारों को बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने और अन्य विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ।

बताते चलें कि शत्रुघ्न सिन्हा का फिल्मी करियर बहुत ही सफल रहा है, उन्होंने कई यादगार फिल्मों में अभिनय किया है। उनकी यह मुलाकात झारखंड में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने और स्थानीय प्रतिभाओं को मौका देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।

इनामी 11 माओवादियों ने किया सरेंडर

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में नक्सलवाद की कमर टूट रही है। यहां एक ही दिन में 11 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। इन नक्सलियों पर सरकार ने 40 लाख रुपए का इनाम रखा था।

नक्सलियों के सरेंडर की पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में सात महिला नक्सली भी शामिल हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नारायणपुर पुलिस, आईटीबीपी और सीमा सुरक्षा बल के प्रयासों से जिले में 11 नक्सलियों जिनमें 4 पुरुष और 7 महिलाएं शामिल है।

बाबूलाल मरांडी को झारखंड विस में विपक्ष के नेता के रूप में मिली मान्यता

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक बाबूलाल मरांडी को राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा शासित राज्य में विपक्ष का कोई नेता नहीं था, जहां नवंबर 2024 में पिछला विधानसभा चुनाव हुआ था। धनवार से विधायक बाबूलाल मरांडी पूर्व मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्हें बृहस्पतिवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में नेता चुना गया। पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष को इस संबंध में एक पत्र में सूचित किया। महतो ने कहा कि उनसे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मरांडी को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया गया था। महतो ने विधानसभा में कहा, 'मैं बिना किसी देरी के भाजपा को मुख्य विपक्षी दल और बाबूलाल मरांडी को सदन में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता देता हूं।' मरांडी पार्टी की झारखंड इकाई के अध्यक्ष भी हैं।

बृहस्पतिवार को यहां एक बैठक के दौरान मरांडी को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। भाजपा संसदीय बोर्ड ने बुधवार को झारखंड विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और पार्टी के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. लक्ष्मण को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त करने की घोषणा की थी। शेष पृष्ठ 08 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया 'नमो अस्पताल' का उद्घाटन

एजेंसियां

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव के सिलवासा में नमो अस्पताल का उद्घाटन किया। फिलहाल अस्पताल के प्रथम चरण का उद्घाटन हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि 450 बिस्तरों वाले इस अस्पताल के निर्माण पर 460 करोड़ रुपये की लागत आई है। इससे केंद्र शासित प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में काफी सुधार होगा। एक अधिकारी ने बताया कि यह अस्पताल क्षेत्र के लोगों, विशेषकर आदिवासी समुदायों को अत्याधुनिक चिकित्सा सेवा देगा।

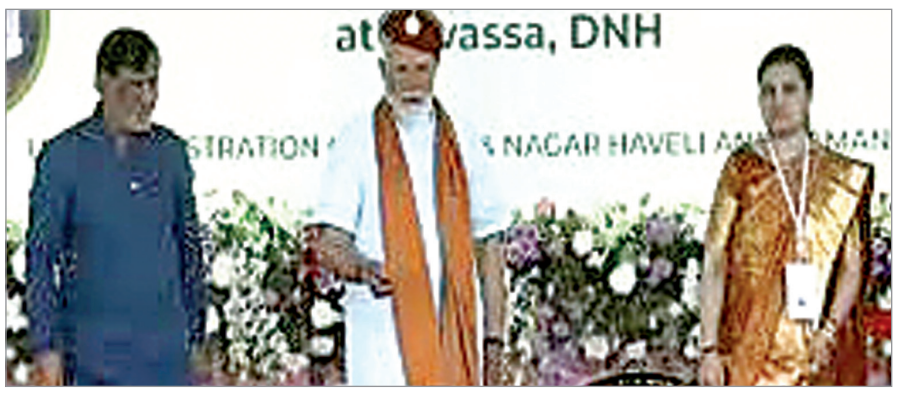

करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं की दी सौगात

पहचान

दादरा और नगर हवेली के सिलवासा में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा 'आज सिलवासा और इस राज्य को एक आधुनिक पहचान मिल रही है। यह एक ऐसा शहर बन गया है जहां हर जगह से लोग रहते हैं। यहां का महानगरीय मिजाज दिखाता है कि कैसे यहां नए अवसरों का विकास हुआ है, और वह भी तेज गति से। दादरा और नगर हवेली दमन और दीव हमारे लिए सिर्फ केंद्र शासित प्रदेश नहीं हैं, बल्कि हमारा गौरव और विरासत हैं।'

सिलवासा को मिल रही है नई पहचान

करोड़ों की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दादरा और नगर हवेली के सिलवासा में 2,587 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पीएम मोदी ने सौंपा नियुक्ति पत्र

इस मौके पर पीएम मोदी ने दादरा और नगर हवेली के सिलवासा में सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त व्यक्तियों को नियुक्ति पत्र भी सौंपा।

बताते दें कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार से गुजरात और केंद्र शासित प्रदेश दादरा तथा नगर हवेली और दमन व दीव की दो दिन की यात्रा हैं। पीएम मोदी गुजरात के सूरत और नवसारी तथा दमन के सिलवासा में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने नमो अस्पताल (पहले चरण) का उद्घाटन किया। शेष पृष्ठ 08 पर

केंद्र का बड़ा लक्ष्य, 31 मार्च 2027 तक खुलेंगे 25 हजार जन औषधि केंद्र

नई दिल्ली। देशभर में अब तक 15 हजार से अधिक जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं और सरकार ने 31 मार्च 2027 तक इसे बढ़ाकर 25 हजार जन औषधि केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा है। किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराने वाले जन औषधि केंद्रों की बिक्री में पिछले 10 सालों में 200 गुना वृद्धि देखी गई है, जिससे नागरिकों को 30 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। पिछले एक दशक में जन औषधि केंद्रों की संख्या में 180 गुना वृद्धि हुई है। नवंबर 2008 में शुरू की गई इस योजना को फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइसेस ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पीएमबीजेपी ने 1,470 करोड़ रुपये (एमआरपी पर) की बिक्री की, जिससे वित्तीय वर्ष 2023-24 में नागरिकों को लगभग 7,350 करोड़ रुपये की बचत हुई।

Page - 02_Page - 02.qxd 08-03-2025 04:54 Page 1

संक्षिप्त

महिला दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन आज

सिल्ली। सिल्ली पॉलिटेक्निक परिसर में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम के शुभारंभ के पश्चात अतिथियों द्वारा सम्बोधन, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पुरस्कार वितरण व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है।इसको लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इसकी जानकारी पॉलीटेक्निक प्रबंधन ने दी है।

स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

सिल्ली ।सिल्ली कॉलेज में चल रहे सिल्ली राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन के दूसरे दिन शुक्रवार को स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया। एन.एस .एस स्वयंसेवक शिविर में एकत्रित होकर सर्वप्रथम एन .एस एस गीत प्रस्तुत कर, स्वच्छता की शपथ ली । कॉलेज परिसर, शिविर परिसर , मंदिर परिसर समेत कई स्थानों पर सफाई की गई , तथा लोगों को स्वच्छता पर ध्यान रखने की सलाह दी गई ।कार्यक्रम का नेतृत्व स्वयंसेवक यूनिट 1 से संध्या कुमारी तथा यूनिट 2 से देवाशीष कुमार ने किया ।इस अवसर पर कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ मनोज कुमार एवं अर्चना कोइरी आदि उपस्थित थे।

खूंटी में राष्ट्रीय लोक आदालत आज

खूंटी। व्यवहार न्यायालय खूंटी में आठ मार्च को होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि आठ मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। प्रधान जिला जज ने बैठक में उपस्थित अधिवक्ताओं को निर्देश दिया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में इंश्योरेंस से संबंधित अधिक से अधिक वादों का निष्पादन करने में सहयोग करें और वैसे लोग जिनका मामला न्यायालय में लंबित है और वाद सुलहनीय है वे अपने वादों का निष्पादन करा सकेंगे। प्रधान जिला जज ने लोगों से अपील की है कि वे मामले के निष्पादन के लिए व्यवहार न्यायालय अवश्य पहुंचे और न्यायालय में चल रहे लंबित मामलों का जल्द से जल्द निष्पादन कराएं। डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित बैठक लगातार हो रही है और कुछ मामलों का निष्पादन प्रि-कॉन्सिलिएशन बैठकों के माध्यम से गत आठ जनवरी से ही जारी है। किसी भी कार्य दिवस के दिन आकर मामलों का निष्पादन किया जा सकता है। सक्षम, निःशुल्क और सुलभ न्याय के लिए लोग अपने वादों का समाप्त करने के लिए न्यायालय में उपस्थित हो।

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

काम नहीं करने वाली आंगनबाड़ी सेविकाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के दिए निर्देश

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। खूंटी जिले में समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों की संख्या, संचालन, भवनों की स्थिति, सेविका और सहायिका के रिक्त पदों एवं उनकी चयन प्रक्रिया, पूरक पोषाहार कार्यक्रम, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, एमटीसी केंद्र का संचालन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण ट्रैकर, बाल संरक्षण सहित अन्य मुद्दों की समीक्षा की गई।

समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि नियमानुसार रिक्त पदों पर सेविका एवं सहायिका का चयन किया जाए। जो सेविकाएं एवं

सहायिकाएं अपने उत्तरदायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं कर रही हैं, उनके विरुद्ध ग्रामसभा के माध्यम से अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन सुरक्षित भवनों में किया जाए एवं वहां मूलभूत सुविधा पेयजल, शौचालय आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित हो। वैसे आंगनबाड़ी केंद्र जहां पेयजल एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था नही है, वैसे आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्राथमिकता के आधार पर 15 वित्त की राशि का सदुपयोग करते हुए अविलंब उक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश डीसी ने दिया।

पूरक पोषाहार कार्यक्रम के तहत पोषाहार वितरण की जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने आवश्यक निर्देश दिए। सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत विद्यालयों से फॉर्म कलेक्शन करने का निर्देश दिया गया, जिससे पात्र लाभुकों को उक्त योजना से जोड़ा जा सके। बैठक में बाल संरक्षण पदाधिकारी से बाल संरक्षण को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई।

उपायुक्त ने कहा कि ईंट भट्टा, होटल, रेस्टुरेंट सहित अन्य स्थानों पर छापेमारी करे, जिससे खूंटी को पूर्ण रूप से बाल मजदूरी जैसी घटनाओं से मुक्त रखा जा सके। वहीं हर माह कार्यशाला का आयोजन करने एवं विद्यालयों में भी जागरूकता अभियान चलाकार बाल सुरक्षा पर विस्तार से जानकारी देने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सीडीपीओ, महिला पर्यवेक्षक आदि उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने, अस्पतालों में साफ सफाई को प्राथमिकता देने, वीएचएसएनडी डे का सफल आयोजन करने, मरीजों को आयुष्मान कार्ड का लाभ देने, एमटीसी बेड की शत प्रतिशत ऑक्यूपेंसी, एम्बुलेंस का बेहतर संचालन सहित अन्य कार्यों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। सदर अस्पताल में हो रहे मोतियाबिंद के ऑपरेशन में तेजी लाने का निर्देश दिया गया, जिससे अधिक से अधिक मरीजों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन सुनिश्चित कराया जा सके। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, सिविल सर्जन, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

देवेंद्र नाथ महतो समेत अज्ञात 15 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। रांची लोकसभा प्रत्याशी एवं जेएलकेएम वरीय केंद्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो समेत अज्ञात अन्य 15 लोगों पर सिल्ली थाने पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले को लेकर पुलिस छानबीन कर रही है।

सिल्ली थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने बताया कि बीते गुरुवार की देर रात जेएलकेएम केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो अपने कुछ समर्थकों के साथ सिल्ली थाना पहुंचे एवं श्याम नगर गांव में अवैध बालू का कारोबार एवं मारपीट तथा गाली गलौज करने का आरोप लगाते हुए सिल्ली सतपालु निवासी संतोष कुमार महतो एवं सुचांद महतो के विरुद्ध शिकायत लेकर सिल्ली थाना पहुंचे थे। देर रात संतोष महतो भी शिकायत लेकर थाना परिसर पहुंचे एवं उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार के जेएसएमडीसी विभाग के द्वारा चयनित श्यामनगर बालू घाट का एमडीओ, का संचालक के तौर पर कार्य कर रहा हु।

जहां देवेन्द्र महतो एवं उनके समर्थकों द्वारा घाट स्थल पर जाकर कार्य को बाधा पहुंचाना तथा मेरे से बात दुर्व्यवहार करने संबंधित कई आरोप लगाया। देर रात थाने परिसर पर थाना प्रभारी ने कड़ी निर्देश देते हुए देवेंद्र नाथ महतो एवं संतोष महतो से कहा कि किसी भी समस्या का समाधान के लिए कानून को अपने हाथ में लेने के बजाय, पुलिस से संपर्क करें। पुलिस आपकी समस्या का समाधान करने में मदद कर सकती है और कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद करती है। कानून व्यवस्था से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस फरियादियों को न्याय दिलाना पुलिस का पहला कर्तव्य है।

इटकी: मस्जिदों में जुमा की नमाज अदा करने के लिए रोजेदारों की उमड़ी भीड़

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

इटकी। इटकी के मुख्य जामा मस्जिद सहित आसपास गांवों के मस्जिदों में पवित्र रमजान के पहला जुमा के नमाज अदा के लिए रोजेदारों की भीड उमड़ पड़ी।

नमाज के निर्धारित समय के पूर्व से रोजेदारों का मस्जिदों में पहुंचना शुरू हो गया था। देखते ही देखते नमाजियों के भीड़ से मस्जिद परिसर अट गया। भीड़ अधिक होने के कारण लोग मस्जिदों के छतों में नमाज अदा करते नजर आये। मुख्य जामा मस्जिद में कारी एनामुल्ला ने नमाजियों को रमजान के जुमा का नमाज अदा कराया । जबकि मदीना मस्जिद, तैयदा मस्जिद, जाफर मस्जिद, आयसा मस्जिद, मस्जिदे नूर, मस्जिदे आशिया, मस्जिदे उमेसलमा, दर्सगाह स्कूल, मक्का मैरेज हॉल के अलावे मोरो, सुलतान नगर, बारीडीह, कुन्दी, रेलवे स्टेशन, टुरुगुरु, रानीखटंगा, पलमा, गड़गांव, कुर्गी सहित अन्य गांवों के मस्जिदों में बड़ी संख्या में रोजेदारों ने पहला जुमा का नमाज अदा किया। इधर पवित्र रमजान को लेकर चहल पहल शुरू हो गई है। वस्त्रालय, मनिहारी, शू दुकानों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ लगने लगी है।

बालू का अवैध परिवहन करते छह ट्रैक्टर जब्त

खूंटी । तोरपा की अंचलाधिकारी पूजा बिन्हा की ओर से बालू के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ शुक्रवार को चलाये गये अभियान के दौरान डोड़मा-कुदरी रोड पर छाता नदी से छह ट्रैक्टर को जब्त किया गया। इनमें पांच बालू लदे और एक खाली ट्रैक्टर जब्त किया गया। साथ ही एक हाइवा भी पकड़ा गया। अंचलाधिकारी पूजा बिन्हा ने बताया कि अवैध बालू खनन करने वालों के खिलाफ विशेष छापेमारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान कुदरी की छाता नदी से अवैध बालू खनन कर रहे छह ट्रैक्टर को देखा गया। ग्रामीणों की सूचना के आधार पर सभी ट्रैक्टरों को पकड़ा गया। वन विभाग ने भी तोरपा थाना क्षेत्र के ईचा जंगल से बालू लदे एक हाइवा को जब्त किया है।

खराब नलकूप, डीप बोरिंग और जलमीनार की 25 दिनों में हो मरम्मत : चंदन कुमार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। गर्मी का मौसम जल्द ही लोगों को रुला सकता है। ऐसे में रामगढ़ जिला प्रशासन ने जलापूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पहले से ही इंतजाम करना शुरू कर दिया है। डीसी चंदन कुमार ने शुक्रवार को इस मुद्दे पर अहम बैठक की।

उन्होंने कहा कि खराब पड़े नलकूप, डीप बोरिंग और जल मीनार को 25 दिनों के अंदर मरम्मत कर सुधार देना है। इसके लिए डीएमएफटी फंड से राशि निर्गत की जाएगी। जिले के सभी क्षेत्रों में जलापूर्ति सुनिश्चित कराने को लेकर नलकूपों, डीप बोरिंग, जलमीनार की मरम्मती के संबंध में जनप्रतिनिधि एवं संबंधित पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिया गया है। डीसी चंदन कुमार ने बताया कि सर्वेक्षण सूची के आधार पर पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल से प्राप्त सूची के आलोक में प्रथम चरण में प्रत्येक पंचायत में तीन-तीन कुल 316 योजनाओं का मरम्मती होगी। इस कार्य के लिए डीएमएफटी मद से राशि स्वीकृत होगी। संबंधित ग्राम पंचायत को कार्यकारिणी एजेंसी नामित कर जिले में खराब पड़े पेयजल संबंधित नलकूपों, डीप बोरिंग, जलमीनार की मरम्मती करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने का निर्देश दिया गया। डीसी ने निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्यकारी एजेंसी की ओर से योजना कार्यान्वयन के पूर्व पुणः सुनिश्चित कर लिया जाए कि योजना सामाजिक लाभ एवं उन्नति का है। यदि योजना सामाजिक लाभ का नहीं है तो इसे किसी भी परिस्थिति में कार्यान्वित नहीं किया जाएगा। योजना का कार्यान्वयन प्राक्कलित विशिष्टियों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ कराना है। प्राक्कलन में दर्ज गुणवत्ता एवं विशिष्टियों के अनुरूप कार्य नहीं करने पर कार्यकारी एजेंसी पर विधिवत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। योजना निर्माण मरम्मती का कार्य 25 दिनों के अंदर पूर्ण कराना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

भाजपा मंडल अध्यक्ष के शोकाकुल परिवारों से मिले राज्यसभा सांसद

चितरंजन महतो का जाना पार्टी और समाज के लिए अपूरणीय क्षति : आदित्य साहू

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

राहे। शुक्रवार को भाजपा राहे मंडल अध्यक्ष चितरंजन महतो के असामायिक निधन पर गमगीन परिजनों से मिलने राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू उनके पैतृक गांव डोकाद पहुंचे।

सांसद ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि चित्तरंजन महतो का जाना अपूरणीय क्षति है। साहू ने कहा कि बहुत ही कर्मठ और निष्ठावान कार्यकर्ता थे। पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे।परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए सांसद ने आश्वश्त किया कि जब उनकी आवश्यकता होगी वे हरसंभव मदद का प्रयास करेंगे। मौके पर भाजपा प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज, भाजपा नेता अमरनाथ चौधरी, मेघनाथ महतो, ज्योति प्रसाद,युधिष्ठिर महतो, मनोज कुमार महतो भी मौजूद रहे।

एकलव्य और अन्य आवासीय विद्यालयों के लिए नामांकन परीक्षा 9 मार्च को

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, आश्रम विद्यालय और विभाग की ओर से संचालित आवासीय उच्च विद्यालयों में नामांकन के लिए नौ मार्च को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी।

उक्त परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि कक्षा

छह, सात और आठ के लिए नौ को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा में 1271 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बैठक में संबंधित पदाधिकारियों को परीक्षा के निष्पक्ष संचालन के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए मूलभूत आवश्यकताओं की उपलब्धता तथा अनुशासन बनाए रखने के संबंध में विशेष रूप से जोर दिया।

पीएलएफआई नक्सली महावीर गोप गिरफ्तार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। रनिया थाना की पुलिस ने शुक्रवार को प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआइ के सक्रिय नक्सली महावीर गोप को गिरफ्तार किया। महावीर को पुलिस ने शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

महावीर गोप के खिलाफ पहले से ही जरियागढ़, कामडारा और कर्रा थाने में हत्या, आर्म्स एक्ट, नक्सली गतिविधि सहित अन्य संगीन मामलों को लेकर पांच मामले दर्ज हैं। महावीर गोप जरियागढ़ थाना क्षेत्र के बकसपुर किनुई टोली गांव का रहने वाला है। छापेमारी दल में तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा, पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, रनिया थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल, जरियागढ़ थाना प्रभारी राजू कुमार, कर्रा थाना प्रभारी मनीष कुमार और जैप तथा रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे।

बीडीओ ने बैंकिंग व्यवस्था को लेकर की बैठक

राहे। प्रखंड सभागार में शुक्रवार को बीडीओ अशोक कुमार और सीओ जया शंखी मुरमू ने बैंकिंग व्यवस्था को लेकर स्टेट बैंक शाखा के प्रबंधक,प्रखंड में संचालित सभी प्रज्ञा केंद्र और ग्राहक सेवा केंद्र के संचालकों से बैठक किये ।बैठक में बीडीओ ने साफ शब्दों में कहा की वृद्धावस्था पेंशन में वृद्ध लोगों को सुलभ सेवा उपलब्ध कराए। इनके लेनदेन में गड़बड़ी करने वाले केंद्र संचालकों की आईडी बंद करते हुए प्राथमिक दर्ज की जाएगी ।इस दौरान प्रखंड क्षेत्र में मृत वृद्धा पेंशन धारकों की सूची उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक चर्चा की गई। मौके पर एसबीआई के शाखा प्रबंधक एई खोलको और सभी प्रज्ञा केंद्र और ग्राहक सेवा केंद्र संचालक मौजूद थे।

रामगढ़ जागरूक युवा मंच की हुई बैठक

रामगढ़। रामगढ़ जागरूक युवा मंच की बैठक शुक्रवार को शहर के चट्टी बाजार स्थित साहू भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष आलोक शर्मा और संचालन दिलीप नायक ने किया। जबकि, बैठक में मुख्य रूप से युवा मंच के संरक्षक राजेश ठाकुर एवं संतोष नायक उपस्थित हुए। इस दौरान बैठक में रामगढ़ जागरूक युवा मंच के द्वारा रामनवमी की तैयारी को लेकर विचार विमर्श किया गया। साथ ही एक अप्रैल को श्री रामनवमी पूजा महासमिति के द्वारा निकाली जा रही विशाल मंगला शोभा यात्रा में शामिल होंगे। इसके अलावे में रामगढ़ जागरूक युवा मंच कमेटी का गठन किया गया। बैठक के दौरान युवा मंच के संरक्षक राजेश ठाकुर एवं संतोष नायक ने कमेटी की घोषणा किया। जिसमे अध्यक्ष आलोक शर्मा, सचिव सुनील नायक, कोषाध्यक्ष अजय पांडे, कार्यकारी अध्यक्ष देवेंद्र मुंडा (देव) संगठन मंत्री विशाल विश्वकर्मा एवं दिलीप के डी, सोशल मीडियो प्रभारी ऋषभ तिवारी, अभिषेक वर्मा गोलू को बनाया गया। बैठक में कई लोग मौजूद थे।

दो दिवसीय कृषि मेला सह किसान सम्मान सम्मेलन का शुभारंभ

उत्तम तकनीक अपना कर अपनी आमदनी बढ़ाएं किसान: उपायुक्त

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। कृषि, पशुपालन एवं सहाकारिता विभाग, झारखंड सरकार के तत्वावधान में जिला प्रशासन की ओर से शुक्रवार से कचहरी मैदान में दो दिवसीय कृषि मेला सह किसान सम्मान सम्मेलन का शुभारंभ किया गया।

इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि उपायुक्त लोकेश मिश्रा, जिला परिषद, खूंटी के अध्यक्ष मसीह गुड़िया, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मेले में जिले के किसानों को कृषि की उच्च

तकनीक की जानकारी दी जा रही है। जिले के विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाये गये थे, जहां कृषकों को सरकार की ओर से संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही योजनाओं के प्रति जागरुक होकर लाभ लेने की अपील की जा रही है। मेला में कृषि उत्पाद और कृषि के विविध संयत्रों की प्रदर्शनी लगाई गई है। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से किसानों के आय को सुदृढ़ करने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित है। जिला प्रशासन किसानों को सशक्त करने की दिशा में कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि किसान उन्नत तकनीक से खेती कर अपनी आर्थिक स्थिति को कैसे सुदृढ़ करें, इस दिशा में जिला प्रशासन की टीम लगातर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तम तकनीक अपना कर किसान अपनी आमदनी बढ़ायें। उन्होंने किसानों से अपील की कि अपने विकास के लिए सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक होकर योजनाओं से लाभ उठाएं।

उन्होंने कहा कि जिले के किसान वर्तमान में साल में दो ही फसल की खेती कर पाते हैं। जिला के किसान साल में खेती से तीन फसलों को कैसे प्राप्त करें, जिला प्रशासन इस दिशा में प्रयासरत है ताकि अवैध फसल की खेती से लोगों का मोह भंग हो। उपायुक्त ने लोगों से अवैध अफीम खेती को त्याग कर बागवानी, पशुपालन, कुक्कुट पालन, मधुमक्खी पालन आदि को अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिले में स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट, तरबूज व मशरूम की खेती में बढ़ोतरी हुई है। जिले में 60 मेट्रिक टन क्षमता वाली कटहल प्रसंस्करण यूनिट संचालित है।

जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया ने कहा कि जानकारी के अभाव में लोग सरकार की ओर से सचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं प्राप्त कर पाते है। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की चर्चा करते हुए लोगों से जागरुक होकर लाभ उठाने की अपील की।

खूंटी में लड़कियों के लिए खुले कल्याण गुरुकुल: दीपेश कुमारी

खूंटी। भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी और खूंटी की अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी ने कहा कि बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने में चंद्रपुर, तोरपा का कल्याण गुरुकुल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, लेकिन खूंटी जैसे जनजातीय बहुल जिले में महिलाओं के लिए भी प्रशिक्षण और उन्हें रोजगार मुहैया कराने क दिशा में पहल करने की जरूरत है। अनुमंडल पदाधिकारी शुक्रवार को कल्याण गुरुकुल तोरपा में आयोजित बैच नंबर 77 के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि खूंटी जिले में लड़कियों के लिए भी कल्याण गुरुकुल खुले। उन्होंने कहा कि महिला कल्याण गुरुकुल इसलिए भी जरूरी है कि इस क्षेत्र में सबसे अधिक मानव तस्करी होती है और तस्करी की शिकार अधिकतर इस क्षेत्र की लड़कियां ही होती हैं। उन्होंने कहा कि लड़कियों के लिए प्रशिक्षण केंद्र या कल्याण गुरुकुल खोलने में जिला प्रशासन हर संभव सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि आज आपको जो प्लेटफार्म मिला है, उसका सदुपयोग करें और गुरुकुल के साथ-साथ अपने माता-पिता और जिले का नाम रौशन करें।

Page - 03_Page - 03.qxd 08-03-2025 05:54 Page 1

संक्षिप्त

आरपीएफ ने ट्रैफिकिंग के शिकार तीन बच्चों को कराया मुक्त

साहिबगंज/रांची। आरपीएफ ने साहिबगंज जिले के बड़हरवा रेलवे स्टेशन पर ट्रैफिकिंग के शिकार तीन बच्चों को मुक्त कराया। इन बच्चों को मजदूरी के लिए ट्रेन से दूसरे राज्य ले जाया जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ की टीम ने गुरुवार रात करीब नौ बजे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर तलाशी अभियान शुरू किया। इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर 2 के फुट ओवरब्रिज के पास एक युवक के साथ तीन नाबालिग संदेहास्पद स्थिति में दिखे। संदेह होने पर उनसे पूछताछ की गई, तो उन्होंने अपना नाम मो. सारिकुल शेख (16 वर्ष), अजमेल शेख (16 वर्ष) व अंजार शेख (16 वर्ष) बताया। इन्हें ट्रेन से बड़हरवा से पुणे जाना था। इनके साथ एक युवक अजीत रविदास उर्फ मिथुन था, जो इन्हें लेकर पुणे जा रहा था।

प्रजापति होली मिलन समारोह का आयोजन

रांची : प्रजापति/कुम्हार झारखंड प्रदेश का होली मिलन सह महिला सम्मान (महिला दिवस) समारोह इस बार बोकारो जिला के तेनुघाट गेस्ट हाउस में दिनांक 09 मार्च 2025 को सुबह 09 बजे से मनाया जाएगा। होली मिलन समारोह में प्रजापति समाज के सभी प्रकोष्ठ/संगठन पदाधिकारी/बुद्धिजीवी वर्ग/समाजसेवी को विशेष निमंत्रण है, कृपया समारोह में शामिल होकर अपना ओर समाज का मान एवं मनोबल बढ़ाएं। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आवास पर होली मिलन समारोह 9 मार्च को दिन में 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आगामी रविवार 9 मार्च 2025 को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ के आवास पर होली मिलन समारोह सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। होली मिलन समारोह कार्यक्रम पिस्कामोड स्थित माननीय केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आवास पर रखा गया है। इस अवसर पर 9 मार्च रविवार को होली का रंगारंग कार्यक्रम, रंगारंग सांस्कृतिक सहित भजनों के आनंद संग होली के गीत सहित हास्य कविताओं का आयोजन किया गया है यह आयोजन 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित की गई है।

झारखंड में नौ से सतायेगी गर्मी

रांची : झारखंड में रविवार से गर्मी सताएगी। रविवार से राज्य के सभी जिलों में तापमान अधिक वृद्धि दर्ज की जायेगी। इससे लोगों को गर्मी का अधिक एहसास होगा। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शुक्रवार को बताया कि शुक्रवार और शनिवार दो दिनों तक तापमान में मामूली वृद्धि होगी, लेकिन रविवार से इसमें अधिक बढोत्तरी होने की सम्भावना है। अभिषेक आनंद ने कहा कि उत्तर पश्चिम की ओर से आनेवाली हवाओं की वजह से तापमान में अधिक बढोत्तरी नहीं हो रही है, लेकिन हवा की गति कम होते ही लोगों को गर्मी का अधिक एहसास होगा। वही रांची का शुक्रवार को अधिकतम तापमान 27.0 डिग्री, न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री, जमशेदपुर का 32.1, न्यूनतम तापमान 14.6, डालटेनगंज का 30.6, न्यूनतम तापमान 10.6 रहा।

बीआइटी मेसरा में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम बीटोत्सव '25' की थीम रिलीज

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। बीआइटी मेसरा ने अपने वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'बीटोत्सव '25' की थीम 7 मार्च को एनसीसी ग्राउंड में रिलीज किया। इस थीम का उद्घाटन छात्र मामलों के डीन डॉ भास्कर कर्ण ने किया। इस अवसर पर बीटोत्सव '25' के संकाय समन्वयक डॉ. अमित कुमार तिवारी ने सभी को संबोधित किया।

'बीटोत्सव-25' का आधिकारिक थीम 'हस्ताक्षर : सेलीब्रेटिंग दी लीजेंड्स' हैं। इसके अलावा, 'बिटोत्सव '25' की सामाजिक थीम 'महानायकों की धरती : झारखंड' थी, जिसके द्वारा झारखंड की समृद्ध विरासत और इसके महान व्यक्तित्वों श्रद्धांजलि दी गई है। यह थीम राज्य के क्रांतिकारियों, योद्धाओं और नेताओं के उस विशाल योगदान को रेखांकित करती है, जिन्होंने राज्य की नींव रखी।

यह उत्सव 60 से ज्यादा आयोजनों की मेजबानी करेगा। दिन के आयोजनों में छात्रों को कला, वाद- विवाद, क्विज और तकनीकी कौशल में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा, वहीं रात के कार्यक्रमों में मशहूर कलाकारों के प्रदर्शन होंगे।

उत्सव की शुरूआत एक भव्य उद्घाटन समारोह और हैरिटेज नाइट के साथ की जाएगी। इसमें भारतीय शास्त्रीय कला, संगीत, नाटक और नृत्य जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

उत्साह को जारी रखते हुए 21 मार्च बैंड नाइट का आयोजन किया जाएगा। 22 मार्च को रॉक बैंड्स अपनी प्रस्तुति देंगे। 23 मार्च को ग्रैंड फिनाले 'प्रो नाइट' होगा, जिसमे भारतीय संगीत उद्योग के मशहूर कलाकारों की चमक देखने को मिलेगी।

अग्रसेन भवन में हुआ बसंत मेला के पोस्टर का विमोचन

रांची : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के तत्वाधान में 19वां तीन दिवसीय बसंत मेला का आयोजन 25, 26 एवं 27 मार्च को महाराजा अग्रसेन भवन रांची में किया जा रहा है। मेले में कुल 50 स्टॉल लगाये जा रहे हैं। विभिन्न जगहों से बहने अपने एक्सक्लूसिव सामानों को लेकर आ रही है। जैसे कुर्ती, बच्चों का सामान, हैंडमेड आइटम, ज्वेलरी, भगवान का पोशाक, अपने हाथों से बने अचार, पापड़, मंगोड़ी इत्यादि सामग्रियों का स्टॉल लगाया जा रहा है। उद्यमी महिलाएं रांची, कोलकाता जामताड़ा पुरुलिया, पटना, जमशेदपुर से बहने स्टॉल लगाने के लिए आ रही है।

लोगों को नहीं है फुलो झानो योजना की जानकारी : कुशवाहा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। बजट सत्र में शुक्रवार को भाजपा विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने कहा कि राज्य के लोगों को फुलो झानो योजना की जानकारी ही नहीं है। ऐसे में हड़िया और दारू बेचने वाली महिलाएं किस प्रकार से योजना का लाभ ले सकती हैं। उन्होंने राज्य में बालू की किल्लत के चलते आवास योजनाएं पूरी नहीं होने आरोप सरकार पर लगाया।

उन्होंने कहा कि बालू का ठेका बिचौलिए के हाथों में है। ऐसे गरीबों के घर कैसे बन पाएंगे। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र में पांच सड़कों का टेंडर हुआ था, लेकिन मेसर्स सिदिलिया कंस्ट्रक्शन ने अब तक काम शुरू नहीं किया है। ऐसे संवेदकों पर सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। विधायक ने पीएम आवास योजना की राशि एक लाख 20 हजार को बढ़ाने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना में काम केवल कागजों पर ही होता है। विधायक ने कहा कि गठबंधन सरकार ने अपनी सात गारंटी में ओबीसी आरक्षण की सीमा को बढ़कर 27 प्रतिशत करने का वादा किया था, जिसे सरकार पूरा करे।

पेसा कानून को लागू करें मुख्यमंत्री : हेमलाल

झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने मुख्यमंत्री से राज्य में पेसा कानून को लागू करने की मांग की। उन्होंने पूर्व की रघुवर सरकार पर ग्राम सभा को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने ग्राम प्रधानों को गैरमजरूआ जमीन की रसीद काटने से रोका और इस जमीन का लैंड बना दिया। इससे भूमिहीन लोगों की जीविका छीन गई। ऐसे लोग गैरमजरूआ और गोचर जमीन पर खेती कर जीवन यापन करते थे। उन्होंने सरकार से राज्य के 13 जनजातीय जिलों में पेसा कानून को सख्ती से लागू करने की मांग की। हेमलाल ने केंद्र सरकार पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी और सीबीआई के जरिए प्रताड़ित कर पांच माह तक जेल में रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि झामुमो के एक कार्यकर्ता को भी 28 माह तक प्रताड़ित किया गया।

समाजिक क्रांति से होगी शराब बंदी

हेमलाल मुर्मू ने कहा कि दिशोम गुरू शिबू सोरेन ने राज्य में शराबबंदी की आवाज को बुलंद किया। लेकिन इस सामजिक बुराई को सामाजिक क्रांति के जरिए ही समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने सरकार की ओर से गांवों की प्रशिक्षित महिलाओं के लिए बाजार मुहैया कराने की मांग की। ताकि उनकी आय बढ़ सके।

10 प्रतिशत से कम कोट करनेवालों का रदद हो टेंडर

विधायक ने सरकार से 10 प्रतिशत से अधिक से भी कम कोट करनेवाले संवेदकों का टेंडर रदद करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कई संवेदक 30 से 40 प्रतिशत कम कोट कर के टेंडर डालते हैं। इससे सड़कें घटिया स्तर की बनती है और जल्द टूट जाती हैं। उन्होंने इसे लेकर कैबिनेट में निर्णय लेने की मांग की।

महिला लाभार्थियों को पाठ्यक्रम पूर्णता प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया

रांची। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के स्वर्ण जयंती समारोह के एक हिस्से के रूप में सीएमपीडीआई द्वारा आज अपने क्षेत्रीय संस्थान-2, धनबाद में 20 महिला लाभार्थियों को पाठ्यक्रम पूर्णता प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। मौके पर क्षेत्रीय संस्थान-2-धनबाद के क्षेत्रीय निदेशक संजीव एम सिंह ने सामाजिक निगमित दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत चिकित्सा उपकरण सहायक तकनीशियन के रूप में 4 महीने का प्रशिक्षण प्राप्त 20 महिला उम्मीदवारों को राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण-पत्र और 6 महिला उम्मीदवारों को कार्य (जाब) का प्रस्ताव पत्र सुपुर्द किया।

कोल इंडिया के क्षेत्राधीन (कमांड एरिया) महिला के बीच स्वास्थ्य सेवा शिक्षा को बढ़ावा देने और रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए सीएमपीडीआई ने प्रमिथ फाउंडेशन, धनबाद के साथ मिलकर झरिया कोलफील्ड क्षेत्रों की 20 महिलाओं को चिकित्सा उपकरण सहायक तकनीशियन का प्रशिक्षण प्रदान किया था। सभी महिलाओं को हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल, नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के अनुसार 510 घंटे का प्रशिक्षण मिला था।

यह पहल सीएमपीडीआई के सामाजिक निगमित दायित्व (सीएसआर) प्रयासों का एक हिस्सा है और यह क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने और स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

छह पंचायतों को पंचायती व्यवस्था से जोड़े सरकार : अरूप चटर्जी

रांची। माससं विधायक अरूप चटर्जी ने सरकार से उनके क्षेत्र के छह पंचायतों को पंचायती व्यवस्था से जोड़ने की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2002 में डीसी के आदेश पर 50 में से छह पंचायतों को पंचायती व्यावस्था से अलग कर दिया गया था, क्योंकि उस इलाके में साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क बनना था। लेकिन यह पार्क नहीं बनाया गया और इन पंचायतों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया गया। जेकेएलएम के विधायक जयराम महतो ने जादूगोड़ा में परमाणु रेडिएशन की शिकार महिलाओं की पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि यहां के एक दर्जन गांवों की 47 महिलाएं मां बनने की इच्छाए जागृत नहीं कर पाती। इसपर सरकार को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां 30 प्रतिशत महिलाओं को खुद गर्भपात हो जाता है।

राज्यपाल गंगवार से मिले नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से आज नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय (पलामूद्र के नवनियुक्त कुलपति डॉ डीके सिंह ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने डॉ सिंह से कहा कि नीलाम्बर- पीताम्बर विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा की स्थिति में सुधार लाने का व्यापक प्रयास करें। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा सुलभ कराने, ऐकेडमिक कैलेंडर का पालन करने और सत्र के नियमितीकरण के लिए निर्देश दिये।

राज्यपाल से मिले नव नियुक्त जेपीएससी अध्यक्ष एल. खियांगते

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के नवनियुक्त अध्यक्ष एल. खियांगते ने राजभवन में 7 मार्च को शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने उन्हें आयोग के कार्यों की समीक्षा कर झारखंड लोक सेवा आयोग को नियुक्ति प्रक्रिया में गति, पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने के लिए कहा, ताकि आयोग अपनी खोई हुई विश्वसनीयता प्राप्त करे। जिससे जनमानस में इसकी छवि बेहतर हो। विद्यार्थियों की शिकायतें दूर हों।

फिल्म फेस्टिवल सायनाश्योर का फिर से हुआ आगाज

रांची : शुक्रवार को संत जेवियर्स कॉलेज रांची के फादर सी डिब्रावर सभागार में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग व आई क्यू ए सी के सहयोग से एक दिवसीय स्टूडेंट फिल्म फेस्टिवल 'द कमबैक ऑफ सायनाश्योर' का आयोजन किया जो चूल्हा चौकी व जेड एक्सप्रेस कैटरिंग द्वारा प्रायोजित था। ज्ञात हो विगत 2010 से शुरूआत हुई कॉलेज में सायनाश्योर फिल्म फेस्टिवल का आयोजन होता आ रहा था जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों द्वारा निर्मित फिल्में को मंच देना है जहां फिल्म स्टूडेंट्स अपने कला का खुल कर प्रदर्शन कर पाएं। कोरोना के समय के बाद से यह फिल्म फेस्ट बंद हो गया था लेकिन इस वर्ष से फिल्म फेस्टिवल बड़ी उल्लास के साथ शुरूआत कर इसे धूम धाम से आयोजित किया। फिल्म फेस्टिवल के आयोजन में संत जेवियर्स कॉलेज के छात्रों के सहित रांची के लगभग 14 कॉलेजों के छात्रों के खुद की बनाई हुई फिल्म देखने को मिली। सायनाश्योर की शुरूआत पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार किड़ो ने अपने स्वागत भाषण से किया।

सीसीएल ने आयोजित की स्वयं सहायता समूहों की प्रदर्शनी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर सीसीएल ने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी-सह-विक्रय का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य उन महिलाओं की प्रेरणादायक यात्रा का जश्न मनाना था, जिन्होंने एसएचजी के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति सशक्त बनाई। सामाजिक प्रगति में योगदान दिया।

इस कार्यक्रम में कोयला मंत्रालय की अपर सचिव सुश्री रुपिंदर बरार, कोल इंडिया के निदेशक (एचआर) विनय रंजन, विभिन्न अनुषंगी कंपनियों के निदेशक और सीएमडी (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से) उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि पद्मश्री श्रीमती चामी मुर्मू ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सीसीएल के सीएमडी, निदेशक मंडली एवं सीवीओ भी मंच पर मौजूद रहे।

सीसीएल की सामुदायिक सेवा प्रतिबद्धता को दशार्ते हुए, सुश्री रुपिंदर बरार ने दो महत्वपूर्ण सीएसआर परियोजनाओं झ्र शांति सदन वार्ड और आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन किया।

महिला सशक्तिकरण को समर्पित आयोजनः यह कार्यक्रम उन महिलाओं की सफलता का उत्सव था, जिन्होंने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भरता हासिल की और समाज में अपनी पहचान बनाई। सीसीएल की सीएसआर पहल महिला-केंद्रित कार्यक्रमों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो उद्यमिता, कौशल विकास और

आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के अवसर पर सीसीएल परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य जागरुकता पर जोर दिया गया। इस अवसर पर मेडिका अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा कैंसर जांच शिविर आयोजित किया गया, जिसमें सीसीएल की महिला कर्मचारियों और आस-पास की महिलाओं ने भाग लिया। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने महिलाओं को कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों, रोकथाम और समय पर जांच के महत्व की जानकारी दी। यह पहल महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उन्हें निःशुल्क जांच की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई, जिससे वे स्वस्थ और सशक्त रह सकें।

प्रदर्शनी-सह-विक्रय का आयोजन

इस कार्यक्रम में 10 गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने भाग लिया। अपने उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की। विभिन्न समूहों ने अपने विशिष्ट उत्पादों के साथ स्टॉल लगाए।

- जन सहभागी विकास केंद्र : जूट उत्पाद
- झारक्राफ्ट : हस्तशिल्प एवं एप्लिक कार्य
- मार्सल प्राथमिक बुनकर सोसायटी : प्राकृतिक रंगों से बने हथकरघा वस्त्र
- स्तंभः परंपरागत सोहराई पेंटिंग
- अमर जागृति केंद्रः डोकरा, सुजनी, बांस शिल्प और लाइव लाख चूड़ी निर्माण
- युवाः मशरूम आधारित व्यंजन एवं पोल्ट्री उत्पाद
- जन ज्योति एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट : परिधान
- मानव कल्याण वेलफेयर सोसायटी : महिलाओं द्वारा संचालित ड्रोन संचालन एवं प्रदर्शन
- बीएआईएफ : आईसीडीएस परियोजना प्रदर्शनी

स्वादिष्ट क्षेत्रीय व्यंजन

स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने क्षेत्रीय व्यंजनों के स्टॉल लगाए, जिससे आगंतुकों को झारखंड की पारंपरिक स्वादिष्ट व्यंजनों का अनुभव मिला।

Page - 04_Page - 04.qxd 08-03-2025 04:55 Page 1

संक्षिप्त

वाहन चेकिंग अभियानके दौरान शराब जब्त

चतरा। पुलिस ने हंटरगंज कुलेश्वरी मार्ग स्थित डाहा मोड़ के समीप शुक्रवार को वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान ईट एवं मिट्टी लदे ट्रैक्टर को रोक कर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान ट्रैक्टर के डाला में ईट के नीचे भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब पाया गया। उसे जब्त कर थाना लाया गया और अंग्रेजी शराब के साथ दो शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया।जब्त ट्रैक्टर के डाले से रॉयल स्टैग कंपनी के 37 पेटी में 375 एमएल का 888 बोतल, इंपीरियल ब्लू कंपनी के 28 पेटी में 375 एमएल का 672 बोतल, रॉयल चैलेंजर कंपनी के 07 पेटी में 375 एमएल का 168 बोतल, कुल 1728 बोतल इंग्लिश दारू जब्त किया गया।वहीं एक महिंद्रा कंपनी का ट्रैक्टर भी जब्त किया गया। गिरफ्तार तस्कर बिहार के गया जिला के टेकारी थाना क्षेत्र के मकपा गांव निवासी मिथिलेश कुमार एवं चतरा जिला के वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के कटैया गांव निवासी जीतू भारती शामिल है।

झामुमो का सम्मेलन आयोजित

चतरा। पत्थलगडा मुख्यालय स्थित बाजारटांड में शुक्रवार को झामुमो का प्रखंड स्तरीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में झामुमो के वरिष्ठ नेता और सिमरिया विधानसभा प्रभारी मनोज चंद्रा, जिला संयोजक पंकज प्रजापति, जिला सचिव अमरदीप साहू, चुनाव प्रभारी आलोक रंजन, पंसस अनिल कुमार दांगी, चंद्रमनी यादव, चंद्रहास दांगी सहित अन्य उपस्थित हुए। बैठक में सांगठनिक मजबूती पर चर्चा हुई। सरकार की ओर से चलाए जा रहे हैं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपस्थित लोगों को दी गई। इस मौके पर मनोज चंद्रा ने कहा कि पूरे चतरा जिला में सांगठनिक चुनाव अंतिम चरण में है। पंचायत स्तरीय चुनाव के बाद सभी प्रखंडों में प्रखंड कमेटी का गठन किया जा रहा है। आज सर्वसम्मति से प्रखंड इकाई का पुनर्गठन किया गया। लगातार चौथी बार सुधीर कुमार जेएमएम के प्रखंड अध्यक्ष बने।वहीं उपाध्यक्ष वदूद अंसारी, सचिव विमल राणा, कोषाध्यक्ष प्रकाश कुमार बनाए गए। प्रखंड अध्यक्ष बनने के बाद सुधीर कुमार ने कहा कि वे पार्टी के सभी कार्यकताओं के साथ बराबर खड़ा रहेंगे।

गुआ खान से प्रभावित जामकुंडिया के लिए उपायुक्त ने दिए अहम निर्देश

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय के सभागार में उपायुक्त कुलदीप चौधरी की अध्यक्षता में समन्वय बैठक शुक्रवार को हुई।

इसका मुख्य एजेंडा गुआ सेल लौह अयस्क खदान से बहने वाले लाल पानी, मिट्टी और कंकड़ से जामकुंडिया गांव की कृषि योग्य भूमि के बंजर होने के मामले पर चर्चा करना था।

उपायुक्त चौधरी ने प्रभावित किसानों से विस्तृत जानकारी ली। सेल के अधिकारियों से वर्तमान में सीएसआर (कॉपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी) के तहत चल रहे कार्यों

का विवरण मांगा। उन्होंने सेल को अब तक की गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट जिला कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने जगन्नाथपुर अनुमंडल पदाधिकारी को प्रभावित किसानों और सेल के अधिकारियों की उपस्थिति में विकास और रोजगार संबंधी कार्यों के लिए बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया।

सेल के अधिकारियों को खदान से निकलने वाले लाल पानी, मिट्टी और धूल को खेतों और जल स्रोतों में जाने से रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के लिए कहा गया।

जिला कृषि पदाधिकारी को प्रभावित भूमि और आसपास के खेतों की मिट्टी की जांच करके सात दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी और जिला उद्यान पदाधिकारी को संबंधित गांव के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कहा गया।

जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक को क्षेत्र की महिलाओं को आजीविका, स्वरोजगार और अन्य संबंधित कार्यक्रमों से जोड़ने का निर्देश दिया गया। पेयजल और स्वच्छता विभाग के कार्यकारी अभियंता को गांव में पेयजल स्रोतों का निरीक्षण करने और आवश्यकतानुसार नए स्रोत बनाने की रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया। सभी संबंधित अधिकारी, सेल के अधिकारी और किसानों को मिलकर गांव में बुनियादी सुविधाओं का आकलन करने और सीएसआर के माध्यम से उन्हें पूरा करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में ये भी मौजूद

बैठक में उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, अपर उपायुक्त प्रवीण केरकेट्टा, जगन्नाथपुर अनुमंडल पदाधिकारी महेंद्र छोटन उरांव, जिला स्तरीय अधिकारी, सेल के अधिकारी और जामकुण्डिया गांव के किसान उपस्थित थे।

गढ़वा में दिनदहाड़े फायरिंग योगेंद्र प्रसाद को लगी गोली

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। गढ़वा-चिनिया-बरवाडी मार्ग पर तहले गांव के पास दिनदहाड़े एक व्यक्ति को गोली मार दी गई। घटना में सिगसिगा खुर्द गांव निवासी योगेंद्र प्रसाद को गोली लगी है। उन्हें गंभीर स्थिति में गढ़वा सदर अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार, योगेंद्र अपने घर से चिनिया जा रहे थे। तभी तहले घाटी में अज्ञात अपराधियों ने पीछा कर उन पर फायरिंग कर दी, जिससे उनकी पीठ में गोली लगी। घायल योगेंद्र प्रसाद ने इसे राजनीतिक षड्यंत्र बताया है। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के खिलाफ काम करने और पंचायत विकास योजनाओं को लेकर पूर्व 20 सूत्री उपाध्यक्ष नितेश सिंह और धनंजय यादव मुख्तार अंसारी से उनका विवाद चल रहा था। आज बरवाडीह में जेएमएम की एक बैठक भी थी, जिसमें उनके खिलाफ साजिश रचने की आशंका है। योगेंद्र ने बताया कि हमलावर बाइक पर सवार थे। पीछे से नजदीक आते ही उन पर फायरिंग कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी बरवाडीह की ओर फरार हो गए। सूचना मिलते ही गढ़वा थाना प्रभारी ब्रिज कुमार दल-बल के साथ सदर अस्पताल पहुंचे। योगेंद्र का बयान दर्ज किया। योगेंद्र के भाई ने बताया कि विधानसभा चुनाव के समय से ही उनके विरोधी साजिश कर रहे थे। हत्या की योजना बना रहे थे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अनुसूचित जाति सलाहकार परिषद गठन किए जाने पर दी गई मुख्यमंत्री को बधाई

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। अनुसूचित जाति सलाहकार परिषद के गठन किए जाने पर एक शिष्टमंडल ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को हार्दिक बधाई दी है।

बधाई देने वालों में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, श्रम नियोजन मंत्री संजय प्रसाद यादव, विधायक संजय यादव, प्रदेश पूर्व कार्यकारी बंधु तिर्की, प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार, पूर्व डीएसपी रामचंद्र राम कांग्रेस नेत्री इंदिरा तुरी, कौशल पासवान, पंकज कुमार, सुरेंद्र राम, किशोर नायक, प्रोफेसर संतोष राम, दामोदर वाल्मीकि, विजय भुइया आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

जिलास्तरीय मुखिया सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन

बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त हुईं शामिल, मुखियाजनों को किया संबोधित

- उत्कृष्ट कार्य करने वाले मुखियाओं को किया गया सम्मानित

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। झारखंड शिक्षा परियोजना हजारीबाग के द्वारा जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को स्थानीय नगर भवन में किया गया।

इस कार्यक्रम में सभी पंचायतों के मुखिया एवं बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त नैंसी सहाय शामिल हुई। उपायुक्त ने इस कार्यक्रम के उद्देश्यों की चर्चा करते हुए उपस्थित सभी मुखियाजनों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा सभी मुखियाजनों को कई दायित्व सौंपे गए है। पंचायत अंतर्गत जितने भी शिक्षण संस्थान तथा विद्यालय है उन संस्थानों में गुणात्मक शिक्षा प्रदान हो इसके लिए नियमित रूप अनुश्रवण किए जाने चाहिए। साथ ही साथ शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरी के लिए कौन कौन से प्रभावी कदम उठाए जा सकते है इस ओर प्रयास किए जाने चाहिए।ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूली बच्चों में ड्रॉप आउट एक प्रमुख समस्या है, इसमें कमी लाने के लिए मुखियाजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि मुखियाजनों को विद्यालय प्रबंधन समिति के साथ नियमित बैठक कर ड्रॉप आउट की संख्या में कमी लाने तथा विद्यालयों में सौ फीसदी बच्चों की उपस्थिति हो इसके लिए भी प्रयास करें। उन्होंने विद्यालयों में दिए जाने वाले मध्यान भोजन की गुणवत्ता पर भी नियमित निरीक्षण करने की बात कही। उपायुक्त ने कहा कि मुखियाजनों को पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण शक्तियां दी गई है जिनका प्रयोग कर शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने के प्रयास करने चाहिए। पंचायतो के अंतर्गत आने वाले सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, शौचालय, पानी की व्यवस्था या अन्य किसी भी प्रकार की समस्याओं पर गंभीरता पूर्वक निराकरण के प्रयास करें।

जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन कार्यक्रम में सभी 16 प्रखंडों से एक-एक मुखिया का चयन किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मुखियाजनों को उपायुक्त के हाथों सम्मानित किया गया।

सांसद मनीष जायसवाल पहुंचे मेडिकल कॉलेज अस्पताल, किया निरीक्षण, कहा

सिस्टम में करें सुधार, अन्यथा करेंगे दूसरा उपाय

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। हजारीबाग के सदर अस्पताल/ मेडिकल कॉलेज अस्पताल की व्यवस्था सुदृढ़ करने को लेकर निरंतर गंभीर और सक्रिय रहने वाले हजारीबाग लोकसभा शेर के सांसद मनीष जायसवाल ने शुक्रवार को दोपहर 12:00 जैसे ही अचानक औचक निरीक्षण करने हजारीबाग सदर अस्पताल/ मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे तो यहां अफरा- तफरी मच गई। प्रबंधन, चिकित्सक, चिकित्साकर्मी सभी एलर्ट मोड में दिखे। सांसद मनीष

जायसवाल सीधे ट्रामा सेंटर पहुंचे जहां पर्ची काउंटर में घंटों से पर्ची के इंतजार में खड़े लोगों के समस्याओं से रूबरू हुए और फि र यहां इमरजेंसी ओपीडी, ड्रेसिंग रूम, प्लास्टर रूम का निरीक्षण करने के पश्चात सीधे अधीक्षक डॉ.अनुकरण पूर्ति के कार्यालय कक्ष में पहुंचे और अस्पताल के कुव्यवस्था से जुड़े विभिन्न सवालों को जब बारी-बारी से रखा तो कई सवालों पर सुप्रिटेंडेंट घिरते नजर आए। दरअसल उन्हें पिछले दिनों यह शिकायत मिली थी कि अस्पताल में 100 रुपए पैसे लेकर या मोबाइल गिरवी रखकर कंबल, व्हीलचेयर और स्ट्रेचर दिया जा रहा है। कुछ लोगों ने यह भी शिकायत की थी कि बेडशीट भी नहीं मिल पाता है और बेडशीट रहते हुए भी चिकित्सा कर्मियों द्वारा बोला जाता है कि बेडशीट नहीं है।

पाइप चोरी के दोषी को पांच वर्ष की सजा

कोडरमा। ग्रामीण जिला पूर्ति योजना के 127 पाइप चोरी करने के एक मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने शुक्रवार को आरोपित अशरफ अंसारी को दोषी पाते हुए पांच वर्ष की सजा सुनाई है। साथ ही पांच हजार जुमार्ना लगाया।मामला वर्ष 2023 का है। इसे लेकर जयनगर थाना में विजय भोजनीया ने मामला दर्ज कराया था। थाना को दिए आवेदन में विजय भोजनीया ने कहा था कि सतडीहा, ग्रामीण जलापूर्ति योजना का कार्य उनके जरिये कराया जा रहा था।

पुलिस ने शिवम हत्याकांड का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

चांडिल। अनुमंडल के कपाली ओपी अंतर्गत बीते बुधवार की रात को हुई 21 वर्षीय शिवम हत्याकांड मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दोनों आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

गुरुवार को उक्त मामले का उद्भेदन करते हुए चांडिल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरविन्द कुमार बिन्हा ने अपने कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस दौरान बताया कि गुरुवार सुबह करीब 7 बजे कपाली पुलिस को सूचना मिली कि कमारगोड़ा में फॉरेस्ट एरिया के पास एक युवक का किसी ने गला रेत कर हत्या कर दिया गया है। मामले पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चांडिल पुलिस ने शिवम हत्याकांड मामले के दो आरोपी को तकनीकी और मानवीय साक्ष्य के सहयोग से गुरुवार को ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार के बाद पूछताछ के दौरान आरोपी सोनारी निवासी 21 वर्षीय राहुल दास और कपाली निवासी मोहम्मद आशिफ उर्फ आशिफ खान ने घटना में अपनी संलिप्ता की बात स्वीकारी है। दोनों आरोपियों के निशानदेही पर हमले में प्रयुक्त चापड़ को पुलिस ने बरामद कर लिया है। साथ ही पुलिस द्वारा घटना को अंजाम देने के लिए प्रयुक्त किए गए एक हीरो डीलक्स मोटरसाइकिल, एक होंडा एक्टिवा स्कूटर, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन इत्यादि बरामद किया गया है। उक्त मामले का खुलासा करने के लिए सरायकेला जिला पुलिस अधीक्षक के द्वारा चांडिल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरविन्द कुमार बिन्हा के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया था। जिसमें चांडिल अंचल पुलिस निरीक्षक अजय कुमार सहित कपाली ओपी प्रभारी सोनू कुमार, कपाली ओपी के पु.अ.नि कौशल कुमार, हीरालाल मुंडा, अब्दुल रज्जीक, स.अ.नि बसीर खान और कपाली ओपी के सशस्त्र बल शामिल थे।

होली और रमजान को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

आदित्यपुर। आगामी होली और रमजान के मद्देनजर शुक्रवार को थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने की।

बैठक में होली एवं रमजान शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का निर्णय लिया गया। सर्वप्रथम थाना प्रभारी ने क्षेत्र में होली को लेकर उपस्थित गण्यमान्य लोगों से जानकारी ली। बैठक में उपस्थित गण्यमान्य लोगों ने कहा कि क्षेत्र में शांतिपूर्ण वातावरण में पर्व त्यौहार मनाने की परंपरा रही है। यहां सभी समुदाय एवं सभी वर्ग के लोग मिलकर त्यौहार मनाते आए हैं। होली में एकता व सामाजिक भाईचारे का

परिचय सभी लोग देते है। साथ ही होली में हुड़दंग, अश्लील गाने, नशीले पदार्थों का सेवन, छोटे-छोटे बस्ती में शराब की भट्ठियों को बंद करवाने को लेकर चर्चा की गई। वहीं अंधेरे जगह में पुलिस वाहन की गस्ती में तेजी लाने पर जोर दिया गया। हालांकि पानी और बिजली संबंधित समस्याओं पर चर्चा की गई मगर बैठक में न तो नगर निगम के प्रतिनिधि मौजूद रहे न ही बिजली विभाग का कोई प्रतिनिधि उपस्थित रहा. इसको लेकर समिति के सदस्यों ने नाराजगी जताई। वही आदित्यपुर थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि होली के त्यौहार में नशा पान से दूर रहे। किसी प्रकार की अफवाह ना फैलाएं एवं अफवाहओं से दूर रहे। यदि कोई भी हुड़दंग करता है तो इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दें। पुलिस- प्रशासन हुड़दंगियों से निपटने में पूरी तरह से सक्षम है। कोई भी व्यक्ति कानून को अपने हाथ में लेता हैं अथवा साम्प्रदयिक सौहाद्र बिगाड़ने का काम करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में समाज विज्ञानी रविंद्र नाथ चौबे, कांग्रेसी नेता श्री राम ठाकुर, देबू चटर्जी, अधिवक्ता ओमप्रकाश, जगदीश नारायण चौबे, पूर्व पार्षद सिद्धनाथ सिंह, नीतू शर्मा, नथुनी सिंह, अजय कुमार सिंह, इंद्रजीत तिवारी, ज्ञानवी देवी, मीरा तिवारी, भाजपा नेत्री शीला पाल, मोनिका घोष, टीएमसी नेता विशेष कुमार ताती उर्फ बाबू तांती, रोशन कुमार, शंकर दास सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ओडिशा शैक्षणिक भ्रमण से लौटे गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षु

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सत्र 2023-25 के प्रशिक्षु ओडिशा शैक्षणिक भ्रमण से लौट गए हैं। यह शैक्षणिक भ्रमण दो से छह मार्च तक का था। इस दौरान उन्होंने पुरी समुद्र तट और नंदन कानन अभयारण्य का लुत्फ उठाया। वहीं कोणार्क सूर्य मंदिर, धौली पर्वत और लिंगराज का भी दर्शन और अवलोकन किया। साथ में गए कॉलेज प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष मनोज कुमार ने विभिन्न स्थलों के धार्मिक, पर्यटन और ऐतिहासिक महत्वों से प्रशिक्षुओं को अवगत कराया। कोणार्क सूर्य मंदिर के बारे में उन्होंने बताया कि यह पूर्वी भारत की अतिप्राचीन नागर शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है। पेरीप्लस (प्रथम शदी ई.) में उल्लेखित काइनापारा तत्कालीन समय में ओडिशा के समुद्र तट पर स्थित महत्वपूर्ण बंदरगाह था। सूर्य मंदिर ओडिशा की स्थापत्य कला की अनुपम कृति है। इसका निर्माण 1250 ई. में पूर्वी गंग राजा नरसिंहदेव प्रथम (1238-9264 ई.) के राज्यकाल में सूर्य (अर्क) प्रतिमा की स्थापना के लिए किया गया था।

जिला परिषद से आवंटित दुकानों का किराया 5 प्रतिशत बढ़ा

लंबी अवधि से किराया जमा नहीं करने पर आवंटियों का आवंटन होगा रद्द

- प्रखंड मुख्यालयों में गेस्ट हाउस व सतबरवा में मैरेज हॉल का होगा निर्माण

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। जिला परिषदीय आवंटित दुकानों के किराये में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। लंबी अवधि से किराया जमा नहीं करने पर आवंटियों का आवंटन रद्द होगा। यह निर्णय 7 मार्च को जिला परिषद बोर्ड की समाहरणालय स्थित उप विकास आयुक्त सभागार में हुई बैठक में लिया गया। इसकी अध्यक्षता जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी ने की।

बैठक में गत बैठक के अनुपालन की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान राजस्व संग्रहण एवं जनहित के कई

एजेंडों पर निर्णय लिए गए। बोर्ड की बैठक में लंबी अवधि से दुकानों का किराया जमा नहीं करने पर आवंटियों का आवंटन रद्द करने और बकाया किराया वसूली के लिए सर्टिफिकेट केस दर्ज करने का प्रस्ताव पारित किया गया। पुरानी/जर्जर दुकानों/ भवनों की मरम्मत कराने के साथ शटर बदलने एवं दुकानों के सामने चहारदीवारी तुड़वाने पर चर्चा की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में बीपीएएमएस अंतर्गत जिला परिषद स्तर से नक्शा स्वीकृति के लिए नोटिस भेजने पर निर्णय लिया गया। जिला परिषदीय आवंटित दुकानों का किराया प्रत्येक वर्ष 5 प्रतिशत बढ़ोत्तरी करने पर निर्णय लिया गया। दुकानों का किराया 1 जनवरी, 2018 से अपरिवर्तित है। जिला परिषद कर्मी द्वारा किराया वसूली के लिए प्रखंड भ्रमण पर यात्रा भत्ता एवं चाय-नाश्ता के लिए भत्ता स्वीकृति की गयी। आंगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण में स्थल विवाद से अच्छादित योजनाओं के समय वृद्धि का प्रस्ताव पारित किया गया। विदित हो कि वर्तमान में करीब 50 आंगनबाड़ी केन्द्र योजनाओं में स्थल विवाद चल रहा है। इसके निस्तारण के लिए अंचल एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा समेकित प्रयास किया जा रहा है। 15वें वित्त आयोग मद की 2020-21 एवं 2021-22 की शून्य प्रगति वाली योजनाओं को रद्द करने के लिए पार्षद से पुनः आवेदन मांगे गये हैं। जिनपर आवेदन प्राप्त है, उनको रद्द करने का प्रस्ताव पास किया गया। जिला परिषद में अनुमंडल स्तर पर 3 और विश्रामपुर में 1 कुल 4 मोक्ष वाहन क्रय करने पर स्वीकृति प्रदान की गयी। जिला परिषद में 1 रात्रि? प्रहरी रखने और एक जेसीबी क्रय करने का प्रस्ताव पारित किया गया। बताया गया कि किसी काम के लिए प्राइवेट से जेसीबी लेकर कार्य कराना पड़ता है। इसमें अत्यधिक राशि खर्च होती है। अपना जेसीबी होने से कार्य कराने में आसानी होगी। विभिन्न जिला परिषदीय इकाईयों के निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान की गयी। हैदरनगर में व्यवसायिक इकाई, प्रखंड मुख्यालयों में गेस्ट हाउस, सतबरवा में मैरेज हॉल पीपीटी मोड में दुकान, व्यवसायिक भवन निर्माण, मार्केट कम्पलेक्स एवं स्वागत द्वार निर्माण का निर्णय लिया गया। जिला परिषद की बैठक में अनुपस्थित पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण एवं अनुपस्थित पदाधिकारियों के साथ अप्रैल में अलग से बैठक कराने का निर्णय लिया गया।

टी20 क्रिकेट के फाइनल में आज भिडेंगी जेएससीए और कोलकाता की टीम

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

लोहरदगा। बलदेव साहू स्टेडियम में आईपीएल के तर्ज पर चल रहे एलपीएल का शुक्रवार को सेमीफाइनल मैच खेला गया। साहू परिवार और जिला क्रिकेट एसोसिएशन के बैनर तले चल रहे चार दिवसीय स्व शिव प्रसाद साहू मेमोरियल टी20 क्रिकेट टूनार्मेंट के तीसरे दिन दो पालियों में दो मैच हुआ। तीसरे दिन प्रतियोगिता के पहले पारी में जेएससीए टीम ने मुंबई की टीम को 5 विकेट से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया।

मुंबई की टीम 18 ओवर 2 बॉल में 102 में ऑल आउट हो गई। मुम्बई की ओर से हर्ष ने सर्वाधिक 31 रन बनाए। वहीं श्रेष्ठ ने 23 रन और आलोक ने 15 रनों का योगदान दिया। जेएससीए की ओर से पंकज ने सर्वाधिक 4 विकेट और शमशाद ने 2 विकेट लिए। वहीं जवाबी पारी खेलने उतरी जेएससीए की टीम ने महज 13.3 ओवर में पांच विकेट खोकर जीत हासिल की। टीम की ओर से अरविंद 33, पंकज 27, शाहिल 17 और श्रेष्ठ ने 15 रनों का योगदान दिया। मुंबई के गेंदबाज अनुज और नितेश ने 2, 2 विकेट प्राप्त किया। दूसरे मैच में लक्ष्मी रतन शुक्ला क्रिकेट एकेडमिक, कोलकाता की टीम ने दिल्ली को दो रनों से पराजित कर फाईनल में प्रवेश किया। टॉस जीतकर कोलकाता की टीम ने 8 विकेट के नुकसान पर 226 रन बनाए। टीम की ओर से विशाल भाटी ने 96, सौरभ ने 64, प्रियांशु ने 58 रनों का योगदान दिया।

Page - 05_Page - 05.qxd 08-03-2025 04:56 Page 1

संक्षिप्त

बीटीपीएस में मैनेजर सहित एक का तबादला

बोकारो थर्मल। डीवीसी मुख्यालय कोलकाता द्वारा शुक्रवार की देर शाम बोकारो थर्मल सहित डीवीसी के विभिन्न प्रोजेक्टों से कई अभियंताओं, अधिकारियों एवं कर्मियों का तबादला किया गया है। बोकारो थर्मल एचआर के मैनेजर रोहित कुमार का कोलकाता, मैथन से सुनील कुमार का बोकारो थर्मल, रांची आरडी ऑफिस की संज्ञा दास को बोकारो थर्मल, कोनार डैम सिविल के मैनेजर पवन कुमार को मैथन, बोकारो थर्मल के ग्रेड थ्री कर्मी पवित्र कुमार बाला का मैथन, पंचेत से सिविल के सीनियर मैनेजर कुंदन कुमार का तबादला कोडरमा फेज दो किया गया है।

बेकाबू बाराती वाहन पलटा, कई लोग घायल

बोकारो। जिले के जरीडीह थाना क्षेत्र में एनएच पर कल्याणपुर के समीप शुक्रवार की सुबह एक बाराती वाहन असंतुलित होकर पलट गया। इससे वाहन में सवार कई लोग चोटिल हो गए। हादसे का कारण हाईवे पर चल रहा फ्लाईओवर निर्माण कार्य बताया जा रहा है। इसकी वजह से सड़क का एक हिस्सा बंद है। दोनों तरफ के वाहन एक ही लेन से गुजर रही है। वाहनों की आमने-सामने से जोरदार टक्कर से बचने में असंतुलित हुई, जिससे स्कॉर्पियो दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो बोकारो से रांची जा रही थी। हादसे में कुछ बारातियों को मामूली चोटें आई हैं। घटना को लेकर घायल रांची के खलारी निवासी हसन रजा ने बताया कि सड़क निर्माण के कारण एक ही लेन से आमने-समाने आ रही दो ट्रक से बचने के दौरान हादसा हुआ। वहीं स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकाला तथा उनका प्राथमिक उपचार कराया। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की जांच में जुट गई है।

पूर्व विधायक ने बाबूलाल मरांडी को दी बधाई

गोमिया। झारखंड विधानसभा में बाबूलाल मरांडी को भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाने पर गोमिया के पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने बाबूलाल मरांडी को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ महतो ने कहा कि यह झारखंड की राजनीति के लिए सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और बाबूलाल मरांडी की कुशल रणनीति से झारखंड सेवा, सुशासन और अंत्योदय कल्याण की दिशा में नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में भाजपा और मजबूत होगी और राज्य सरकार की मनमानी पर अंकुश लगेगा।

अधिवक्ता विश्वनाथ प्रसाद सिंह का निधन

बोकारो। सेक्टर 12, बोकारो निवासी 68 वर्षीय अधिवक्ता विश्वनाथ प्रसाद सिंह का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गरगा नदी के श्मशान घाट पर किया गया। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स की ओर से विश्वनाथ प्रसाद सिंह के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। एसोसिएशन के नेशनल काउंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने कहा कि स्व. सिंह के सम्मान में शुक्रवार को सभी अधिवक्ता न्यायिक कार्य से अलग रहे। गिरि ने कहा कि स्व. सिंह काफी दिनों बीमारी थे।

रिश्तेदार के घर रहकर साइबर ठगी को अंजाम दे रहे थे तीन बदमाश

मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो । चास मुफस्सिल थाने की पुलिस ने साइबर ठगों के एक गिरोह का खुलासा करते हुए तीन बदमाशों को दबोचने में कामयाबी पाई है। ये सभी बदमाश अपने एक रिश्तेदार के घर रहकर साइबर ठगी के गोरखधंधे को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर तीनों को गिरफ्तार किया।

चास मुफस्सिल थाने से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित पुपुनकी गांव में एक रिश्तेदार के यहां रहकर तीन साइबर ठग लोगों को ठगी का शिकार बना रहे थे। पुलिस को इसकी गुप्त सूचना मिलने के बाद उनकी निगरानी की गई और पुष्टि के बाद उन्हें बीते गुरुवार की रात्रि करीब 12 बजे छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया। इनमें जामताड़ा के नारायणपुर थाना क्षेत्र के लोकानिया गांव निवासी सुबल दास, धनबाद के टुंडी निवासी सूरज दास और पश्चिम बंगाल के बराकर के दास पाड़ा निवासी देवाशीष दास के नाम शामिल हैं। गिरफ्तार बदमाशों में देवाशीष का पुपुनकी में सुधीर दास रिश्तेदार है, जिनके यहां रहकर तीनों आरोपी लोगों से ठगी किया करते थे। इनके पास से एक लैपटॉप, विभिन्न कम्पनियों का 18 मोबाइल और दो डायरी बरामद किया गया है। इनमें सुबल दास का जामताड़ा और मिहिजाम थाना में और सूरज दास का मिहिजाम थाने में आपराधिक रिकॉर्ड है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बोकारो एसपी मनोज स्वर्गियारी को गुप्त सूचना मिली कि पुपुनकी गांव में सुधीर दास के घर पर कुछ दिनों से कुछ साइबर अपराधी ठहरे हैं और आमलोगों के मोबाइल पर कॉल कर विभिन्न तरीके से पैसे की ठगी कर रहे हैं। उक्त सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस ने उनकी निगरानी रखनी शुरू की। साथ ही साइबर सेल के सहयोग से उस क्षेत्र के मोबाइल लोकेशन पर भी निगरानी रखी गई। एक ही नंबर से कई बार कॉल होने पर पुलिस कंफर्म हुई और इंस्पेक्टर सह चास थाना प्रभारी खुर्शीद आलम के नेतृत्व में टीम गठन कर छापेमारी की गई और उन्हें गिरफ्तार किया गया। थाना लाकर पूछताछ पर आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। तत्पश्चात पुलिस ने कार्रवाई शुरू किया। छापेमारी में पुअनि मकसूद अहमद, राहुल कुमार राम, कुंदन कुमार यादव, सअनि महेश कुमार एवं सशत्र बल के जवान शामिल थे।

डीवीसी कोनार डैम में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। डीवीसी कोनार डैम स्थित मुख्य कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में शुक्रवार को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन एचओपी राणा रंजीत सिंह ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। एचओपी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने का कार्य किया जा रहा है। कहा कि हिन्दी काफी सुगम एवं सरल भाषा है, जिसके कारण इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा दिया गया है। हिन्दी में काम करना आसान है और उन्होंने अपने सभी विभागों के अधिकारियों, इंजीनियरों एवं कर्मचारियों हिन्दी में कार्य करने की सलाह देते हुए इस पर बल दिया। उन्होंने हिन्दी के प्रचार-प्रसार को लेकर राजभाषा विभाग द्वारा दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र के बारे में भी बताया। कार्यशाला का संचालन हिन्दी अधिकारी अशोक कपूर ने किया। कार्यशाला में प्रबंधक सिविल पवन कुमार, डीवीसी उच्च और मध्य विद्यालय के प्राचार्य भरत महतो और राजेश्वर रजक के साथ मुख्य कार्यालय के राजेश कुमार, सीएसआर के कार्यपालक सुनील कुमार सहित अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

बिना एनओसी के डीवीसी की जमीन पर कार्य को लेकर एचओपी को लिखा पत्र

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल नई बस्ती निवासी गिरिडीह सांसद के प्रतिनिधि तथा डीवीसी विस्थापित एवं स्थानीय समन्वय समिति के युवा अध्यक्ष जितेंद्र यादव ने शुक्रवार को डीवीसी के स्थानीय एचओपी को गोविंदपुर सी पंचायत सचिवालय एवं डीवीसी उच्च विद्यालय के समीप बिना एनओसी के अनाधिकृत रूप से चहारदीवारी निर्माण को लेकर पत्र लिखा है।

पत्र के अनुसार उक्त स्थान के समीप ही कुछ माह पूर्व एक विस्थापित द्वारा जीवन निर्वहन करने को लेकर पेवर ब्लॉक बिछाने का कार्य किया जा रहा था तो डीवीसी प्रबंधन ने उसे रोक दिया था, तो फिर चहारदीवारी का निर्माण बिना एनओसी के कैसे करने दिया जा रहा है। लिखा है कि पंद्रह दिनों के अंदर उक्त निर्माण कार्य पर कार्रवाई नहीं की जाएगी तो सभी विस्थापितों के द्वारा डीवीसी की जमीन पर अनाधिकृत रूप से निर्माण कार्य आरंभ कर दिया जाएगा। सांसद प्रतिनिधि ने एचओपी को भेजे पत्र की प्रतिलिपि पीएमओ नई दिल्ली, डीवीसी चेयरमैन, सीएमओ झारखंड, गिरिडीह सांसद, बोकारो डीसी, एसडीएम बेरमो तथा सीओ बेरमो को भी भेजी है।

बोकारो में बैंक कर्मियों का प्रदर्शन, हड़ताल की चेतावनी

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बैंकों में कार्यरत सभी यूनियनों क्रमशः एआईबीए, एआईबीओसी, एनसीबीए, बीईएफआई, एएबीओए, एएनबीईएफआई, एनबीओसी, एनओबीयू, एनओबीओ के यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बैनर तले शुक्रवार को चास-बोकारो के सभी बैंक कर्मचारी एवं अधिकारियों ने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित होकर स्थानीय भारतीय स्टेट बैंक, बोकारो स्टील सिटी शाखा, सेक्टर 4 सिटी सेंटर के सामने विशाल प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन आगामी दिनांक 24-25 मार्च को घोषित दो दिवसीय अखिल भारतीय बैंक हड़ताल के आलोक में

आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की कड़ी में पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के तहत किया गया। इस प्रदर्शन के माध्यम से बैंक कर्मियों ने बेहतर ग्राहक सेवा एवं कार्यस्थल पर तनाव के लिए अविलंब बैंक में सभी संवर्गों में समुचित बहाली की मांग की। साथ ही, यह भी मांग की कि बैंकों में पांच दिवसीय बैंकिंग को भी जल्द से ज्यादा लागू किया जाए। इसके साथ यह भी मांग की गई की इंडियन बैंक एसोसिएशन (सभी बैंकों के शीर्ष प्रबंधन की सम्मिलित आधिकारिक संस्था) के साथ यूएफबीयू की हुई वाताओं में जो मामले लंबित रह गए हैं, उनका सकारात्मक समाधान भी जल्द से जल्द किया जाए। इन्हीं मांगों के आलोक में बैंक कर्मियों ने नारों के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद की। इस प्रदर्शन में महिला बैंक कर्मियों की भारी उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर यूएफबीयू के जिला संयोजक सिद्धेश नारायण दास ने बताया कि 3 मार्च 2025 को दिल्ली में हुए प्रदर्शन के दिन के अखिल भारतीय नेतृत्वकर्ता द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा निदेशालय (डीएफएस) के अधिकारियों से भी वार्ता कर उन्हें यूएफबीयू द्वारा घोषित दिनांक 24 एवं 25 मार्च 2025 को दो दिवसीय हड़ताल के संबंध में दिए गए नोटिस के संबंध में बताया एवं अपनी मांगों से अधिकारियों को अवगत कराया। डीएफएस अधिकारियों द्वारा कहा गया कि इंडियन बैंक एसोसिएशन इस संबंध में यूएफबीयू से वार्ता कर मामले का निष्पादन करेगी। किंतु अभी तक इंडियन बैंक एसोसिएशन द्वारा वार्ता के लिए कोई सूचना नहीं दी गई है। हम आज के इस देशव्यापी प्रदर्शन के माध्यम से भारत सरकार एवं इंडियन बैंक एसोसिएशन को आगाह करना चाहते हैं यदि हमारी मांगों पर अविलंब ध्यान नहीं दिया गया तो 24 एवं 25 मार्च को दो दिवसीय हड़ताल तो होगी ही। साथ ही इसके बाद भी यदि सरकार नहीं चेतती है तो हम अपने बैंकों, बैंक के ग्राहकों एवं अपने अस्तित्व की रक्षा हेतु संघर्ष को और भी तेज करेंगे एवं मांगों की पूर्ति होने तक अंतिम दम तक संघर्ष करेंगे।

बीडीओ ने पेयजल की समस्या दूर करने का दिया निर्देश

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

गोमिया। गोमिया प्रखंड कार्यालय सभागार में शुक्रवार को उपायुक्त बोकारो के निदेर्शानुसार गोमिया प्रखंड की सभी पंचायतों में पेयजल की समस्या को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई।

बैठक में बीडीओ महादेव कुमार महतो, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता रोहित मंडल, प्रभारी पंचायती राज पदाधिकारी राजकिशोर मिश्र, कनीय अभियंता दीपक कुमार तथा गोमिया प्रखण्ड की पंचायतों के

मुखिया, पंचायत सचिव उपस्थित थे। बैठक में बीडीओ महादेव कुमार महतो ने कहा कि गोमिया प्रखण्ड में लोगों को पेयजल की उपलब्धता के लिए सभी पंचायत के मुखिया एवं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग खराब पड़े हुए चापाकल एवं जलमीनार को अपने अपने स्तर से मरम्मत करेंगे, ताकि आने वाले गर्मी के दिनों में लोगों को सुचारू रूप से पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि समय कम है, इसे देखते हुए सभी पंचायत प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी इसे अति आवश्यक समझते हुए जल्द से जल्द खराब पड़े हुए चापाकल एवं जलमीनार की मरम्मत का कार्य शुरू कर दें। इस सम्बन्ध में बोकारो उपायुक्त का स्पष्ट निर्देश है पेयजल समस्या के समाधान में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। मौके पर मुखिया बलराम रजक, विनोद विश्वकर्मा, राजेश रजवार, आदित्य कुमार महतो, महादेव महतो, शमीर्ला देवी, सावित्री देवी, सोनाराम मुर्मू, रामवृक्ष मुर्मू, मिनी देवी, रीतलाल महतो, पंचायत सचिव राधा कुमारी, राजू मल्लाह, सुदामा तूरी, उदय डे, संजय कुमार, ओमप्रकाश, अनुज कुमार, सोनू कुमार, रितु कुमारी, प्रीति कुमारी, पूर्णिमा कुमारी, नितेश कुमार, चंदन कुमार, पंकज कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

महिलाओं के साथ पुरुष को कंधे से कंधा मिलाकर चलने की जरूरत : अविजीत घोष

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

चंद्रपुरा। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के अस्पताल प्रबंधन द्वारा महिलाओं को कैंसर से बचाव के लिए आयोजित जागरूकता शिविर शुक्रवार को संपन्न हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संबोधन में वरिष्ठ महाप्रबंधक अविजीत घोष ने कहा कि महिलाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पुरुष को चलना चाहिए। उनकी सफलता में ही पुरुषों, समाज और देश की सफलता निहित है। उन्होंने कहा कि आदिकाल में भी समाज कल्याण में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। वर्तमान समय में भी हम महिलाओं से अलग हटकर समाज के निर्माण के बारे में सोच भी नहीं सकते। श्री घोष ने कहा कि महिलाएं हमेशा पूजनीय रही है, इसलिए हम सभी का दायित्व बनता है कि हम सभी मिलकर उनका आदर करें।

अवसर पर अशर्फी अस्पताल के डॉक्टर विप्लव मिश्रा और डॉक्टर रमेश कुमार ने महिलाओं को होने वाले स्तन कैंसर सहित अन्य तरह के कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से अवगत कराया और कहा कि हर महिलाओं को 45 साल से अधिक उम्र होने पर कैंसर संबंधित बीमारी की जांच कराते रहना चाहिए। इस अवसर पर डॉक्टर पीके घोष, विनोद कुमार राय, कंचन स्मिता टोप्पो, डॉक्टर अंजनी तिग्गा आदि ने समारोह को संबोधित किया।

एमआरपी से अधिक मूल्य पर शराब बेचने को लेकर हंगामा, मारपीट में तीन घायल

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। जिले में निर्धारित मूल्य (अधिकतम खुदरा मूल्य) से अधिक दाम पर शराब बेचने का सिलसिला नहीं थम रहा। इसे लेकर आए दिन दुकानदारों और ग्राहकों में बकझक होती ही रहती है। लेकिन, शुक्रवार को यह बकझक मारपीट में तब्दील हो गई।

जरीडीह थाना क्षेत्र के बहादुरपुर-कसमार पथ पर स्थित सरकारी शराब दुकान में निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर शराब बेचने के मामले को लेकर दुकानदार व ग्राहक के बीच जमकर मारपीट हुई। मारपीट में दुकानदार व ग्राहक, दोनों के माथे में गंभीर चोट आई है। शराब दुकान में कार्यरत आलोक कुमार व अन्य दो कर्मी (विक्रेता) एवं दूसरे पक्ष क्रेता सोनू सिंह के मारपीट होने की बात कही गई। वहीं, ग्राहक व घायल युवक सोनू सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार के निर्धारित मूल्य से अधिक लेने के बात पर पूछे जाने पर आलोक व दुकान के अन्य दो कर्मचारी दबंगई दिखाते हुए डंडा लेकर मारपीट करने को उतारू हो गए। दूसरे पक्ष से आरोप है कि युवक सोनू सिंह ने शराब की बोतल से वार कर शराब दुकान के स्टाफ आलोक को घायल कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि गश्त कर रही पुलिस के हस्तक्षेप में बाद दोनों व्यक्ति अपने-अपने इलाज के लिए अस्पताल निकल पड़े।

कौम की चढ़दी कलां रहेगी: कुलविंदर

जमशेदपुर। कौमी सिख मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता कुलविंदर सिंह ने नए जत्थेदारों को पंथ की चढ़दी कलां और कौम की एकता, मजबूती की जिम्मेवारी मिलने पर बधाई दी है। अधिवक्ता कुलविंदर सिंह के अनुसार कौम के समक्ष कड़ी चुनौतियां सामने है। हाल के दिनों में सिख राजनीति में जो कुछ चल रहा है, वह अच्छे संकेत नहीं है। अब क्योंकि सिख संसद शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने फैसला ले लिया है कि सिखों के शीर्ष धार्मिक पीठ श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार एवं तख्त श्री केशगढ़ साहिब के जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी कुलदीप सिंह जी गढ़गज और तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी बाबा टेक सिंह जी धनौला होंगे। अब गुरु नानक नाम लेवा संगत की जिम्मेवारी बनती है कि इन जत्थेदारों का भरपूर सहयोग एवं सत्कार करें। कौमी सिख मोर्चा सहित सभी संगठन , जत्थेबंदियों को पूरा विश्वास है कि वर्तमान परिस्थिति में गुरु पंथ एवं कौम की एकता, मजबूती और चढ़दी कला के लिए नए जत्थेदार काम करेंगे।

शांति निकेतन में सम्मानित हुए गोमिया के कलाकार

गोमिया। रविन्द्र नाथ टैगोर की कर्मभूमि शांति निकेतन में ऑल इंडिया थिएटर काउंसिल के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का समापन हुआ। इस अधिवेशन में एमवीआर म्यूजिकल ग्रुप के संगीत निदेशक मुकेश कुमार सिन्हा, की-बोर्ड प्लेयर ऋषभ देव सिन्हा एवं ऑक्टा पैड प्लेयर विनीत कुमार को एआईटीसी के जनगीत के संगीत निर्देशन के लिए प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक केन्द्र कोलकाता के द्वारा निर्मित सृजनी शिल्पग्राम के मंच पर देश के सत्रह राज्यों से आए रंगकर्मियों का कला मंचन एवं विचारों का आदान-प्रदान हुआ। राष्ट्रीय महासचिव सतीश कुंदन एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक मेहरा, उपाध्याय, राजेन्द्र प्रसाद एवं श्रीमती सरसि चंद्रा ने अनेक प्रदेशों से आए रंगकर्मियों के साथ मिलकर एआईटीसी का ध्वज फहराकर कार्यक्रम की शुरूआत की। तत्पश्चात प्रसिद्ध लेखक श्री सुरेन्द्र सागर द्वारा रचित एवं एम भी म्यूजिकल ग्रुप द्वारा संगीतबद्ध किए गए एआईटीसी के जनगीत की प्रस्तुति मुकेश कुमार सिन्हा एवं ऋषभ देव सिन्हा के द्वारा दी गई। देश के अलग-अलग हिस्सों से आए लगभग 300 रंगकर्मियों ने दो दिवसीय सत्र में भाग लिया, जिसमें 15 मार्च से राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन एकल नाट्य प्रतियोगिता, नाटक लेखन प्रतियोगिता आयोजित करने पर सहमति बनी। साथ ही शास्त्रीय व अर्ध शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता भी ऑनलाइन ही करवाए जाएंगे।

होली, रामनवमी और ईद को लेकर एसडीपीओ ने की बैठक

बोकारो। जिले के बेरमो अनुमंडल में होली, रामनवमी और ईद को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को बेरमो के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह ने पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक रणनीतियों पर चर्चा दी तथा दिशा-निर्देश दिए। संवेदनशील स्थानों की पहचान करते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने का उन्होंने निर्देश दिया। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को असामाजिक तत्वों पर नजर रखने और संभावित गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ समय रहते कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही, अपराध समीक्षा बैठक में मामलों के त्वरित निष्पादन पर भी जोर दिया। कहा कि पुलिस प्रशासन का मुख्य उद्देश्य त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संपन्न कराना है ताकि समाज में भाईचारा बना रहे। इस अवसर पर पेटरवार, कसमार, जरीडीह, महुआटांड़, जगेश्वर विहार, चतरोचट्टी, आईईएल, पेक नारायणपुर, गोमिया सहित कई थानों के प्रभारी और अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

श्यामा माई मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन सोल्लास से मना कृष्ण जन्मोत्सव, झूम उठे भक्त

प्रभु की कृपा जब मिल जाए, तो कुछ भी असंभव नहीं : पं. गोविंद शास्त्री

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। नगर के सेक्टर- 2डी स्थित श्यामा माई मंदिर में चल रहे होली महोत्सव सह श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन शुक्रवार को श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आनंद छाया रहा। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

उन्होंने भजन-कीर्तन के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। वे जमकर झूमे। वृंदावन से पधारे कथावाचक गोविंद कृष्ण शास्त्रीजी महाराज ने भक्ति के साधन पर विस्तार से

प्रकाश डाला और कहा कि मनुष्य के जीवन में अच्छे व बुरे दिन प्रभु की कृपा से ही आते हैं। उन्होंने कहा कि जिस समय भगवान कृष्ण का जन्म हुआ, जेल के ताले टूट गये। पहरेदार सो गये, वासुदेव व देवकी बंधन-मुक्त हो गए, प्रभु की कृपा से कुछ भी असंभव नहीं है, कृपा न होने पर प्रभु मनुष्य को सभी सुखों से वंचित कर देते हैं। भगवान का जन्म होने के बाद वासुदेव ने भरी जमुना पार करके उन्हें गोकुल पहुंचा दिया। वहां से वह यशोदा के यहां पैदा हुई शक्तिरूपा बेटी को लेकर चले आये। कृष्ण जन्मोत्सव पर- नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की, गीत पर भक्त जमकर झूमे। कंस ने वासुदेव के हाथ से कन्या रूपी शक्तिरूपा को छीनकर जमीन पर पटकना चाहा तो वह कन्या राजा कंस के हाथ से छूटकर आसमान में चली गई। शक्ति रूप में प्रकट होकर आकाशवाणी करने लगी कि कंस, तेरा वध करने वाला पैदा हो चुका है। भयभीत कंस खींझता हुआ अपने महल की ओर लौट गया और इस तरह भगवान द्वापर में धरती पर प्रकट हुए और धरती पर दुष्टों का संहार किया और भक्तों का उद्धार। कथा के बीच-बीच में पं. गोविंदजी ने मनमोहक भजन गाकर भक्तों को खूब झुमाया और माहौल भक्तिरस में सराबोर रहा। मंदिर के अमरेंद्र मिश्र सभागार में आयोजित इस अनुष्ठान में महायज्ञ के यजमान मंजू मिश्र व गोविंद मिश्र, श्यामानंद मिश्र, इंदु मिश्र सहित मैथिली कलामंच कालीपूजा ट्रस्ट के अध्यक्ष कृष्ण चंद्र झा एवं महामंत्री सुनील मोहन ठाकुर के अलावा सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

Page - 06_Page - 06.qxd 08-03-2025 04:57 Page 1

सार्थक भागीदारी के बिना कैसे हल होंगे आधी दुनिया के मसले

महिला दिवस विशेष

प्रियंका सौरभ

केवल महिला दिवस पर ही नहीं, हर रोज महिलाओं को लड़ाई लड़नी पड़ेगी इस बदलाव के लिए, अपने हकों के लिए। छोटी शुरूआत ही सही, लेकिन शुरूआत सबको करनी पड़ेगी। ये संघर्ष का सफर अंतहीन है। महिलाओं के लिए समान वेतन हो, उन्हें फॉर ग्रांटेड न लिया जाए। मैं एक ऐसा समाज चाहती हूँ, जहाँ बराबरी के लिए महिलाओं को बार-बार अपनी छाती पीटकर अपनी पहचान न साबित करनी पड़े, अवसर सबको मिले। महिलाओं को अपने टैलेंट के दम पर काम मिले, उसे सराहा जाए, उसकी कद्र हो।

केवल महिला दिवस पर ही नहीं, हर रोज महिलाओं को लड़ाई लड़नी पड़ेगी इस बदलाव के लिए, अपने हकों के लिए। छोटी शुरूआत ही सही, लेकिन शुरूआत सबको करनी पड़ेगी। ये संघर्ष का सफर अंतहीन है। महिलाओं के लिए समान वेतन हो, उन्हें फॉर ग्रांटेड न लिया जाए। मैं एक ऐसा समाज चाहती हूँ, जहाँ बराबरी के लिए महिलाओं को बार-बार अपनी छाती पीटकर अपनी पहचान न साबित करनी पड़े, अवसर सबको मिले। महिलाओं को अपने टैलेंट के दम पर काम मिले, उसे सराहा जाए, उसकी कद्र हो। घर और काम की जगह पर महिला होने के नाते सहानुभूति नहीं चाहिए, सिर्फ. बराबरी चाहिए। जो स्वाभाविक हो, उसके लिए संघर्ष न करना पड़ा। निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी ना केवल उनका अधिकार है, बल्कि यह सार्वजनिक निर्णयों में उनके हितों का सम्मान करने की अनिवार्य शर्त भी है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा था कि लोकतंत्र का स्तर मूल रूप से महिलाओं के सशक्तीकरण पर निर्भर करता है। इस असमानता को कम करने के लिए शिक्षा के जरिए महिलाओं को सशक्त बनाना, उत्पीड़न से मुक्त और सुरक्षित वातावरण बनाना, लड़कियों को जीवन कौशल सिखाना, हिंसा को खत्म करना पहली आवश्यकता है।

हमारे देश में महिलाएँ जनसंख्या का लगभग 48% हिस्सा हैं, फिर भी वे लोकसभा सीटों के 15% से भी कम पर कब्जा करती हैं। इस महत्त्वपूर्ण अल्प प्रतिनिधित्व के परिणामस्वरूप कार्यस्थल सुरक्षा, अवैतनिक देखभाल ज़िम्मेदारियाँ और आर्थिक अधिकार जैसे महिला मुद्दों की अनदेखी होती है। इस तरह का बहिष्कार पितृसत्तात्मक मानदंडों को बनाए रखता है। फिर भी, ऐसे भेदभाव को दूर करने, कानूनी सुरक्षा बढ़ाने और संवैधानिक अधिकारों की पुष्टि करने में न्यायिक कार्यवाही महत्त्वपूर्ण रही है, हालाँकि गहरी जड़ें जमाए हुए पूर्वाग्रहों को मिटाने में उनकी सफलता अभी भी चर्चा का विषय है। महिला प्रतिनिधित्व की कमी से मातृ अधिकारों का हनन होता है, जिसके परिणामस्वरूप कार्यस्थल पर भेदभाव होता है और पर्याप्त सहायता की कमी होती है। मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम 2017 सवेतन अवकाश प्रदान करता है, लेकिन निजी क्षेत्र में इसका कार्यान्वयन कम है, जो महिलाओं को कार्यबल में शामिल होने से हतोत्साहित करता है।

निर्णय लेने की प्रक्रिया से महिलाओं को बाहर रखने से महिला सशक्तिकरण की कड़ी कमजोर होती है। इसके पीछे की वजहें हैं लैंगिक पूर्वाग्रह और भेदभाव, कार्यस्थल

संस्कृति, सामाजिक और पारिवारिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी न होने से महिलाओं को दरकिनार किया जाता है। इससे दायरा सीमित हो जाता है और इस सीमित दायरे में आने वाली चुनौतियों का सामना करना मुश्किल होता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यालय के मुताबिक, निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी ना केवल उनका अधिकार है, बल्कि यह सार्वजनिक निर्णयों में उनके हितों का सम्मान करने की अनिवार्य शर्त भी है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा था कि लोकतंत्र का स्तर मूल रूप से महिलाओं के सशक्तीकरण पर निर्भर करता है। इस असमानता को कम करने के लिए शिक्षा के जरिए महिलाओं को सशक्त बनाना, उत्पीड़न से मुक्त और सुरक्षित वातावरण बनाना, लड़कियों को जीवन कौशल सिखाना, हिंसा को खत्म करना पहली आवश्यकता है।

वर्तमान नीतियाँ लचीली कार्य व्यवस्था प्रदान नहीं करती हैं, परिणामस्वरूप महिलाओं के लिए अपने पेशेवर और घरेलू जीवन को संतुलित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। कई कार्यस्थल पॉश अधिनियम 2013 का अनुपालन नहीं करते हैं, क्योंकि पुरुष-प्रधान नेतृत्व अक्सर महिलाओं की सुरक्षा की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता को अनदेखा करता है। इसके अतिरिक्त, नीतियाँ महिला उद्यमियों को समान ऋण और व्यावसायिक प्रोत्साहन प्राप्त करने में पर्याप्त रूप से सहायता नहीं करती हैं, जो उनके आर्थिक सशक्तीकरण को सीमित करती हैं। हालांकि न्यायालयों ने मातृ सुरक्षा को मजबूत करके लिंग-संवेदनशील कार्यस्थलों को बढ़ावा देने में भूमिका निभाई है। 2024 में, सुप्रीम कोर्ट ने दो महिला न्यायाधीशों को बहाल किया, इस बात पर जोर देते हुए कि गर्भावस्था से सम्बंधित बर्खास्तगी दंडनीय और अवैध दोनों है, जिससे कार्यस्थल समानता को बढ़ावा मिलता है। न्यायिक निर्णयों ने महिलाओं के लिए कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए भेदभावपूर्ण धार्मिक प्रथाओं को भी उलट दिया है। उदाहरण के लिए, 2017 में शायरा बानो मामले ने ट्रिपल तलाक को अपराध घोषित कर दिया, जिससे मुस्लिम महिलाओं के वैवाहिक अधिकार सुरक्षित हो गए।

इसके अलावा, अदालतों ने हिंदू उत्तराधिकार कानूनों में पितृसत्तात्मक पूर्वाग्रहों को चुनौती देते हुए समान उत्तराधिकार अधिकारों को बरकरार रखा है, जैसा कि 2020 में विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में देखा गया है, जिसमें पुष्टि की गई है कि बेटियों को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार है। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण लागू करें। प्रतिनिधित्व में सुधार के लिए चुनावों में महिला आरक्षण विधेयक को पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। न्यायालयों को लिंग कानूनों के पालन की निगरानी और प्रवर्तन करने की आवश्यकता है, जिससे प्रभावी नीति कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। फास्ट-ट्रैक न्यायालयों को कार्यस्थल उत्पीड़न की घटनाओं के लिए त्वरित न्याय प्रदान करना चाहिए। नीतियों को महिलाओं के लिए वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और उद्यमिता समर्थन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए बड़े ऋण प्रदान करने के लिए मुद्रा योजना का विस्तार किया जाना चाहिए। स्कूली पाठ्यक्रम में कम उम्र से ही पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती देने के लिए लिंग जागरूकता को शामिल किया जाना चाहिए। समानता-केंद्रित शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए पाठ्यपुस्तकों में लिंग-संवेदनशील सामग्री शामिल होनी चाहिए। कंपनियों के लिए गहन ऑडिट आयोजित करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे मातृत्व और उत्पीड़न विरोधी नियमों का अनुपालन करती हैं। कोई भी देश अपनी आधी आबादी को पीछे छोड़कर आगे नहीं बढ़ सकता। लिंग-संवेदनशील नीतियों को विकसित करने के लिए निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी महत्त्वपूर्ण है। उन्हें विधायी सुधारों, जमीनी स्तर पर शिक्षा और संस्थागत प्रवर्तन तंत्र द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए। राजनीतिक प्रतिनिधित्व, आर्थिक भागीदारी और कानूनी सुरक्षा को बढ़ाने से भारत के लिए वास्तव में न्यायसंगत और समावेशी शासन प्रणाली बनेगी। महिलाओं की आवाज, दृष्टिकोण और प्रतिनिधित्व की कमी को दूर करने के लिए, महिलाओं के नेतृत्व वाले संगठनों सहित महिलाओं की सार्थक भागीदारी और नेतृत्व को मानवीय कार्यवाही के सभी स्तरों पर बढ़ावा दिया जाना जरूरी है।

केवल महिला दिवस पर ही नहीं, हर रोज महिलाओं को लड़ाई लड़नी पड़ेगी इस बदलाव के लिए, अपने हकों के लिए। छोटी शुरूआत ही सही, लेकिन शुरूआत सबको करनी पड़ेगी। ये संघर्ष का सफर अंतहीन है। महिलाओं के लिए समान वेतन हो, उन्हें फॉर ग्रांटेड न लिया जाए। मैं एक ऐसा समाज चाहती हूँ, जहाँ बराबरी के लिए महिलाओं को बार-बार अपनी छाती पीटकर अपनी पहचान न साबित करनी पड़े, अवसर सबको मिले। महिलाओं को अपने टैलेंट के दम पर काम मिले, उसे सराहा जाए, उसकी कद्र हो। घर और काम की जगह पर महिला होने के नाते सहानुभूति नहीं चाहिए, सिर्फ. बराबरी चाहिए। जो स्वाभाविक हो, उसके लिए संघर्ष न करना पड़ा।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

ट्रंप, टैरिफ और विश्व

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में सब को चकित करने वाले जिस तरह की फैसला ले रहे हैं उसके कारण समूचा विश्व परिदृश्य बदल रहा है। अमेरिका के पारंपरिक मित्र देश उनसे दूर होते जा रहे हैं और दूसरी और पारंपरिक शत्रु देश करीब आ रहे हैं। सब कुछ इतनी तेज गति से हो रहा है कि अमेरिका के मित्र और सहयोगी देश स्तब्ध और चिंतित हैं। इस बीच बुधवार को ट्रंप ने अमेरिकी संसद को संबोधित करते हुए भारत समेत दुनिया के कई अन्य देशों पर 2 अप्रैल से पारस्परिक टैरिफ लगाने की घोषणा की है। सिटी रिसर्च नामक संस्था के अनुमान के मुताबिक ट्रंप के इस फैसले से भारत को प्रतिवर्ष करीब 7 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, मेटल, केमिकल और ज्वेलरी हो सकते हैं। ट्रंप ने साफ तौर पर कहा है कि अमेरिकी सामानों पर भारत जितना टैरिफ लगाएगा अमेरिका भी भारतीय सामानों पर उतना ही टैरिफ लगाएगा। अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य चैंबर ने चेतावनी जारी किया कि ट्रंप के टैरिफ से विश्व की अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी और 1930 की जैसी महान मंदी आ सकती है। जाहिर है यूक्रेन को लेकर ट्रंप के फैसलों के खिलाफ यूरोपीय देश एकजुट और लामबंद हो रहे हैं और अब टैरिफ में बढ़ोतरी से उनपर विपरीत असर पड़ेगा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूड़ो ने ट्रंप के टैरिफ को बेहद मूर्खतापूर्ण बताते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूस को खुश करने के लिए कनाडा के खिलाफ व्यापार युद्ध शुरू किया है। चीन ने भी अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि अमेरिका युद्ध चाहता है, चाहे वह टैरिफ युद्ध हो, व्यापार युद्ध हो या कोई अन्य युद्ध हो। यह स्पष्ट हो गया है कि ट्रंप 'अमेरिका फर्स्ट' के तहत संरक्षणवादी आर्थिक नीतियों को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसका दुनिया भार की अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक असर पड़ेगा। यदि ट्रंप मानते हैं कि चीन अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और इसलिए वह उसके साथ दोस्ताना संबंध काम करना चाहते हैं तो उन्हें यह भी याद रखना होगा कि हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में भारत की जरूरत पड़ेगी। भारत को टैरिफ से बचने के लिए बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से आगे बढ़ना होगा। यहां के प्रमुख निमार्ताओं को अपने उत्पादन को और अधिक गुणवत्तापूर्ण बनाना होगा ताकि उनकी मांग और बढ़े।

चिंतन-मनन

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं। अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती। चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

संन्यास लेने से क्यों डरते हैं हमारे नेता?

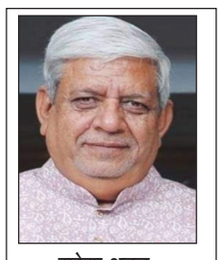

राकेश अचल

ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। दुनिया के तमाम क्रिकेटर स्मिथ की तरह ही क्रिकेट से एक तय समय के बाद खुद सन्यास लेने का सार्वजनिक ऐलान करते हैं ,लेकिन दुनिया में खासतौर पर भारत में ऐसे बहुत कम नेता हैं जो स्वेच्छा से राजनीति से सन्यास लेने का ऐलान करते हों। भारतीय परम्परा में तो सन्यास जीवन की सर्वोत्कृष्ट अवस्था है। सन्यास की सनातन परम्परा सामंतकाल में भी थी लेकिन लोकतंत्र में इसका परित्याग कार दिया। अकेली राजनीति ऐसी है जिसमें आश्रम व्यवस्था लागू नहीं होती । यानि न नेता ब्रम्हचर्य का पालन करता है ,न गृहस्थ रहना चाहता है और न वानप्रस्थ में जाना चाहता है ,सन्यास लेना तो बहुत दूर की बात है। राजनीति में जब कोई सन्यास नहीं लेता तो उसे मार्गदर्शक मंडल में डाल दिया जाता है।

मैंने जब से होश सम्हाला है तभी से राजनीति में सक्रिय बहुत कम लोगों को राजनीति से सन्यास लेने की घोषणा करते देखा है ,उलटे सन्यास ले चुके लोग राजनीति में घुसपैठ करते जरूर देखे हैं और इस समय तो राजनीति में सन्यासियों की पौ -बारह है।वे केंद्र में भी मंत्री हैं और मुख्यमंत्री भी। खिलाडियों में सन्यास लेना आम बात है लेकिन राजनीति में सन्यास लेना खास घटना मानी जाती है। नेताओं को उनकी अपनी पार्टियां जबरन हाशिये पर डाल देतीं हैं क्योंकि वे खिलाड़ियों की तरह खेल भावना से राजनीयति से सन्यास नहीं लेते। किसी भी दल में सन्यासी न हों ऐसी बात नहीं है ,लेकिन उनकी संख्या न के बराबर है। नानाजी देशमुख या कामराज या ज्योति बसु जैसे बहुत कम नेता हुए हैं जिन्होंने स्वेच्छा से सन्यास लिया हो। सवाल ये है कि आखिर राजनीति में ऐसा क्या है जो नेता उससे सन्यास नहीं लेना नहीं चाहते ? इस विषय पर न किसी ने शोध किया है और न पीएचडी की उपाधि हासिल की है ,क्योंकि इस विषय पर शोध करने की न फुरसत है और न इजाजत। मान लीजिये इजाजत मिल भी जाए तो गाइड नहीं मिलेगा। क्योंकि विषय ही अछूत है।

राजनीति से सन्यास लेने वाले भारत के प्रमुख नेताओं पर यदि आपको निबंध लिखने के लिए कह दिया जाये तो आप मुश्किल से एक-दो पृष्ठ ही लिख पाएंगे,क्योंकि राजनीति से ससम्मान सन्यास लेने वाले हैं ही गिने चुने। देश के पहले प्रधानमंत्री से लेकर आज के प्रधानमंत्री तक किसी ने राजनीति से सन्यास लेने के बारे में कार्ययोजना बनाना तो दूर, कभी सोचा तक नहीं। इस मामले में हर विचारधारा के नेता एक जैसा सोचते है। राजनीति में व्यक्ति जीवन पर्यन्त सक्रिय रहना चाहता है। कुर्सी के बिना जीवित रहना किसी भी नेता के लिए असम्भव काम है। भारतीय राजनीति में कोई सन्यास नहीं लेता लेकिन शारीरिक अस्वस्थता की वजह से उसे घर बैठना पड़े तो अलग बात है। मिसाल के तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी।

दुनिया में राजनीति ही एक मात्र ऐसा क्षेत्र है जहाँ सन्यास का न कोई लिखित विधान है और न कोई विवादास्पद इतिहास। राजनीति में कोई औरंगजेब भी तो नहीं है जिसने कम से कम पचास साल शासन किया हो।हमारे सनातन में तो राजा- महाराजा अपने जीते जी अपने उत्तराधिकारी की न सिर्फ घोषणा कर देते थे बल्कि उनका राज्याभिषेक भी करा देते थे। राजनीति में नेता अपना उत्तर्राधिकारी तो घोषत करते हैं लेकिन खुद सन्यास नहीं लेते। हमारी संसद और विधानसभाओं में पिता-पुत्र ,पति-पत्नी,भाई-भाई साथ -साथ मिल जायेंगे। राजनीति से नेताओं को सन्यास केवल मृत्यु ही दिलाती है। मुमकिन है कि मै गलत होऊं ,लेकिन मैंने तो अपनी स्मृति में अपवादों को छोड़ किसी को औपचारिक रूप से सन्यास लेते नहीं देखा। आपने देखा हो तो जरूर बताएं।

मौजूदा राजनीति में हमारे तमाम नेता 80 पार कर चुके हैं लेकिन राजनीति छोड़ने को तैयार नहीं हैं ,ये भी पता नहीं चल पता कि राजीति ने नेताओं को पकड़ रखा है या नेताओं ने राजनीति को ? अब कांग्रेस से ही शुरू कीजिये। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हो या ,श्रीमती सोनिया गाँधी सन्यास के बारे में कोई योजना अभी तक नहीं बना पायीं हैं। भाजपा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का भी राजनीति से सन्यास से कोई इरादा नहीं है। एनसीपी के शरद पंवार हर बार, आखरी बार कहते हैं और हर बार राजनीति से चिपके दिखाई देते हैं। राजद के लालू प्रसाद जी ने अपनी पत्नी और बेटे - बेटियों को भी स्थापित कर दिया लेकिन सन्यास की घोषणा नहीं की।

बहन मायावती तो किसी आश्रम में रहीं ही नहीं इसलिए उनके सन्यास आश्रम में जाने का सवाल ही नहीं उठता। सन्यास की उम्र तो बहन ममता बनर्जी की भी हो गयी है लेकिन वे भी इस बारे में शायद सोच नहीं पायी हैं। नीतीश कुमार भी सन्यासी नहीं बनना चाहते। समाजवादियों में भी कोई सन्यासी हो तो आप बताइये ? वाम पंथियों में एक ज्योति बासु अपवाद रहे,उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से राजनीति से सन्यास

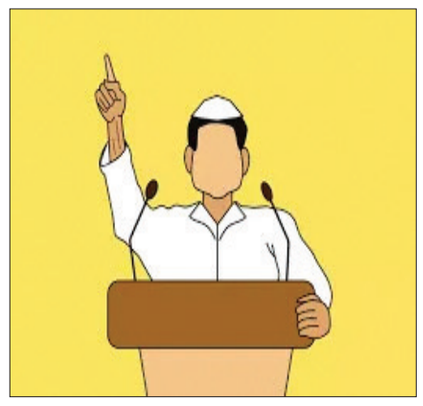

लेकर बुद्धदेव भट्टाचार्य को अपना उत्तराधिकारी बना दिया था ,अन्यथा वामपंथी भी आजन्म नेता होते हैं और मरते समय तक पोलित ब्यूरो सम्हालने का हौसला रखते हैं।

मुझे लगता है कि राजनीति में सन्यास शब्द से चिढ़ने वाले ,सन्यास को फालतू की चीज मानने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। किसी दल में कोई ऐसा नेता नहीं है जो स्मिथ की तरह ,सचिन तेंदुलकर ,कपिल देव की तरह अपने सक्रिय जीवन से सन्यास लेने की घोषणा कर अपने चाहने वालों को चौंकाए। अमेरिका में जो वाइडन साहब 80 पार कर भी सन्यासी नहीं बने ,वे तो ईसाई हैं ,उनके यहां शायद सन्यास की व्यवस्था नहीं है। वहां शायद रिटायरमेंट चलता हो लेकिन हम भारतियों की जीवन शैली में सन्यास एक खास व्यवस्था है लेकिन हमारे नेता सन्यास के नाम से ही बिदक जाते हैं। आपको यकीन न हो तो अपने क्षेत्र के किसी विधायक,संसद,मंत्री या प्रधानमंत्री से रजनीति से सन्यास लेने के बारे में प्रश्न करके देख लीजिये ? हकीकत समझ जायेंगे।

शेयर बाजार : कतई न घबराएं निवेशक

सतीश सिंह

अठाईस फरवरी को सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों के क्रैश करने के बाद भी शेयर बाजार में गिरावट का दौर जारी है। चूंकि, सेंसेक्स में पिछले 5 महीनों से गिरावट दर्ज की जा रही है और निफ्टी में भी 1996 के बाद यानी 29 सालों के बाद पिछले कुछ दिनों से लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। लिहाजा, छोटे निवेशकों में घबराहट की स्थिति बनी हुई है।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सूचकांक सेंसेक्स में कुल 30 कंपनियां सूचीबद्ध हैं और एनएसई या निफ्टी में कंपनियां सूचीबद्ध हैं। शेयर बाजार में देसी, विदेशी संस्थागत निवेशक, व्यक्तिगत विदेशी निवेशक आदि सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश करते हैं। दोनों सूचकांक बेहद संवेदनशील हैं। जब सूचीबद्ध कंपनियों में से किसी खास कंपनी के शेयर की लगातार बिकवाली की जाती है तो उक्त कंपनी पर से निवेशकों का भरोसा कम हो जाता है और उस कंपनी के शेयरों की कीमत कम हो जाती है, जिससे निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ता है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी ने 100 रुपये में एक्स कंपनी का 1 शेयर खरीदा है और जब उस शेयर की कीमत घट कर 80 हो जाती है तो निवेशक को 20 रुपये का नुकसान होता है।

शेयरों की कीमत में उतार-चढ़ाव आने के कई कारण होते हैं। जैसे कंपनी का खराब वित्तीय प्रदर्शन या फिर कंपनी का किसी विवाद में पड़ना, राजनीतिक अस्थिरता, सरकार की नीतियां, डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना, वैश्विक अनिश्चितता, कारोबारी युद्ध की आशंका, भू-राजनैतिक संकट, अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा अपनाई गई नीतियां आदि। सेबी शेयर बाजार का नियामक है, लेकिन सेबी की उपस्थिति के बावजूद इसमें कृत्रिम रूप से गिरावट लाने और फिर उसे उठाने के कुछ मामले देखे गए हैं। ऐसा कुछ खास लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए किया जाता है, जिसमें सबसे अधिक नुकसान छोटे निवेशकों को होता है। मामले में हर्षद मेहता कांड का जिक्र किया जा सकता है। बाजार में गड़बड़ी को भांपने के लिए सतर्क रहने और बाजार को समझने की जरूरत है।

जरूरी है कि शेयर बाजार में निवेश को जीवन यापन का जरिया बनाने की कोशिश नहीं की जाए और लालच से बचा जाए। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बड़ी राशि निवेश कर रखी है, जिनमें अमेरिका पहले स्थान पर है, जबकि लक्जमबर्ग और कनाडा दूसरे एवं तीसरे स्थान पर हैं। 28 फरवरी को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 11,639 करोड़ की बिकवाली की, जबकि इस साल 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बिकवाली विदेशी संस्थागत निवेशकों ने की है। घरेलू निवेशकों ने 28 फरवरी को लगभग 8 लाख 88 हजार करोड़ रुपये की बिकवाली की। दरअसल, भारत में भीड़ के साथ चलने की परंपरा है। कुछ लोगों को बिकवाली करते देख दूसरे लोग भी उनका अनुकरण करने लगते हैं। 28 फरवरी को आईटी, टेलीकॉम, स्वास्थ्य, बैंकिंग, एफएमसीजी आदि सभी क्षेत्रों के शेयरों में बिकवाली दर्ज की गई। इसलिए, बाजार के साथ छेड़छाड़ की गुंजाइश नहीं प्रतीत हो रही है। जीडीपी के आंकड़े भी दर्शा रहे है कि विकास की रफ्तार में तेजी आ रही है। आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने 7 फरवरी को मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की, जिससे यह 6.50 प्रतिशत से घट कर 6.25 प्रतिशत के स्तर पर आ गई। गौरतलब है कि करीब 5 सालों के बाद रेपो दर में कटौती की गई है। मुख्य तौर पर महंगाई के कारण केंद्रीय बैंक रेपो दर में कटौती करने से परहेज कर रहा था। पिछले दो सालों में 14 प्रतिशत से 16 प्रतिशत के बीच ऋण वृद्धि रहने के बाद समग्र क्रेड़िट ग्रोथ बीते कुछ महीनों से धीमी हो रही है। इसका बड़ा कारण उधारी दर का महंगा होना है। दरअसल, बैंकों के पास सस्ती पूंजी नहीं है। इसलिए वे महंगी दर पर ऋण देने को मजबूर हैं। महंगी दर पर ऋण उपलब्ध होने के कारण आमजन और कारोबारी ऋण लेने से बच रहे हैं। इस वजह से, कंपनियों के पास पूंजी की कमी है, जिसके कारण वे पूरी क्षमता के साथ उत्पादन नहीं कर पा रही हैं।

बजट में सरकार ने साफ तौर पर बता दिया है कि उसका मकसद विकास को गति देना है। दिसम्बर तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर के 6.2 प्रतिशत रहने से विकास की गति में तेजी आने की उम्मीद बढक्षी है।

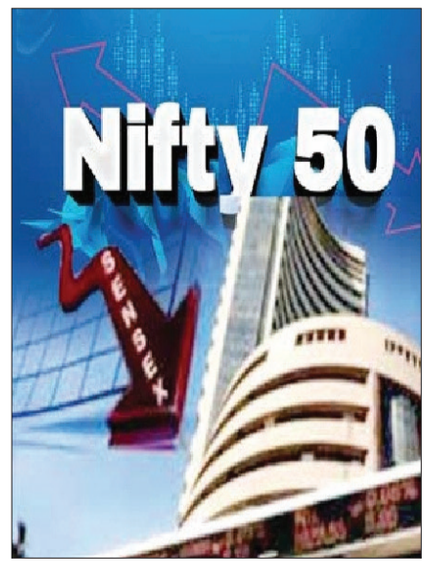

साथ ही, विकास दर में और भी इजाफा लाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में कटौती की है। पुनश्चः जनवरी महीने में महंगाई में कमी आने से आगामी मौद्रिक समीक्षाओं में भी रेपो दर में कटौती करने का रास्ता साफ हो गया है, जिससे देश के विकास की रफ्तार को बल मिलेगा और जब अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तो शेयर बाजार में बिकवाली की गुंजाइश कम होगी और निवेशकों को अपने निवेश पर आकर्षक प्रतिफल मिलना संभव सकेगा। इसलिए, निवेशकों को घबराने की कतई जरूरत नहीं है, उन्हें सिर्फ बेवजह बिकवाली से बचने की आवश्यकता है।

Page - 07_Page - 07.qxd 08-03-2025 04:57 Page 1

विमेंस डे पर महिला स्टाफ को दें ये तोहफे

8 मार्च को महिला दिवस पर महिलाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें थैंक्यू कहने के लिए ऑफिसों में भी गिफ्ट आदि दिए जाते हैं. ऐसे में तोहफा कुछ ऐसा होना चाहिए कि जो महिलाओं के लिए वाकई हेल्पफुल हो और जिसे देखकर उनके चेहरे पर मुस्कुराहट आ जाए.

महिलाओं को स्पेशल फील करवाने के लिए वैसे तो किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती, लेकिन हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, जिसके पीछे का मुख्य उद्देश्य उनको हर क्षेत्र में आगे बढ़ने, सशक्त बनने के लिए प्रेरित करना और उनके अधिकारों को प्रति जागरुक करना है. इस दिन लोग महिलाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने और उन्हें थैंक्यू कहने के लिए कुछ स्पेशल करना चाहते हैं और इसलिए कार्यस्थलों पर भी महिला स्टाफ के लिए कई जगहों पर तोहफे दिए जाते हैं. महिला दिवस के दिन अगर किसी महिला को तोहफा देकर उनके प्रति आभार व्यक्त करना हो या फिर उन्हें स्पेशल फील करवाना हो तो उन्हें कुछ गिफ्ट दिए जा सकते हैं जो उनके चेहरे पर मुस्कान ला देंगे. तो चलिए जानते हैं कि महिला स्टाफ को कौन से गिफ्ट दिए जा सकते हैं.

फ्री स्पा पैकेज का कूपन

ज्यादातर महिलाएं अपने ऑफिस के साथ ही घर का काम भी संभालती हैं और इसी वजह से खुद की सेल्फ केयर के लिए इतना वक्त नहीं निकाल पाती हैं. इसलिए महिला स्टाफ को अगर विमेंस डे पर कोई गिफ्ट देना हो तो फ्री स्पा पैकेज का कूपन दे सकते हैं. जिससे वो अपनी भागदौड़ भरी लाइफ से कुछ वक्त खुद को दे पाएंगी. ये गिफ्ट देखकर किसी भी महिला को खुशी जरूर होगी.

ब्यूटी और हेयर केयर प्रोडक्ट का कॉम्बो सेट

इसमें कोई दो राय नहीं है कि महिलाएं अपनी ब्यूटी और बालों को लेकर कोई कोताही नहीं बरतना चाहती हैं, इसलिए उनको ब्यूटी और हेयर केयर प्रोडक्ट्स का कॉम्बो सेट दिया जा सकता है. तो फिर इस विमेंस डे महिला स्टाफ के चेहरे पर मुस्कुराहट लाने के लिए ये एक अच्छा ऑप्शन है.

तैयार करवाएं ये स्पेशल गिफ्ट हैंपर

महिलाएं अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं रहती हैं या सीधे-सीधे कहें तो वह खुद से पहले फैमिली को रखती हैं और इसी वजह से कई बार उनकी सेहत नजरअंदाज हो जाती है. इसलिए इस विमेंस डे महिला स्टाफ के लिए हेल्थ से जुड़ी चीजों का स्पेशल गिफ्ट हैंपर तैयार करवा सकते हैं. जिसमें, एक स्मार्ट वॉच, योगा मैट, जंपिंग रोप, कुछ सीड्स और नट्स पैक करवा सकते हैं.

अपनी जिंदगी की महानायिका हैं आप

वह नायिका है .उसके आने से आती है एक मधुर सुगंधित आहट। आहट त्योहार की। आहट रास, उल्लास और श्रृंगार की। आहट आस्था, अध्यात्म और उच्च आदर्शों के प्रतिस्थापन की। सुंदर सुकोमल फूलों की वादियों के बीच खुल जाती है खुशबू की महकती राहें, उसके आने से। नायिका जो बिखेरती है चारों तरफ खुशियों के खूब सारे खिलते-खिलखिलाते रंग।

उसके कई रंग है, हर रंग में एक आस है, विश्वास है और अहसास है। उसके रूप में संस्कृति है, सुरूचि है और सौंदर्य है। वही केन्द्र में है, वही परिधि.हर कोने में सुव्यक्त होती है उसकी शक्ति। उस दिव्य शक्ति के बिना किसी त्योहार, किसी पर्व, किसी रंग और किसी उमंग की कल्पना संभव नहीं है। हमारे समस्त रीति-रिवाज, तीज-त्योहार या अनुष्ठान-विधान हमारी नायिका के हाथों ही संपन्न होते हैं। इस धरा की महकती मिट्टी की महिमा है कि नायिका इतने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठापित है। सदियों पूर्व इसी सौंधी वसुंधरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपना विराट स्वरूप दिखाते हुए कहा था - 'कीर्तिः श्री वारक्च नारीणां
स्मृति मेर्धा धृतिः क्षमा।'

अर्थात नारी में मैं, कीर्ति, श्री, वाक, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा हूं।

दूसरे शब्दों में इन नारायण तत्वों से निर्मित नारी ही नारायणी है। संपूर्ण विश्व में भारत ही वह पवित्र भूमि है, जहां नारी अपने श्रेष्ठतम और पवित्र रूपों में अभिव्यक्त हुई है। हमारी आर्य संस्कृति में नायिका अतिविशिष्ट स्थान रहा है। आर्य चिंतन में तीन अनादि तत्व माने गए हैं - परब्रह्म, माया और जीव। माया, परब्रह्म की आदिशक्ति है एवं जीवन के सभी क्रियाकलाप उसी की इच्छाशक्ति होते हैं। ऋग्वेद में माया को ही आदिशक्ति कहा गया है उसका रूप अत्यंत तेजस्वी और ऊर्जावान है। फिर भी वह परम कारूणिक और कोमल है। जड़-चेतन सभी पर वह निस्पृह और निष्पक्ष भाव से अपनी करूणा बरसाती है। प्राणी मात्र में आशा और शक्ति का संचार करती है। देवी भागवत के अनुसार -'समस्त विधाएं, कलाएं, ग्राम्य देवियां और सभी नारियां इसी आदिशक्ति की अंशरूपिणी हैं। एक सूक्त में देवी कहती हैं - 'अहं राष्ट्री संगमती बसना
अहं रूद्राय धनुरातीमि'

अर्थात - 'मैं ही राष्ट्र को बांधने और ऐश्वर्य देने वाली शक्ति हूं। मैं ही रूद्र के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाती हूं। धरती, आकाश में व्याप्त हो मैं ही मानव त्राण के लिए संग्राम करती हूं।'

विविध अंश रूपों में यही आदिशक्ति सभी देवताओं की परम शक्ति कहलाती हैं, जिसके बिना वे सब अपूर्ण हैं, अकेले हैं, अधूरे हैं। हमारी यशस्वी संस्कृति स्त्री को कई आकर्षक संबोधन देती है। मां कल्याणी है, पत्नी गृहलक्ष्मी है। बिटिया राजनंदिनी है और नवेली बहू के कुंकुम चरण ऐश्वर्य लक्ष्मी आगमन का प्रतीक है। हर रूप में वह आराध्या है। पौराणिक आख्यान कहते हैं कि अनादिकाल से नैसर्गिक अधिकार उसे स्वतः ही प्राप्त हैं। कभी मांगने नहीं पड़े हैं। वह सदैव देने वाली है। अपना सर्वस्व देकर भी वह पूर्णत्व के भाव से भर उठती है। जल, थल, अग्नि, गगन और समीर इन्हीं पंचतत्वों को मिलाकर ही सृष्टिकर्ता ने 'उसे' भी रचा है। उसके सुंदर सपने भी उम्मीद भरे आकार ग्रहण करते हैं। 'वह' भी अनुभूतियों की मधुरतम सुगंध से सराबोर होना चाहती है। मंदिर की खनकती सुरीली घंटियों-सी 'उसकी' खिलखिलाहट भी चहुंओर बिखर जाना चाहती है। महत्वाकांक्षा की आम्रमंजरियां 'उसके' भी मन-उपवन को महकाना चाहती हैं, किंतु यथार्थ.वह समाज में सिर्फ 'देह' समझी जाती है। उसके सपने आकार ग्रहण करें, उससे पहले बिखेर दिए जाते हैं, अनुभूतियां छल-कपट का शिकार हो छटपटाती रह जाती हैं, उसकी हंसी कुकृत्य की कड़वाहट के कुहास में दफना दी जाती है और महत्वाकांक्षा कैक्टस में परिवर्तित हो हमेशा की चुभन बन जाती है। ऐसा क्या चाहा है उसने इस समाज से, जो वह देने में सक्षम नहीं है सहारा, सुविधा, संसाधन और सहायता? नहीं। उसने हमेशा एक सुंदर, संस्कारित, उच्च मानवीय दृष्टिकोण वाला सभ्य परिवेश चाहा है। अपनी सहृदयता से उसे नैतिक संबल और सुअवसर दीजिए कि वह सिद्ध कर सके - अपने व्यक्तित्व को, अपनी विशिष्टता को। अपने ही पूरक पुरुष को पछाड़ना उसका मानस नहीं है, उनसे आगे निकल जाना उसका ध्येय नहीं है, वह तो समाज में अपना एक वजूद चाहती है, एक पहचान चाहती है, जो उसकी अपनी हो। क्यों समाज कृपण और

भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में एक श्लोक है- यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताः। अर्थात, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु वर्तमान में जो हालात दिखाई देते हैं, उसमें नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे भोग की वस्तु समझकर आदमी अपने तरीके से इस्तेमाल कर रहा है। यह बेहद चिंताजनक बात है। लेकिन हमारी संस्कृति को बनाए रखते हुए नारी का सम्मान कैसे किया जाए, इस पर विचार करना आवश्यक है।

कंगाल हो जाता है, जब कुछ उसे देने की बात आती है, जिसने अपने पृथ्वी पर आगमन से ही सिर्फ और सिर्फ दिया है, लिया कुछ नहीं।

मुट्ठी भर आसमान, एक चुटकी धूप, अंजुरी भर हवा और थोड़ी-सी जमीन, जहां वह अपने कदमों को आत्मविश्वास के साथ रख सके। बस इससे अधिक तो कभी नहीं चाहा उसने! फिर क्यों उसके उत्थान के उज्ज्वल सूर्य को अर्घ्य देने में सारे समाज का समंदर थरथरा उठता है? क्यों उसके विस्तार की धरा को अभिस्पर्शित करने में समाज के हाथ पंगु हो जाते हैं और क्यों उसके विराट महत्व को स्वीकारने में सारा समाज संकीर्ण हो जाता है?

कई रिश्तों में बंधी लेकिन सबको जीती हुई.मां, पत्नी, प्रेमिका, मित्र, बहू, बेटी, बहन, ननद, भाभी, देवरानी, जेठानी, चाची, ताई, मामी, बुआ,मौसी, दादी, नानी, बॉस, सहकर्मी,अनंत सूची है..मीठे, मोहक रिश्तों को अपने आंचल में बांधे तलाशती है वह खुद को। वह मिलती है खुद से। रिश्तों के इतने सुरीले-सुरम्य आंगन में खड़ी वह बनाती है एक रिश्ता अपने आप से। जी हां, नायिका का एक रिश्ता और है और वह है खुद का खुद से। स्वयं का स्वयं से। अपना सबकुछ देने के बाद भी वह बचा कर रखती है खुद को खुद के लिए। वह नहीं भूलती उस खूबसूरत रिश्ते को जो उसका उससे है।

यह रिश्ता नायिका का उससे परिचय करवाता है। यही रिश्ता कहता है उससे, खुद में ही झांकने के लिए। कितने मधुर सपने हैं उसके भीतर जो साकार होने के लिए कसमसा रहे हैं। यह रिश्ता उसे चुनौती देता है, ऐसा क्या है जो वह नहीं कर सकती? फिर यही कहता है उससे-सब कुछ तो कर सकती हो तुम।

यह रिश्ता उसका उस पर ही विश्वास स्थापित करता है.और वह जीत जाती है दुनिया की हर जंग। वह अपने आप से लड़ती भी है, वह अपने आप से प्यार भी करती है। वह अपने आप का सम्मान भी करती है। यही रिश्ता समझाता है उसे- खुद के लिए वह क्या है और उसकी जिंदगी के क्या मायने हैं। क्या आपका है अपने आपसे यह रूहानी रिश्ता? ढेर सारे रिश्तों के बीच बनाएं एक गहरा, नाजुक, मधुर और मजबूत रिश्ता अपने आप सेक्योंकि आप नायिका हैं अपनी ही जिंदगी पर बनी अपनी ही फिल्म की आप महानायिका हैं।

इस थीम के साथ मनाया जायेगा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

विश्वभर में प्रतिवर्ष 8 मार्च के दिन को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिवस को विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित किया गया है। इस दिवस पर लोगों को महिलाओं के प्रति आदर सम्मान, उनके अधिकारों, उनकी उपलब्धियों को बताने के साथ ही लैंगिग समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।

Accelerate Action थीम के साथ मनाया जा रहा इस वर्ष का महिला दिवस

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुरुआत 20 सदी (सन 1908) सदी की शुरुआत में में महिलाओं के अधिकारों की वकालत करने के लिए हुई थी। पहली बार अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में महिलाओं ने अपने लिए वोट देने का अधिकार एवं उचित वेतन के लिए मार्च निकाला था। इस मार्च के कुछ साल बाद पहले बार 19 मार्च 1911 में स्विट्जरलैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क जैसे देशों में पहले बार इस दिन को मनाया गया।

8 मार्च को क्यों मान्यता?

रूस में 8 मार्च 1917 को महिलाओं में अपने हक के लिए हड़ताल की। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने इसी दिन को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1975 में आधिकारिक तौर पर इसे 8 मार्च को मनाये जाने की मान्यता दी। इसके बाद से प्रतिवर्ष इसे 8 मार्च को ही सेलिब्रेट किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का क्या है उद्देश्य?

इस दिन को मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान को याद कर लोगों तक पहुंचाना तथा लैंगिक समानता और महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में समाज के बीच जागरूकता बढ़ाना है।

क्या है विश्व महिला दिवस का इतिहास?

विश्व अंतर्राष्ट्रीय दिवस 8 मार्च को पूरी दुनिया में मनाया जाता है। यह महिलाओं के लिए अब एक उत्सव के रूप में बदल गया है। इस मौके पर कई तरह के आयोजन किए जाते हैं, लेकिन इसकी शुरुआत और इतिहास को लेकर भी कई दिलचस्प पहलू हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आखिर महिलाओं से जुडे इस उत्सव की शुरुआत कब हुई और क्या है इसका इतिहास। दरअसल, समानाधिकार के लिए महिलाओं की लड़ाई के बाद इसे मनाने की परंपरा शुरू हुई। प्राचीन ग्रीस में लीसिसट्राटा नाम की एक महिला ने फ्रेंच क्रांति के दौरान युद्ध समाप्ति की मांग रखते हुए इस आंदोलन की शुरूआत की थी। फारसी महिलाओं के एक समूह ने वरसेल्स में इस दिन एक मोर्चा निकाला। इस मोर्चे का मकसद युद्ध की वजह से महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचार को रोकना था। साल 1909 में सोशलिस्ट पार्टी ऑफ अमेरिका ने पहली बार पूरे अमेरिका में 28 फरवरी को महिला दिवस मनाया था। सन 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल द्वारा कोपनहेगन में महिला दिवस की स्थापना हुई। 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विटजरलैंड में लाखों महिलाओं द्वारा रैली निकाली गई। मताधिकार, सरकारी कार्यकारिणी में जगह, नौकरी में भेदभाव को खत्म करने जैसी कई मुद्दों की मांग इस रैली में की गई। 1913-14 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, रूसी महिलाओं द्वारा पहली बार शांति की स्थापना के लिए फरवरी माह के अंतिम रविवार को महिला दिवस मनाया गया। यूरोप में भी युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन हुए। 1917 तक विश्व युद्ध में रूस के 2 लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए, रूसी महिलाओं ने फिर रोटी और शांति के लिए इस दिन हड़ताल की। हालांकि राजनेता इसके खिलाफ थे, फिर भी महिलाओं ने एक नहीं सुनी और अपना आंदोलन जारी रखा और फलतः रूस के जार को अपनी गद्दी छोड़नी पड़ी और सरकार को महिलाओं को वोट देने के अधिकार की घोषणा करनी पड़ी। यह दिन महिलाओं को उनकी क्षमता, सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक तरक्की दिलाने व उन महिलाओं को याद करने का दिन है जिन्होंने महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए अथक प्रयास किए। भारत में भी महिला दिवस व्यापक रूप से मनाया जाने लगा है। पूरे देश में इस दिन महिलाओं को समाज में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। समाज, राजनीति, संगीत, फिल्म, साहित्य, शिक्षा क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए महिलाओं को सम्मानित किया जाता है।

नए युग की नारी के पास उच्चतम शिखर छूने की अपार क्षमता

नए युग की नारी के पास कामयाबी के उच्चतम शिखर को छूने की अपार क्षमता है। उसके पास अनगिनत अवसर भी हैं। जिंदगी जीने का जज्बा उसमें पैदा हो चुका है। दृढ़ इच्छाशक्ति एवं शिक्षा ने नारी मन को उच्च आकांक्षाएं, सपनों के सप्तरंग एवं अंतर्मन की परतों को खोलने की नई राह दी है। निःसंदेह आज की नारी की भूमिका में तीव्रता से परिवर्तन हुआ है।

पहले वह घर की रानी थी, फिर उत्तम कार्यों में संलग्न होकर समाज कल्याण में प्रवृत्त हुई और आज वह राजनीतिज्ञों एवं प्रशासकों की सामाजिक भूमिका में उतरी है। तथापि हम इस तथ्य से भली-भांति अवगत हैं कि नारी की पारंपरिक भूमिका का अतिक्रमण होना अभी शेष है और कि उसके विरुद्ध पूर्वाग्रह आज भी सदा की भाँति प्रबल हैं। इस सदी की नारी समाज में 'टेक ओवर' करने के रूप में उभरी है। उसने कड़ी मेहनत से बहुत तरक्की की है, पर उसका समाज में सम्मान नहीं बढ़ा। उसके वजूद से जुड़े प्रश्न आज भी उठते हैं। सबकुछ हासिल करने के बाद भी उसका नाम,उसकी तरक्की उसे खोखला महसूस करा जाते हैं। क्यों? क्योंकि पुरुष वैज्ञानिक रूप से चांद पर पहुंचकर भी मानसिक रूप से रसातल में ही है। 'नारी के सतीत्व और पुरुष के पुरुषत्व में अंतर मात्र इतना ही है कि स्त्री का सतीत्व उसके शरीर से जुड़ा है, जिसके भंग होते ही उसका मातृत्व जीवंत हो उठता है। नारी की दुनिया में सबकुछ है- उसका घर, परिवार, नाते-रिश्ते, समाज-संसार लेकिन वह स्वयं कहां है? एक सृजनशील, विकासवान व्यक्तित्व के रूप में? यह खोज आज उसके लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यह उसके अस्तित्व का सवाल है और यह सवाल बहुत नाजुक है। नारी जो मां है, बहन है, बेटी है, पत्नी है उसके हिस्से में अभी भी चूल्हे, धुएं, बिस्तर, बच्चे, बर्तन, दहलीजें हैं। वह सिर्फ निर्णय मानने वाली एक छोटी और दास इकाई है। अधिकांशतः ग्रेजुएशन करने वाली लड़कियों में यही भाव प्रमुख होता है कि घर में खाली बैठने से तो कॉलेज जाना बेहतर है।

हजारों महिलाएं हर बरस देवदासी बना दी जाती हैं या वेश्यावृत्ति के नरक में धकेल दी जाती हैं। जीवन से मोहभंग की स्थिति झेलने को वह तैयार नहीं है। अपने अंदर नारी शक्ति की ऊर्जा को समेटती उलझनों को वह बाहर निकाल फेंकने लगी है। यह सब इसलिए नहीं कि माहौल में 'स्त्री विमर्श' घुल रहा है बल्कि यह सब इसलिए कि नारी अब रोने, बिसूरने के मूड में नहीं है। दोयम दर्जे को लेकर उसका नजरिया नहीं, कभी नहीं जैसा हो चला है। इक्कीसवीं सदी की 'न्यू वुमन' अपने प्रति समाज की भावनाओं, प्रतिक्रियाओं में बदलाव चाहती है। रिश्तों-संबंधों में सुख का सृजन, निरंतर व्यवहृत उष्मा बनाए रखने का सबल मन, पुरुष के साथ समभाव का आधार चाहती है, जिसकी शुरुआत घर से ही होती है। घर का कैसा भी कोई काम हो, सबसे पहले नारी की सुनवाई घर की असेम्बली में तो हो। पुरुष अपनी सर्वश्रेष्ठता और महानता से जुड़ी 'मेल-डोमिनेंस' से बाहर निकले यही आज के समाज के लिए बेहतर होगा। जब जीवन में निराशा या कोई समस्या अपनी भाषा में बोलती है तो उसे निर्जीव होने की अनुभूति से बचाए। एक जीवंत संवेदना कल-कल, छल-छल-सी बहती रहे। नारी आज परछाई बनकर जीना नहीं चाहती, वह भी खुली हवा में साँस लेना चाहती है। बिना किसी भू-चाल का इंतजार किए उसकी पूरी गरिमा, आजादी से जीने की सृजित परिस्थितियाँ ही सजग समाज का नारी को अवदान होगा। स्त्री की सिरजना, समाज में स्थान पाना महज एक भावयात्रा नहीं, उसके साथ युगबोध के कई-कई सवाल गहराई से जुड़े हैं।

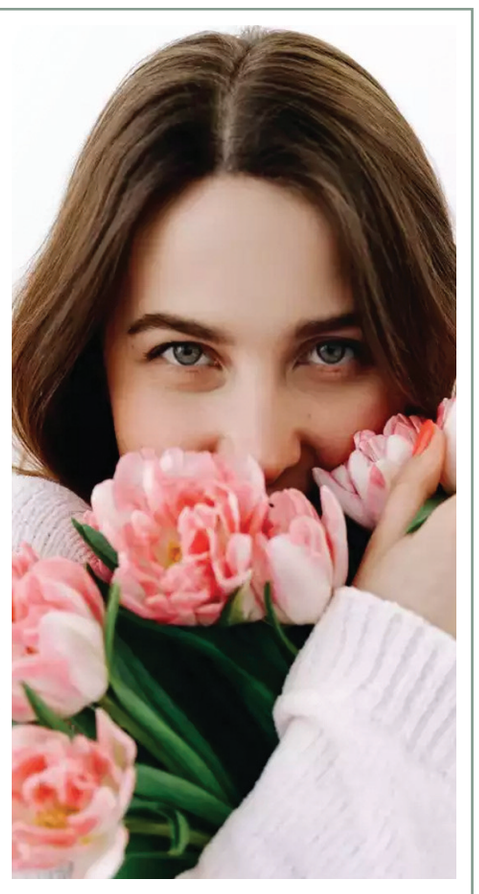

राबड़ी से नीतीश बोले-इनके पति डूबे तो सीएम बने

विधान परिषद में कहा-राजद ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया

बिहार। विधान परिषद RJD की महिला MLC पर उट नीतीश कुमार भड़क गए। उन्होंने राबड़ी देवी की तरफ इशारा करते हुए कहा- 'इनके पति डूब गए तो इन्हें मुख्यमंत्री बना दिया।' दरअसल, विधान परिषद में माले MLC शशि यादव स्कूल से जुड़े सवाल उठा रही थीं। इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को गुस्सा आ गया और उन्होंने राबड़ी देवी की तरफ इशारा करते हुए ये बातें कह दीं। RJD MLCमहिला हिंसा और महिला शिक्षा पर सदन में प्रदर्शन कर रहे थे। RJD की महिला MLC ने महिला शिक्षा पर सवाल उठाए, इसी दौरान CM ने लालू यादव पर हमला बोला। नालंदा में

महिला की हत्या और तलवे में कील ठोंकने का मामला गुरुवार से ही विधानमंडल में उठ रहा है। आज भी इसी मुद्दे पर हंगामा हुआ। विपक्ष के प्रदर्शन से नाराज मुख्यमंत्री अपनी सीट पर खड़े गए। उन्होंने कहा- 'RJD ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया है। RJD की सरकार ने शिक्षा के लिए क्या किया, महिलाओं के लिए पहले की सरकार ने कुछ नहीं किया। पहले महिलाएं कहां पढ़ती थीं। प्राथमिक शिक्षा में कुछ पढ़ती थीं उसके बाद महिला नहीं पढ़ती थी। जो किया मैंने किया।' इसके बाद उट ने शिक्षा मंत्री सुनील कुमार सिंह से कहा कि इन लोगों को सही से जवाब दीजिए। पूरे वाकये पर RJD MLC सुनील कुमार सिंह ने विधान परिषद सभापति से आग्रह किया कि नीतीश कुमार के बयान को कार्यवाही के हिस्से से बाहर किया जाए। इस पर सभापति ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कुछ भी गलत नहीं कहा है, इसलिए यह प्रोसिडिंग का हिस्सा रहेगी। सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। माले MLC बोलीं- DM-SP पर कार्रवाई हो माले MLC शशि यादव ने कहा कि- 'सदन में हमलोग अपनी बात रख रहे थे। इस दौरान सीएम भड़क गए। उन्होंने कहा कि तुम लोगों को कुछ दिखाई नहीं देता है। हमने इतना काम किया है। नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी को कहते हैं कि इसके पति।' 'हमने सभापति को नालंदा में महिला की हत्या के मामले में DM-SP पर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही कहा है कि 8 मार्च को छुट्टी होनी चाहिए।'

पटना हाइवे पर दो ट्रकों की भीषण टक्कर, मची अफरा-तफरी

जहानाबाद। में गया-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग-22 पर मोहलिया गांव के पास एक सड़क हादसा हुआ। दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर में एक खलासी की मौत हो गई। जबकि, दो चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब जहानाबाद से माल उतारकर एक ट्रक मसौढ़ी की ओर जा रहा था। मोहलिया गांव के पास विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे ट्रक से इसकी टक्कर हो गई। हादसे में खलासी प्रिंस कुमार, चालक संतोष कुमार और अमरिंदर कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों चालकों का इलाज जारी स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने खलासी प्रिंस कुमार को मृत घोषित कर दिया। दोनों चालकों का इलाज जारी है। मृतक प्रिंस कुमार गया जिले के

टेकरी का रहने वाला था। संतोष कुमार शकूराबाद थाना क्षेत्र के लालू बिगहा और अमरिंदर कुमार गया जिले के बेला का निवासी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। जिले में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण वाहनों की तेज रफ्तार है, लेकिन चालक इससे सबक नहीं ले रहे हैं।

महिला हिंसा पर सदन में हंगामा,नीतीश ने जोड़े हाथ

बिहार। विधानसभा के बजट सत्र सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इससे पहले सुबह कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के विधायकों ने हंगामा किया। महिला हिंसा के खिलाफ विपक्ष के विधायक वेल में आकर प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान स्पीकर ने कई बार बैठने को कहा, लेकिन वो नहीं माने। जिसके बाद CM नीतीश कुमार ने कहा- 'जब भी कोई घटना होती है, खबर आती है। तुरंत मैं अपने अधिकारियों से कहता हूं कि देखो क्या हुआ। जो गड़बड़ करेगा उसपर एक्शन होगा।' इस दौरान CM विपक्ष पर भड़कते भी नजर आए। उन्होंने तल्ख लहजे में कहा- 'ए सुनो, फालतू बात करते हो...इन सब चीजों पर प्रदर्शन की कोई जरूरत नहीं है। कहीं भी कुछ होता है तो मैं तत्काल अधिकारियों से कार्रवाई के लिए कहता हूं।' स्पीकर ने महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज पहले महिला सदस्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। विपक्ष के विधायकों के प्रदर्शन पर तंज कसते हुए स्पीकर ने कहा- 'महिलाओं का विरोध करेंगे तो खाना नहीं मिलेगा, महिला पीड़ित लोग ज्यादा हल्ला कर रहे हैं।'

वहीं सदन शुरू होने ने पहले पोर्टिको में माले विधायकों ने प्रदर्शन किया। आउटसोर्सिंग में आरक्षण की मांग को लेकर राजद के विधायकों ने भी नारेबाजी की। विपक्ष की नारेबाजी के बीच विधानसभा में सीएम नीतीश कुमार ने एंट्री ली। सदन में आज 7 विभागों का बजट पेश किया जाएगा। पथ निर्माण विभाग, पंचायती राज विभाग, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, पर्यटन विभाग, अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति विभाग, कल्याण विभाग और खेल विभाग के मंत्री सदन में अपनी बात रखेंगे और बजट पेश करेंगे।

प्रेमी युगल को मिला समाज का साथ

रोहतास। के दिनारा में एक प्रेम कहानी ने खुशनुमा मोड़ लिया। समाज ने प्रेमी युगल का साथ देते हुए उनका विवाह सासाराम के राधा-कृष्ण मंदिर में करा दिया। प्रेमी मोनू यादव उर्फ श्याम नारायण दिनारा के डिहरा का निवासी है। प्रेमिका विभा कोचस के नरवर पंचायत के बिगन डिहरा की रहने वाली है। दोनों ग्रेजुएट हैं और पढ़ाई के दौरान ही उनके बीच प्रेम संबंध हुआ। पिछले एक साल से दोनों छिप-छिपकर मिलते रहे। परिवार वालों ने इन्हें साथ में पकड़ लिया था। जब गांव में इस प्रेम कहानी की चर्चा फैली, तो लड़की के परिजन बदनामी के डर से परेशान हो गए। उन्होंने कोचस पंचायत के पूर्व मुखिया लाल साहब सिंह यादव

और समाजसेवी तेज प्रताप यादव से मदद मांगी। ग्रामीणों ने दोनों परिवारों को बुलाकर बातचीत शुरू की। शुरूआत में प्रेमी के परिजन विवाह के लिए तैयार नहीं थे। दोनों परिवारों के बीच तनाव बढ़ने लगा। लेकिन समाज के लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए दोनों परिवारों को मनाया। अंततः समाज के दबाव में प्रेमी के परिजन भी मान गए। दोनों का विवाह राधा-कृष्ण मंदिर में संपन्न हुआ। दोनों एक ही जाति के होने के कारण जातिगत बाधा भी नहीं आई।

विवाह के बाद प्रेमी युगल काफी खुश है। घटना समाज में एक सकारात्मक संदेश देती है।

जहां आमतौर पर प्रेम विवाह में समाज बाधा बनता है, इस मामले में समाज ने ही प्रेमी युगल को एक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रेमी मोनू यादव ने कहा कि हम दोनों में एक साल से प्रेम चल रहा था काफी खुशी हुई गांव वालों के में मदद से हम दोनों की शादी करवा दिया है, तो वही प्रेम का विवाह भी काफी खुश है।

दोनों ने गांव वालों को धन्यवाद कहा है।

बेसहारा बच्चों को मिल रहा नया जीवन, बाल संरक्षण इकाई की पहल

वैशाली। की बाल संरक्षण इकाई बेसहारा बच्चों के लिए उम्मीद बनकर उभरी है। समाज कल्याण विभाग ने बच्चों की उम्र के अनुसार अलग-अलग गृहों की व्यवस्था की है। छह साल तक के बच्चों के लिए विशेष दत्तक गृह है। बड़े बच्चों के लिए अलग बाल गृह और बालिका गृह बनाए गए हैं। कोई बच्चा मिलने पर चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम उसे बाल कल्याण समिति के सामने पेश करती है। समिति के आदेश पर बच्चे को उम्र के हिसाब से उपयुक्त गृह में भेजा जाता है। पदाधिकारी के नेतृत्व में बच्चों से बातचीत जिला बाल संरक्षण इकाई पहले बच्चों के मूल परिवार को खोजने

का प्रयास करती है। बाल संरक्षण पदाधिकारी के नेतृत्व में टीम बच्चों से बातचीत करती है। माता-पिता का पता न चलने पर बच्चे के लिए नए परिवार की तलाश शुरू होती है। इसी कड़ी में 2023 में एक 5 साल के बच्चे से जुड़ा मामला सामने आया। बच्चा अपने घर का पता नहीं बता पा रहा था। टीम ने उसकी जानकारी के आधार पर खोजबीन की और आधार पंजीकरण भी कराया।

कटिहार रेल पुलिस ने 70 किलो चांदी जब्त की, टैक्स चोरी की आशंका

कटिहार, 07 मार्च (हि.स.)। हाटेबाजार एक्सप्रेस से रेल पुलिस ने शुक्रवार को 70 किलो चांदी जनरल बोगी से जप्त की। इसका बाजार मूल्य करीब 45 लाख रुपये आंका गया है। यह चांदी कोलकाता से हाटेबाजारे एक्सप्रेस ट्रेन से कटिहार लाई जा रही थी। प्रारंभिक जांच में यह मामला टैक्स चोरी से जुड़ा लग रहा है। पुलिस ने चांदी के साथ यात्रा कर रहे दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर रही है।

रेल एसपी हरिशंकर कुमार ने बताया कि इतनी बड़ी मात्रा में चांदी ले जाने के लिए यात्री के पास से जरूरी कानूनी दस्तावेज नहीं मिले। उन्होंने बताया कि 50 हजार रुपये से अधिक मूल्य की वस्तु को एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाने के लिए ई-वे बिल अनिवार्य होता है। इस मामले में कोई ई-वे बिल नहीं मिला। इसी आधार पर चांदी जब्त कर ली गई है।

रेल पुलिस अब जांच कर रही है कि यह चांदी किसके लिए लाई जा रही थी। इसमें किसी बड़े कारोबारी गिरोह की संलिप्तता तो नहीं है। जब्त चांदी की वैधता और स्वामित्व को लेकर आयकर विभाग व अन्य एजेंसियों को भी जानकारी दी गई है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के सराफा कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। हिरासत में लिए गए दो लोगों से पूछताछ जारी है। आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर होगी। मौके पर रेल एसपी श्री कुमार के साथ रेल डीएसपी अरुण कुमार अकेला, रेल थाना प्रभारी मो. अलाउद्दीन सहित कई सुरक्षा अधिकारी मौजूद थे।

पेज एक के शेष

सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण व कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है : सीएम...

महिलाएं अपने मंजिल और मुकाम को हासिल करने में कामयाब हों, इसके लिए सरकार पूरा सहयोग करने को तैयार है। एक बार फिर आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बहुत-बहुत बधाई।

मौके पर रहे मौजूद

इस अवसर पर मंत्री दीपिका पांडेय, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक डॉ. नीरा यादव, विधायक लुइस मरांडी, विधायक सविता महतो, विधायक रागिनी सिंह, विधायक ममता देवी, विधायक पूर्णिमा दास साहू, विधायक श्वेता सिंह और विधायक मंजू कुमारी मौजूद थीं।

ग्रामीण विकास और वन विभाग के 98.41 अरब का बजट पारित...

यही वजह है कि विपक्ष भी हमारे प्रयासों की सराहना करता है।

विभागों में खाली पदों को भरेगी सरकार

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आनेवाले दिनों में विभागों में खाली सभी पदों पर नियुक्तियां करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में हमने 15 लाख अबुआ आवासों को पूरा कर लिया है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष से केंद्र पर बकाया एक लाख 36 हजार करोड़ लाने में मदद करने का आग्रह किया। इस दौरान विपक्ष सदन से हंगामा करते हुए वॉक आउट हो गया। इस पर मंत्री ने कहा कि कम से कम विपक्ष ने हमें दो घंटे तक तो सुना। यह नई शुरूआत है। उन्होंने केंद्र सरकार पर हर साल मनरेगा की राशि में कटौती करने का आरोप लगाया।

15 करोड़ मानव दिवस का करेंगे सृजन...

कम रेट पर टेंडर कोट करनेवालों पर होगा जल्द निर्णय

मंत्री ने कहा कि कम रेट पर टेंडर कोट कर घटिया स्तर की सड़कें बनाने वाले ठेकेदारों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले को कैबिनेट में लाया जाएगा। झामुमो के विधायक ने मंत्री से पूछा कि आरईओ की कितनी सड़कें हर विधायक को सरकार देगी। इसके जवाब में मंत्री ने कहा कि सभी सदस्यों को पिछली बार से कम सड़कें नहीं मिलेंगी।

खनिज की लूट के लिए ग्राम सभा पर लगाया अंकुश

विभागीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार अपने अडाणी और अंबानी दोस्त के लिए राज्यर की खनिजों को देने के लिए ग्राम सभा को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी प्रखंड कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे ग्रामीणों की बातों को सुनें और उनकी उपेक्षा न करें। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2026 तक पंचायत सचिवालयों को मजबूत कर उन्हें डिजिटल कर दिया जाएगा। साथ ही मंत्री ने राज्य में 2500 पंचायत ज्ञान केंद्र बनाने की बात कही। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही सोमवार की सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

बाबूलाल मरांडी को झारखंड विस में विपक्ष के नेता के रूप में मिली मान्यता...

बैठक के बाद यादव ने कहा कि वरिष्ठ विधायक नवीन जायसवाल, नीरा यादव, राज सिन्हा और प्रकाश राम ने बैठक के दौरान विधायक दल के नेता के रूप में मरांडी के नाम का प्रस्ताव रखा और इसे सभी ने सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी। इसके बाद पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र कुमार राय ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर घटनाक्रम की जानकारी दी।

झारखंड में 81 सदस्यीय विधानसभा में सत्तारूढ़ ह्यइंडियाह्न गठबंधन के 56 विधायक हैं। इसमें झामुमो के 34, कांग्रेस के 16, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के चार और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) लिबरेशन (भाकपा (माले) लिबरेशन) के दो हैं। इसके अलावा भाजपा के 21 जबकि ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड) (जद-यू), लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास(लोजपा-आरवी) और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के एक-एक सदस्य हैं।

पीएम मोदी ने किया 'नमो अस्पताल' का उद्घाटन....

शनिवार को पीएम मोदी नवसारी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर ह्यलखपति दीदी सम्मेलनह्न में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी पच्चीस हजार से अधिक स्व-सहायता समूहों की ढाई लाख महिलाओं को सहायता राशि देंगे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पर्यटन विभाग का विशेष उपहार...

महिलाओं को प्रोत्साहित करती है कि वे अपने व्यस्त जीवन में से कुछ समय निकालकर राज्य के मनोरम पर्यटन स्थलों का भ्रमण करें। प्रकृति की गोद में शांति और ताजगी का अनुभव करें। झारखंड पर्यटन विभाग राज्य के सभी पर्यटन स्थलों पर महिलाओं का स्वागत करता है। उन्हें एक सुखद और यादगार अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त डायरी

अष्टयाम यज्ञ के लिए निकाली गई कलश यात्रा

महुआ। मे अष्टयाम यज्ञ को लेकर महिलाओं ने गाजे बाजे के साथ कलशयात्रा निकाली गई। जानकारी के अनुसार महुआ प्रखंड क्षेत्र के जलालपुर गंगटी पंचायत के फुलार गांव में अखंड अष्टयाम यज्ञ का आयोजन किया गया। अष्टयाम यज्ञ को लेकर बुधवार को को गाजे बाजे, घोड़े के साथ कलशयात्रा निकाली गई। कलश यात्रा शिव मंदिर से निकाली गई। जहां महिलाओं ने हाजीपुर मंगाएं गए पवित्र गंगाजल से कलश में जल भरी की गई। जिसके बाद महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा विभिन्न गांव में घूमता हुआ यज्ञ स्थल पहुंचा जहां पर पूरे विधि विधान एवं मंत्र उच्चारण के साथ कलश की स्थापना की गई। इस दौरान विनोद , सीमा , अमोद राय, गौरव , सूर्यदेव राय,अशोक ,रंजीत राय,सुकेश राय,अमोद कुमार आदि उपस्थित थे।

महिलाओं के प्रति संवेदनशील बनें, तभी महिला सशक्तीकरण की होगी सार्थकता

बिहार। सुधारात्मक प्रशासनिक संस्थान, हाजीपुर, वैशाली के प्रशासनिक भवन स्थित दशरथ मांझी सभागार में पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो बीपीआर &डी नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित महिला सुरक्षा विषय पर अभियोजन सेवा के पदाधिकारियों का चतुर्थ एवं पंचम पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि सह न्यायमूर्ति समरेंद्र प्रताप सिंह व विशिष्ट अतिथि प्रणव कुमार, सचिव, गृह-सह-महानिरीक्षक, कारा एवं सुधार सेवाएँ, बिहार, पटना द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। सभागार में आगमन के पश्चात बीआईसीए के अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी अभय कुमार सिंह व उपनिदेशक अमर शक्ति ने अतिथियों को पौधा देकर स्वागत किया गया। मंच संचालन करते हुए संस्थान के सहायक निदेशक अमित कुमार एवं निदेशक नीरज कुमार झा, सत्र समन्वयक सह संस्थान के उपनिदेशक रवि कान्त देव ने पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को जानकारी देते हुए सभी प्रतिभागियों को पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि सह न्यायमूर्ति समरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्राचीन काल में भी महिला सुरक्षा पर ध्यान दिया जाता था। आदि काल में सती प्रथा, बाल विवाह इत्यादि के बारे में अभियान चलाकर महिलाओं की सुरक्षा का ध्यान रखा गया है। आज महिलाओं की संख्या आधी आबादी के लगभग है, इस पर ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित पूरे देश में इतने कार्यक्रम कराये जा रहें हैं, फिर भी हम काफी पीछे हैं। इसमें बदलाव लान की आवश्यकता है। उन्होंने विभिन्न केसों के विषय में चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को जानकारी दी। सुप्रीम कोर्ट से जारी गाईडलाईन के विषय में बताया प्रतिभाग्रियों को बताया कि पुराने लॉ में काफी बदलाव करते हुये नये प्रावधानों को जोड़कर कानून में संशोधन किया गया है, जिससे महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा एवं महिला सशक्तीकरण में बदलाव हुआ है। उन्होंने बताया कि निर्भया केस के बाद नारी सशक्तिकरण से संबंधित कई सारी गाईडलाईन सरकार द्वारा चलाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप समाज में महिलाओं के प्रति संवेदनशील हैं, उनके मयार्दा के प्रति जागरूक हैं, तभी महिला सशक्तिकरण एवं इस कार्यक्रम की सार्थकता सिद्ध होगी। पुनः उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम में समाहित विषयों एवं सत्र लेने वाले साधन व्यक्तियों के बारे में बताते हुये प्रसन्नता व्यक्त की तथा प्रतिभागियों को एकाग्रता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन संस्थान की प्रोबेशन पदाधिकारी अंकिता कुमारी ने दी। महिलाओं की वर्तमान में सुरक्षा एवं स्थिति को देखते हुये उठाये गये कई आवश्यक कदम प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि प्रणव कुमार ने बताया कि निर्भया कांड के पश्चात राष्ट्र की आधी आबादी की सुरक्षा तथा संरक्षण किस प्रकार की जाय। सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। महिलाओं की वर्तमान में सुरक्षा एवं स्थिति को देखते हुये कई आवश्यक कदम उठाये गये हैं, जिससे महिलाओं के उत्थान में सहायता मिली है। उन्होंने जिविका, महिला हेल्प डेस्क, वन स्टॉप सेंटर, महिला थाना सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं के विषय में बताते हुये उनके प्रदत्त लाभ की विवेचना की। महिला सशस्तीकरण के विषय में बताते हुये उन्होंने कहा कि आज हमारे फोर्स में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, जिससे महिलाएँ खुद को सुरक्षित, सशक्त एवं मजबूत पायेंगी।

14,120 लाभुकों को दी गई प्रथम किस्त की राशि

बिहार। स्थित सभागार को जिले में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में प्राप्त अतिरिक्त लक्ष्य के विरूद्ध आवास स्वीकृति, एक मुश्त प्रथम किस्त का भुगतान तथा आवास निर्माण पूर्ण किए गए आवास का गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय कार्यक्रम से डीएम यशपाल मीणा, एडीएम विनोद कुमार सिंह, डीडीसी कुंदन कुमार के साथ सभी अधिकारी जुड़े हुए थें। इस कार्यक्रम में 14,120 लाभार्थियों को 40 हजार रुपए के दर से प्रथम किश्त की राशि का एकमुश्त भुगतान किया गया। इस पर कुल 56.48 करोड़ रुपये का व्यय हुआ। आगामी 100 दिनों में इन लाभुकों को द्वितीय और तृतीय किश्त के रूप में 80 हजार की दर से भुगतान किया जाएगा। गृह प्रवेश के तहत लाभुकों को डीएम ने सौंपी प्रतिकात्मक चाबी मौके पर डीएम यशपाल मीणा ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त अतिरिक्त लक्ष्य के विरूद्ध हाजीपुर प्रखंड के लाभुक बेबी देवी, मतीवा देवी, नागेन्द्र तिवारी, इन्दु देवी, ललिया देवी को स्वीकृति पत्र एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में आवास निर्माण पूर्ण किये गये लाभुकों यथा शर्मिला देवी, बिरेन्द्र सिंह, उर्मिला देवी, अनिता देवी, बेबी देवी को गृह प्रवेश के तहत प्रतिकात्मक चाबी सौपें। डीएम ने कहा कि जिन परिवारों को इसका लाभ मिला है, उन्हें बधाई देता हूं।

Page - 09_Page - 09.qxd 08-03-2025 04:58 Page 1

धर्मांतरण विरोधी कानून पर भड़के अरुणाचल के ईसाई संगठन

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश में हाल ही में धर्मांतरण के खिलाफ एक कानून बनाया गया। इसके खिलाफ अरुणाचल प्रदेश क्रिश्चियन फोरम के बैनर तले हजारों ईसाइयों ने गुरुवार को मोर्चा खोल दिया। ईटानगर के पास विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान अरुणाचल प्रदेश स्वतंत्रता धर्म अधिनियम, 1978 के लागू किए जाने के खिलाफ आवाज उठाई गई।बता दें कि यह धर्म परिवर्तन के खिलाफ एक कानून है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश का चीन से सीमा संपर्क है और यहां हमेशा शांति बनी रही है, लेकिन इस कानून को लागू करने से राज्य में धार्मिक विभाजन बढ़ सकता है।एसीएफ के अध्यक्ष ताई मिरी ने कहा कि दो लाख से अधिक ईसाई विभिन्न संप्रदायों से ताल्लुक रखते हुए ईटानगर के पास बोरम में एकत्रित हुए।मिरी ने बताया कि पहले एसीएफ ने विधानसभा के पास घेराव करने का निर्णय लिया था, जहां वर्तमान में बजट सत्र चल रहा है। बाद में उन्होंने ईटानगर के एक टेनिस कोर्ट में विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की अनुमति मांगी थी, जिसे प्रशासन ने अस्वीकार कर दिया।

मनमोहन सिंह स्मारक का रास्ता हुआ साफ, परिवार ने स्वीकारी आवंटित भूमि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार ने राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर उनके स्मारक के लिए सरकार द्वारा आवंटित भूमि को स्वीकार कर लिया है।यह स्मारक दिल्ली के राज घाट के पास समाधि परिसर में 900 वर्ग मीटर के भूखंड पर बनाया जाएगा। पिछले हफ्ते, सिंह की बेटियां उपिंदर सिंह और दमन सिंह अपने जीवनसाथी के साथ इस भूखंड का जायजा लेने गई थीं। इसके बाद, पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी गुरशरण कौर ने सरकार को एक औपचारिक स्वीकृति पत्र भेजा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, समाधि परिसर में अब केवल दो खाली हिस्से बचे हैं। इस साल जनवरी में, एक भूखंड पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के परिवार को देने का प्रस्ताव रखा गया था।वहीं, दूसरा हिस्सा जो 900 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का है और परिसर के मध्य में स्थित है, मनमोहन सिंह के परिवार को प्रस्तावित किया गया था, जिसे अब स्वीकृति मिल चुकी है। भूतपूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का यह स्मारक उनकी सादगी, नेतृत्व और भारत के आर्थिक विकास में उनके योगदान का प्रतीक होगा।

देसी हथियार जमा कर रहे मणिपुर के उग्रवादी, 3 हजार से ज्यादा घातक हथियार गायब

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में चल रहे हथियार जमा करने के अभियान में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। राज्य में पिछले कुछ समय से जारी अशांति के दौरान विभिन्न पुलिस थानों और हथियार भंडारों से लूटे गए लगभग 6,000 हथियारों में से अब तक केवल 3,000 ही जमा किए जा सके हैं। यह आंकड़ा राज्यपाल अजय कुमार भल्ला द्वारा निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले बहुत कम है।बता दें कि मणिपुर में अवैध रूप से प्राप्त किए गए हथियारों और गोला-बारूद को आत्मसमर्पण करने की समयसीमा 6 मार्च को समाप्त हो गई। अब तक केवल 3,000 हथियार और 37,000 राउंड गोला-बारूद बरामद हुए हैं।हालांकि, यह संख्या मई 2023 में भड़की जातीय हिंसा के दौरान पुलिस स्टेशनों और शस्त्रागारों से लूटे गए हथियारों की तुलना में बहुत कम है। अनुमान के मुताबिक, विभिन्न समूहों ने पुलिस के शस्त्रागारों से 6,000 से अधिक हथियार और करीब 6 लाख राउंड गोला-बारूद लूटे थे। इनमें अत्याधुनिक राइफलें, ग्रेनेड और मोर्टार जैसे घातक हथियार शामिल थे। इस हिंसा ने राज्य में भारी तबाही मचाई, जिसमें 200 से अधिक लोगों की जान गई और लगभग 40,000 लोग विस्थापित हुए। इसके मुकाबले 20 फरवरी से 6 मार्च के बीच आत्मसमर्पण किए गए हथियारों की संख्या बेहद कम रही। हाल ही में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने लोगों से अपील की थी कि वे लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों को स्वेच्छा से जमा करें। इस अपील के तहत 20 फरवरी से शुरू हुए अभियान में गुरुवार, 6 मार्च तक 1,044 हथियार और 14,779 गोला-बारूद जमा किए गए। हालांकि, यह संख्या कुल लूटे गए हथियारों का केवल आधा है। अधिकारियों का कहना है कि अभी भी 3,000 से अधिक हथियार लापता हैं, जो राज्य में शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

उत्तर प्रदेश के बहराइच में युवती का सिर कटा शव बरामद

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के नानपारा कोतवाली पुलिस इलाके के एक गांव में शुक्रवार सुबह नहर के करीब एक युवती की सिर कटी लाश मिली, जिसकी उम्र करीब 20 वर्ष आंकी गयी है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चूंकि शव का सिर गायब है, इसलिए अभी तक पहचान नहीं हो पायी है। नानपारा के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) प्रद्युम्न कुमार सिंह ने पीटीआई-को बताया, ''कोतवाली नानपारा अंतर्गत ग्राम पंचायत जगन्नाथपुर में सरयू नहर की पटरी के निकट शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने एक युवती की सिर कटी लाश देखी। लाश का सिर गायब था।'' उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। सिर गायब होने के कारण उसकी शिनाख्त में कठिनाई आ रही है।'' सिंह ने बताया कि पुलिस शव की शिनाख्त की कोशिश कर रही है।

होली के अवसर पर रेलवे चलाएगा 250 से अधिक स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। होली के त्योहार को देखते हुए रेलवे ने 250 से ज्यादा स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। होली पर उत्तर रेलवे की तैयारियों को लेकर उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि सनातन धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक होली का पर्व है। घर से दूर काम या व्यवसाय करने वाले कई लोग घर पर अपनों के साथ होली का त्योहार मनाना चाहते हैं। इसके लिए उत्तर रेलवे ने यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। हर बड़े स्टेशन जैसे नई दिल्ली, आनंद विहार और अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों पर जहां बड़ी संख्या में लोग ट्रेन पकड़ने आते हैं, वहां पुख्ता व्यवस्था की गई है।

स्टालिन के हिंदी विरोध की आग कर्नाटक तक पहुंची, त्रिभाषा फॉर्मूले के विरोध की उठने लगी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने हिंदी विरोध की जो आग सुलगाई थी, उसका धुंआ अब दूसरे राज्यों में भी दिखने लगा है। अब कर्नाटक में भी त्रिभाषा फॉर्मूले के विरोध होने लगा है। कर्नाटक डिवेलपमेंट अथॉरिटी ने राज्य के सीएम सिद्धारमैया को पत्र लिखा है कि वे द्विभाषा नीति को ही लागू करें। अथॉरिटी प्रमुख पुरुषोत्तम बिलिमाले ने लिखा कि राज्य को दो भाषाओं की ही जरूरत है। इसमें हिंदी को शामिल नहीं करना चाहिए। कन्नड़ लैंग्वेज लर्निंग रूल्स-2017 के अनुसार प्रदेश में पढ़ने वाले सभी बच्चों को दूसरी भाषा के तौर पर कन्नड़ सीखनी होगी। यही नहीं एक अधिकारी ने कहा कि देश में भाषाई असमानता की स्थिति है। क्षेत्रीय भाषाओं की गरिमा किसी भी तरह से कम नहीं होनी चाहिए।

वहीं सीएम सिद्धारमैया ने भी हिंदी भाषा थोपने के खिलाफ अपनी आवाज तेज करनी होगी। इस विवाद के बीच सीएम एमके स्टालिन ने नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि आखिर हिंदी के

अलावा अन्य किसी भाषा के लिए दिवस क्यों नहीं मनाया जाता। उन्होंने कहा कि हिंदी दिवस के अलावा संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल अन्य 21 भाषाओं के लिए कोई दिवस निर्धारित क्यों नहीं है। डीएमके के कार्यकर्ताओं को स्टालिन ने एक पत्र लिखा है, जिसका शीर्षक है, हम हमेशा हिंदी थोपने का विरोध करने वाले है। इसमें वे लिखते हैं कि क्या हिंदी की तरह अन्य 21 भाषाओं के लिए भी कोई सेलिब्रेशन डे है? आखिर हिंदी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं के साथ ऐसा पक्षपात क्यों हो रहा है।

आखिर करेंसी नोट में छपी सभी भाषाओं को देश की आधिकारिक भाषा घोषित रने में सरकार को किस चीज की हिचक है। स्टालिन ने अपने पत्र में लिखा कि यदि पीएम नरेंद्र मोदी और अन्य भाजपा नेताओं के दिलों में तमिल के लिए जगह है, तब फिर तमिल को आधिकारिक भाषा क्यों नहीं घोषित किया। उन्होंने कहा कि सोवियत संघ का बिखराव सिर्फ राजनीतिक कारणों से नहीं हुआ था। इसका एक कारण यह भी था कि देश पर रूसी भाषा थोपी जा रही थी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को नजरअंदाज किया गया। इसके चलते जब सोवियत संघ टूट गया। लेकिन आज वहीं रूसी लातविया जैसे देश में रूसी को आधिकारिक भाषा का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इतिहास में इसतरह के कई उदाहरण हैं, जब लोगों पर भाषा थोपने के कारण बिखराव हो गया। उन्होंने कहा कि मैं इसतरह के कई उदाहरण गिना सकता हूं, जब ऐसी नीतियों के चलते देश ही टूट गए। बता दें कि नई शिक्षा नीति में त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर बात कही गई है, जिसका विरोध शुरू हो गया है। सबसे पहले तमिलनाडु से ही इसके खिलाफ आवाज उठी थी और अब कर्नाटक ने भी ऐसी ही राय जाहिर की है।

किसान संगठनों का ऐलान, 10 मार्च को आप के सभी विधायकों के घरों का घेराव

चंडीगढ़ (एजेंसी)।किसानों को चंडीगढ़ जाने से रोकने पर पंजाब के तमाम संगठनों ने नाराजगी जाहिर की है। अब तक मोदी सरकार के खिलाफ ही मोर्चा खोलने वाले संयुक्त किसान मोर्चा ने पंजाब की भगवंत मान सरकार के खिलाफ आंदोलन का फैसला लिया है। भारतीय किसान यूनियन (लाखोवाल) के नेता हरिंदर सिंह लाखोवाल ने अब मान सरकार के सभी विधायकों के घरों का घेराव करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि हम 10 मार्च को पूरे प्रदेश में आप के विधायकों के घरों का घेराव करने वाले है। उन्होंने कहा कि आगे के आंदोलन को लेकर भी हम रणनीति बना रहे हैं। किसान नेताओं का कहना है कि मान ने सही से बात नहीं की और जिस तरह से मीटिंग छोड़कर निकल गए। वहां बिल्कुल ठीक नहीं था। किसान नेता लाखोवाल ने कहा कि मान सरकार से असहमति जताने के लिए आप के सभी विधायकों के घरों के बाहर धरना दिया जाएगा। ये धरने 10 मार्च को सुबह 10 से दोपहर तक 3 बजे तक दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्दी ही एक ऐक्शन प्लान तैयार होगा। इसके अलावा 15 मार्च को चंडीगढ़ स्थित सीएम मान के घर का भी घेराव किया जाएगा। लाखोवाल ने कहा, 'हम इस बात पर मंथन कर रहे हैं कि कैसे अपने आंदोलन को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि सीएम मान ने हाल ही में किसानों से मीटिंग की थी, लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकला। इसकी वजह थी कि मान ने मीटिंग ही आधे में छोड़ दी और किसानों की मांगों को लेकर दिलचस्पी नहीं दिखाई।

जेनेरिक दवाओं के कारण परिवारों के इलाज का बोझ कम हुआ : नड्डा

-अब तक 30 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल 7 मार्च को जन औषधि दिवस दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) ने स्वास्थ्य सेवा को बदलकर रख दिया है। इसका मूल मंत्र सभी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली किफायती दवाइयां उपलब्ध कराना हैं। नड्डा ने कहा कि देश भर में 15 हजार से अधिक जन औषधि केंद्रों के साथ, यह योजना रोजना 10 लाख लोगों की मदद करती है। जन औषधि केंद्रों पर लोगों को दवाइयां बाजार से 50 से 90 प्रतिशत कम कीमत पर मिलती हैं, इससे अब तक 30 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। इससे अनगिनत परिवारों के इलाज का बोझ कम हुआ है। उन्होंने कहा कि इस योजना में 2,047 दवाइयां और 300 सर्जिकल सामान शामिल हैं, जो अलग-अलग स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करते हैं। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त जांच, सही खरीद प्रक्रिया और मजबूत आपूर्ति व्यवस्था का ध्यान रखा जाता है, इस पूरे काम को पीएमबीआई संभालती है। नडडा ने बताया कि भारत से बाहर भी इसका विस्तार शुरू हो गया है। पहला विदेशी जन औषधि केंद्र मॉरीशस में खोला गया। 2027 तक 25 हजार केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे किफायती स्वास्थ्य सेवा और मजबूत होगी। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि अपने नजदीकी जन औषधि केंद्र पर जाएं, वहां की दवाइयों को आजमाएं और उनकी गुणवत्ता व किफायती कीमत का अनुभव करें।

'सरकार खटारा, सिस्टम नकारा, मुख्यमंत्री थका हारा', नीतीश कुमार पर तेजस्वी यादव का सीधा वार

पटना (एजेंसी)। बिहार में चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने आज 'दिव्यांग अधिकार सम्मेलन' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। तेजस्वी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के 11 साल और नीतीश कुमार की सरकार के 20 साल हो गए, लेकिन उन्होंने कभी भी दिव्यांगों के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं की या हल करने की कोशिश नहीं की। मैं इस सरकार के लिए कुछ पंक्तियां कहना चाहूंगा, 'सरकार खटारा, सिस्टम नकारा; मुख्यमंत्री है थका हारा, दिव्यांग फिर रहा मारा मारा'।

इससे पहले तेजस्वी यादव रसोइयों के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ये सरकार महिलाओं, रसोइयों, स्वयं सहायता समूहों, आंगनवाड़ी, आशा बहनों का शोषण कर रही है। उनके साथ अन्याय कर रही है। जब हमारी

सरकार बनेगी तो हम इन सभी को न्याय दिलाने का काम करेंगे। सिर्फ 1600 रुपये महीना। इस महंगाई के दौर में इससे उनका क्या होगा? वे न्यूनतम मज़दूरी भी नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम आपके मुद्दे सदन में उठाएंगे। सीएम 'बेहोश' हैं, वे यह भी नहीं बता पाएंगे कि उनके पास कौन-कौन से विभाग हैं। जब तक यह सरकार बदलेगी, आपको अपने वैध अधिकार नहीं मिलेंगे पूर्व सीएम राबड़ी देवी पर सीएम नीतीश कुमार की टिप्पणी पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने उनपर निशाना साधा। तेजस्वी यादव ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार को याद रखना चाहिए कि राबड़ी देवी बिहार की पहली महिला सीएम हैं। उन पर टिप्पणी करने जैसा कुछ नहीं है। उनकी बिगड़ती सेहत से संकेत मिलता है कि वे अब बिहार चलाने में सक्षम नहीं हैं। सीएम पद की गरिमा होती है। उन्होंने राबड़ी देवी के लिए जिस भाषा का इस्तेमाल किया, वह ठीक नहीं है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने तेजस्वी यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि जहाँ तक उम्र का सवाल है, राजनीति में आप जितने बूढ़े होते हैं, आपकी शख्सियत उतनी ही मजबूत होती है। युवाओं में ताकत होती है और वे हर दिन सफल हो सकते हैं। मुझे लगता है कि खुद को युवा कहने वाले तेजस्वी यादव में कोई काबिलियत नहीं है। क्या वे अकेले युवा हैं? और वे कैसे सोच सकते हैं कि वे अमित शाह और नीतीश कुमार की जगह ले सकते हैं? एनडीए में भी कई काबिल युवा हैं। महागठबंधन सिर्फ़ सत्ता हथियाना चाहता है।

हम किसी पार्टी के नहीं बल्कि हिंदुत्व के प्रचारक हैं, हम बिहार आते रहेंगे

-हिंदू राष्ट्र के मुद्दे पर धीरेंद्र शास्त्री और आरजेडी नेता आए आमने-सामने

पटना (एजेंसी)। हिंदू राष्ट्र के मुद्दे पर बागेश्वर धाम के प्रमुख और कथा वाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और आरजेडी नेता चंद्रशेखर आमने-सामने आ गए हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने खुद को हिंदुत्व का प्रचारक बताते हुए कहा कि वह हिंदुओं के अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे, जबकि आरजेडी विधायक चंद्रशेखर ने उन पर संविधान विरोधी बयान देने का आरोप लगाया। बता दें कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बिहार में कथा करने पहुंचे हैं। यहां उन्होंने कहा कि हम किसी पार्टी के नहीं बल्कि हिंदुत्व के प्रचारक हैं। जब तक हमारे प्राण रहेंगे, हम हिंदुओं के लिए जिएंगे और उनके लिए मरेंगे। हम इस देश के हिंदुओं को जगाने के लिए आए हैं। हम भारत को बंटने नहीं देंगे। हम हिंदुओं को घटने नहीं देंगे।

धीरेंद्र ने कहा कि अगर किसी भी देश से मुसलमानों को निकाला जाएगा तो इस दुनिया में 65 मुसलमान देश हैं, जो उनका स्वागत कर लेंगे, लेकिन फिजी, सूरीनाम, पाकिस्तान, भारत, नेपाल और मॉरीशस से अगर हिंदुओं को निकाल दिया जाएगा तो फिर हिंदू कहां जाएगा? धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हमको बिहार आने से जितना रोका जाएगा, हम उतना आएंगे और कथा करेंगे। मुझे यहां आने से रोका जाएगा तो मैं यहां मकान बना लूंगा।

वहीं, उनके इस बयान पर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के विधायक चंद्रशेखर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चंद्रशेखर ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री को जेल में डाल देना चाहिए। वह संविधान विरोधी बात करते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र बनाने की इजाजत क्या हमारा संविधान देता है। यह राम रहीम और आसाराम वाली कैटेगरी के बाबा हैं। इनकी अंदरूनी जांच होगी तो पता चल जाएगा।

पहले मायावती ने किया पार्टी में बदलाव, अब ममता भी उठाएंगी बड़ा कदम? अभिषेक ने बनाई दूरी

कोलकाता (एजेंसी)। बसपा प्रमुख मायावती ने अपनी पार्टी में महत्वपूर्ण बदलाव किए है। इससे राजनीति में हलचल मच गई। ये मामला शांत होता इससे पहले पश्चिम बंगाल में टीएमसी प्रमुख और राज्य की सीएम ममता बनर्जी भी क्या इसी तरह के फैसले लेने जा रही हैं। इस तरह का सवाल उठाया जा रहा है। इसकी वजह ये है कि टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में हुई वोटर लिस्ट जांच की महत्वपूर्ण बैठक से गायब रहने के बाद नई अटकलें तेज हो गई हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा पिछले हफ्ते गठित की गई उच्च स्तरीय समिति की यह पहली पहली बैठक थी।

टीएमसी की बैठक में सब्रता बक्शी के बाद दूसरे स्थान पर होने के बावजूद अभिषेक बनर्जी बैठक में शामिल नहीं हुए। इससे पार्टी के अंदर हलचल मच गई है। कुछ पार्टी नेताओं ने उनकी अनुपस्थिति को मामूली बताया, जबकि अन्य ने यह ध्यान दिलाया कि ममता बनर्जी ने स्पष्ट रूप से यह कहा था कि सभी चुनाव संबंधी कार्य टीएमसी मुख्यालय से ही होंगे न कि कहीं और से। इससे पार्टी के भीतर नई अटकलें लगाई जा रही हैं।गुरुवार की बैठक में टीएमसी नेताओं ने विभिन्न जिलों में

वोटर लिस्ट की जांच का जिम्मा सौंपा। सब्रता बक्शी को दक्षिण कोलकाता का जिम्मा सौंपा गया, जबकि अभिषेक को दक्षिण 24 परगना की जिम्मेदारी दी गई। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने सुझाव दिया कि अभिषेक की अनुपस्थिति पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से अधिक विकेन्द्रीकृत कार्य प्रणाली की ओर बढ़ने का संकेत हो सकती है। यह बैठक भाजपा पर चुनावी लिस्ट में गड़बड़ियों का आरोप लगाने के टीएमसी के व्यापक प्रयास का हिस्सा थी। इससे पहले टीएमसी नेताओं ने जिला कार्यकर्ताओं से मिलकर डोर टू डोर जांच के परिणामों पर चर्चा की थी और भाजपा पर फर्जी वोटरों को लिस्ट में जोड़ने का आरोप लगाया था। पिछले हफ्ते ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि भाजपा ने बाहरी लोगों को वोटरों को लिस्ट में जोड़ा है। इस कार्य में चुनाव आयोग की कथित मदद ली है।

मायावती ने की मदरसों को सील करने पर उत्तराखंड सरकार की आलोचना

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमों एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को उत्तराखंड सरकार की देहरादून में मदरसों को सील करने की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की और इसे 'द्वेषपूर्ण' तथा 'गैर-धर्मनिरपेक्ष कदम' करार देते हुए सरकार से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले फैसलों से बचने की अपील की। उनकी यह टिप्पणी देहरादून जिले में 15 मदरसों को सील किये जाने के बाद आई है। जिला प्रशासन ने उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद से पंजीकरण के बिना चल रहे मदरसों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया था। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सरकार धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने वाली ऐसी द्वेषपूर्ण व गैर सेक्युलर कार्रवाईयों से जरूर बचे।''

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस नेता उदित राज पर भी निशाना साधा। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में

कहा, ''बहुजन समाज के हितों के प्रति समर्पित संगठनों ने बसपा और उसकी मजबूत नेतृत्व क्षमता के खिलाफ एक घमंडी और अहंकारी कांग्रेस नेता की निराधार टिप्पणी की निंदा की है। लोगों को ऐसे तत्वों से सावधान रहना चाहिए।'' दरअसल, उदित राज ने बृहस्पतिवार को कहा था कि बसपा से निष्कासित किए गए आकाश आनंद तथा कांशीराम के आंदोलन से जुड़े सभी लोगों को कांग्रेस में शामिल होकर संविधान बचाने की लड़ाई लड़नी चाहिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि आकाश आनंद को दो बार बसपा का राष्ट्रीय समन्वयक बनाना और फिर पार्टी से निकालना इस बात को दर्शाता है कि बसपा का संचालन भारतीय जनता पार्टी कर रही है। मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती (15 मार्च) को मिशनरी भावना के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा, ''मैं मान्यवर कांशीराम जी की जयंती 15 मार्च को पूर्ण मिशनरी भावना से मनाने की अपील करती हूं। इसी संबंध में मैंने आज सुबह लखनऊ में 'बहुजन समाज प्रेरणा केंद्र' और बसपा कार्यालय का दौरा किया।''

नाइट्रोजन प्रदूषण की मात्रा दोगुनी होने से समुद्री जीवों पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में 1980 के बाद से मानवीय गतिविधियों के कारण नाइट्रोजन प्रदूषण की मात्रा दोगुनी हुई है। बांग्लादेश और म्यांमार के तटीय क्षेत्रों में भी नाइट्रोजन जमाव में बढ़ोतरी हुई है। एक अध्ययन में विश्लेषण किया गया कि दक्षिण एशिया में वायु प्रदूषण समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को कैसे प्रभावित कर रहा है। इस पर ध्यान दिया गया है कि जीवाश्म ईंधन जलाने और कृषि गतिविधियों से निकलने वाली नाइट्रोजन उत्तरी हिंद महासागर पर क्या असर डालती है। फ्रांस के वैज्ञानिकों ने यह अध्ययन किया और पाया कि इससे महासागर की जैविक उत्पादकता प्रभावित हो रही है।

हालांकि महासागर में उर्वरक जैसी प्रक्रियाएं नाइट्रोजन जमाव के प्रभाव को संतुलित कर सकती हैं। विशेष रूप से मध्य अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के पश्चिमी हिस्सों में जहां महासागर का जलस्तर बढ़ा है। वहां नाइट्रोजन का जमाव 70 से 100 फीसदी तक बढ़ गया है। महासागर में प्रारंभिक जैव उत्पादकता का तात्पर्य उन सूक्ष्म जीवों से है। जो प्रकाश संश्लेषण या रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से ऊर्जा का उपयोग करके कार्बनिक पदार्थों का निर्माण करते हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र के तापमान में वृद्धि हुई है। जिससे जल स्तर बढ़ा और पानी की घनत्व-आधारित परतें बन गईं। मानसून भी इस जटिलता को और बढ़ा देता है। यह महासागर की सतह और गहराई के बीच पोषक तत्वों के प्रवाह पर असर डालती है, जिससे प्रारंभिक और द्वितीयक उत्पादकों को जरुरी पोषक तत्व मिलते हैं। अरब क्षेत्र से उड़कर आने वाली धूल में मौजूद लोहे के कण भी इस प्रक्रिया को तेज करते हैं।

उपग्रह के चित्रों की मदद से नाइट्रोजन जमाव और महासागर के तापमान बढ़ने के प्रभाव का विश्लेषण किया। पता चला है कि प्रारंभिक फाइटोप्लैंकटन और जूप्लैंकटन की उत्पादकता के कुछ स्थानों पर तेजी से बढ़ोतरी हुई है। वहीं कुछ क्षेत्रों में पोषक तत्वों की कमी देखी गई। विशेष रूप से पश्चिमी अरब सागर में 100 मीटर से नीचे कार्बन के होने की पुष्टि हुई, जबकि दक्षिण-पूर्वी अरब

सागर और मध्य बंगाल की खाड़ी में उत्पादकता सबसे कम रही। इन क्षेत्रों में समुद्र के गर्म होने के कारण पोषक तत्वों की आपूर्ति सीमित हो गई है, जिससे नाइट्रेट की गहराई बढ़ी है।

Page - 10_Page - 10.qxd 08-03-2025 04:58 Page 1

भारत-न्यूजीलैंड फाइनल

टीम इंडिया को इस 'गोल्फर' मचेल सैंटनर से सबसे बड़ा खतरा, गुच्छों में लेगा कई विकेट!

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला 9 मार्च को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस महामुकाबले में रोहित शर्मा की टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के एक ऐसे खिलाड़ी से सबसे ज्यादा खतरा होगा जो खुद को 'फुल टाइम गोल्फर' बताता है। यह कोई और नहीं बल्कि कीवी कप्तान मिचेल सैंटनर हैं, जो अपनी फिरकी से भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

मिचेल सैंटनर क्यों हैं भारत के लिए बड़ा खतरा?

न्यूजीलैंड के कप्तान और स्टार ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक 4 मैचों में 7 विकेट अपने नाम किए हैं और अपनी फिरकी गेंदबाजी से बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है। खास बात यह है कि सैंटनर का भारत के खिलाफ रिकॉर्ड भी शानदार रहा है।

भारत के खिलाफ सैंटनर का दमदार प्रदर्शन

- ग्रुप स्टेज में भारत के खिलाफ 31 गेंदों में 28 रन की अहम पारी खेली थी।
- गेंद से भी लगातार प्रभावी रहे हैं और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट झटके हैं।
- सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन बड़े विकेट लेकर टीम को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी।
- दबाव में खेलना जानते हैं और फाइनल जैसे बड़े मुकाबलों में गेम पलटने का माद्दा रखते हैं।

रचिन और विलियमसन भी हैं फॉर्म में

न्यूजीलैंड की टीम में केवल सैंटनर ही नहीं बल्कि रचिन रविंद्र और केन विलियमसन भी शानदार लय में हैं। इन दोनों बल्लेबाजों ने टूर्नामेंट में कई शानदार पारियां खेली हैं और भारतीय गेंदबाजों के लिए चुनौती पेश कर सकते हैं।

भारत के लिए जीत की कुंजी

अगर टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी जीतनी है तो न्यूजीलैंड के इन खिलाड़ियों को जल्द से जल्द पवेलियन भेजना होगा। खासतौर पर मिचेल सैंटनर को जल्दी आउट करना बेहद जरूरी होगा, क्योंकि वह गेंद और बल्ले दोनों से मैच का रुख पलट सकते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत के लिए खुशखबरी

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड के बीच होना है। यह मुकाबला 9 मार्च को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर खेला जाएगा। आईसीसी ने इस मैच के लिए अंपायर्स की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के पॉल रीफेल और इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के लिए मैदानी अंपायर होंगे जबकि श्रीलंका के रंजन मदुगले मैच रेफरी होंगे।

धर्मसेना भी मैच का हिस्सा होंगे

58 साल के ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज रीफेल लाहौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के सेमीफाइनल के दौरान मैदानी अंपायरों में से एक थे। वेस्टइंडीज के जोएल विल्सन तीसरे अंपायर की भूमिका में नजर आएंगे। श्रीलंका के कुमार धर्मसेना खिताबी मुकाबले में चौथे अंपायर होंगे। धर्मसेना एकमात्र क्रिकेटर हैं जो अंपायर और

दुबई स्टेडियम के आसपास भी नहीं दिखेगा ये 'पनौती-रिचर्ड केटलब्रो'

खिलाड़ी के रूप में वर्ल्ड कप के खिताबी मुकाबले का हिस्सा रह चुके हैं।

इंग्लैंड के पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर 61 वर्षीय इलिंगवर्थ दुबई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के अंतिम-चार मुकाबले का हिस्सा थे। चार बार के 'आईसीसी अंपायर ऑफ द ईयर' रह चुके इलिंगवर्थ भारत में 2023 वनडे विश्व कप और अमेरिका में 2024 टी20 विश्व कप के फाइनल में भी अंपायर रहे थे। वह भारत और न्यूजीलैंड के बीच ग्रुप मैच में भी अंपायर थे जिसमें भारत ने 44 रन से जीत दर्ज की थी।

रिचर्ड केटलब्रो से मिला छुटकारा – रिचर्ड केटलब्रो जब आईसीसी के नॉकआउट मुकाबलों में मैदान पर होते हैं तो भारतीय टीम के लिए अच्छा नहीं होता। वह 2014 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल, 2015 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल, 2016 टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल, 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल, 2019 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल और 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में मैदानी अंपायर थे। 2024 टी20 विश्व कप फाइनल में वह मैदान पर नहीं थे। टीवी अंपायर की भूमिका में थे और टीम इंडिया जीती थी। इस बार तो वह स्टेडियम में ही नहीं होंगे।

मैच ऑफिसियल्स की सूची

मैदानी अंपायर – पॉल रीफेल और रिचर्ड इलिंगवर्थ
तीसरे अंपायर – जोएल विल्सन
चौथे अंपायर – कुमार धर्मसेना
मैच रेफरी – रंजन मदुगले।

केन विलियमसन बनाम भारतीय स्पिनर

चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में रोचक होगा मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। फॉर्म में चल रहे भारतीय स्पिनरों और न्यूजीलैंड के धाकड़ बल्लेबाज केन विलियमसन के मुकाबले पर भी चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में सभी की नजरें होंगी और यह मैच का निर्णायक पहलू भी साबित हो सकता है। न्यूजीलैंड ने आखिरी बार आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी वर्ष 2000 में जीती थी जब भारत को चार विकेट से हराया था। इसके बाद से आईसीसी 50 ओवरों के खिताब के लिये टीम इंतजार कर रही है।

दूसरी ओर भारत ने 2013 के बाद से चैम्पियंस ट्रॉफी नहीं जीती है और इस मैच में टीम फिर चार स्पिनर उतार सकती है। फाइनल मैच दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की उसी पिच पर खेला जायेगा जिस पर पाकिस्तान के खिलाफ मैच हुआ था। उसमें स्पिनरों को काफी मदद मिली थी। ऐसे में हालात के अनुकूल ढलने का विलियमसन का कौशल और तकनीकी महारत न्यूजीलैंड के लिये अहम होगी। भारत के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में

81 रन बनाकर वह इसे फिर साबित कर ही चुके हैं।

न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड का मानना है कि भारत का चौतरफा स्पिन आक्रमण चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, 'हमारे खिलाफ शायद वह इसी रणनीति को अपनाएंगे लेकिन हमारे पास भी चार स्पिनर हैं। हमारी टीम संतुलित है लेकिन चौतरफा स्पिन आक्रमण चुनौतीपूर्ण होगा। उनके पास बेहतरीन स्पिनर हैं।

उन्होंने कहा, 'हमें हालात के अनुरूप ढलना होगा और हमारे सभी बल्लेबाज अपनी रणनीति बनाकर भारतीय स्पिनरों के सामने उतरेंगे। भारत के वरूण चक्रवर्ती के पास विविधता है जिसमें लेग ब्रेक और सीम लेती गेंदें शामिल हैं। उन्होंने मिचेल सेंटनेर को 113 किमी की रफ्तार वाली गेंद पर आउट किया था। ऐसे में स्टीड की रणनीति का अहम हिस्सा विलियमसन होंगे जिन्होंने वनडे क्रिकेट में स्पिनरों के खिलाफ 47 की औसत से 2952 रन बनाये हैं।

स्टीड ने कहा, 'वह बड़े मैचों का खिलाड़ी है और कई बार न्यूजीलैंड के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर चुका है। क्रिकेट के खेल में रनों की गारंटी नहीं होती लेकिन मुझे पता है कि केन रन बनाने की पूरी कोशिश करेगा। वह दुनिया के चुनिंदा क्रिकेटरों में से है जिनमें विभिन्न पिचों के अनुरूप ढलने की कमाल की काबिलियत है।

सीनियर स्तर पर शानदार पदार्पण के बाद साक्षी की नजरें जूनियर विश्व कप पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी प्रो लीग में सीनियर टीम के साथ सफल पदार्पण के बाद युवा फॉरवर्ड साक्षी राणा अब अपनी रफ्तार पर काम कर रही है और उनकी नजरें चिली में इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन पर लगी है। सत्रह वर्ष की साक्षी ने स्पेन के खिलाफ पदार्पण मैच में गोल किया हालांकि भारत वह मुकाबला 3.4 से हार गया था।

साक्षी ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, 'मैं लंबे समय से पदार्पण का इंतजार कर रही थी लिहाजा इसे लेकर बहुत खुश हूं। मैं मैच से पहले इतनी नर्वस नहीं थी क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा समर्थन किया और मुझे कहा कि तुम्हारे पहले मैच में कोई गलती नहीं है लिहाजा खुलकर खेलो।

उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य पहले मैच में गोल करने का था। मैने जब गेंद पाई तो देखा कि मेरे आसपास कोई नहीं है। मैने शॉट लिया और जब हर कोई चिल्लाने लगा तो मुझे अहसास हुआ कि गोल हो गया है। साक्षी ने कहा, 'मैने हॉकी इंडिया लीग और प्रो लीग में विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेला तो मुझे लगा कि रफ्तार कितनी अहम है। मुझे मैदान पर तेज रफ्तार रहना होगा चूंकि मैं फॉरवर्ड पंक्ति में हूं। अब मैं इस पर काम कर रही हूं।

साक्षी पिछले साल जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम में शामिल थी। उन्होंने कहा, 'मेरा फोकस जूनियर विश्व कप पर है और मैं इसके लिए काफी मेहनत कर रही हूं। मुझे उम्मीद है कि भारत को एक और पदक दिलाने में अहम भूमिका निभा सकती हूं।

डेविड मिलर ने उठाए चैंपियन्स ट्रॉफी के शैड्यूल पर सवाल, बोले- यह अच्छी बात नहीं

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान और दुबई के बीच दो बार यात्रा करने के कारण चैंपियन्स ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल के कार्यक्रम से निराश दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेविड मिलर अब भारत के खिलाफ टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड की जीत की उम्मीद कर रहे हैं। मिलर ने बुधवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में हार के दौरान शानदार शतक जड़ा था। मिलर के कहा कि मैं आपके साथ ईमानदारी बरतूंगा। मुझे लगता है कि मैं

न्यूजीलैंड का समर्थन करूंगा।

कराची में ग्रुप चरण का आखिरी मैच खेलने के तुरंत बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम को अगली सुबह तड़के दुबई के लिए उड़ान पकड़नी पड़ी। हाइब्रिड मॉडल पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीमों को भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए ग्रुप चरण के मैच के परिणाम आने तक दुबई में डेरा डालना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर रहा था और भारत के ग्रुप ए में चोटी पर रहने के कारण उसे सेमीफाइनल खेलने के लिए वापस पाकिस्तान लौटना पड़ा। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका की 50 रन की हार के दौरान शतक जड़ने वाले मिलर ने कहा कि कार्यक्रम आदर्श नहीं है।

मिलर ने कहा कि यह भले ही एक घंटे और 40 मिनट की उड़ान है लेकिन कहने का मतलब यह है कि हमें ऐसा करना पड़ा। मैच के तुरंत बाद अगली सुबह हमें तड़के विमान पकड़ना पड़ा ताकि हम सही समय पर दुबई पहुंच सके। उन्होंने कहा कि और सुबह 7.30 बजे हमें वापस आना पड़ा। यह अच्छी स्थिति नहीं थी। ऐसा नहीं है कि हमने 5 घंटे की उड़ान भरी और हमारे पास मैच के लिए पूरी तरह तैयार होने के लिए पर्याप्त समय था। लेकिन फिर भी यह कोई आदर्श स्थिति नहीं थी। फाइनल रविवार को दुबई में खेला जाएगा।

मिलर की यह टिप्पणी उनके साथी रासी वान डेर डुसेन के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने अपने सभी मैच एक ही स्थान पर खेलने से भारत को फायदा होने का जिक्र किया था। मिलर चाहते हैं कि भारत के खिलाफ फाइनल को न्यूजीलैंड जीते लेकिन उन्हें इस मैच के काफी करीबी होने की उम्मीद है। मिलर ने कहा कि दोनों ही बहुत अच्छी टीम हैं। भारत ने दुनिया को दिखाया है कि उनकी टीम कितनी अच्छी है। वह पिछले कई वर्षों से लगातार अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास वास्तव में कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं। यह शानदार मुकाबला होगा। दक्षिण अफ्रीका पिछले साल टी20 विश्व कप फाइनल में भारत से हार गया था और बुधवार को एक बार फिर नॉकआउट मैच में हारकर आईसीसी खिताब जीतने से महरूम रहा।

आज जीत के साथ अभियान खत्म करने आरसीबी के खिलाफ उतरेंगे यूपी वारियर्स

लखनऊ (एजेंसी)। टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर खड़ी यूपी वारियर्स शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ मैच में जीत के साथ महिला प्रीमियर लीग के इस सत्र से विदा लेना चाहेगी और इसके लिये मध्यक्रम के उसके बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। यूपी की टीम ने कई मौके गंवाये और एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही।

सात मैचों में महज चार अंक के साथ वह तालिका में सबसे नीचे है और तकनीकी दौर पर ही दौड़ में बनी हुई है। गत चैम्पियन आरसीबी के लिए भी यह सत्र कठिन रहा और उसके छह मैचों में चार ही अंक है। वह लगातार चार मैचों में पराजय झेल चुकी है। वैसे उनके पास अभी एक मैच और है जिससे प्लेआफ की उम्मीदें बनी हुई है।

स्मृति मंधाना की टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। पिछले मैच में सुपर ओवर में मिली हार की यादें अभी भी ताजा है और उनका लक्ष्य बदला चुकता करने का भी होगा। यूपी की टीम बार बार के बदलावों से उबर नहीं सकी और उसका बल्लेबाजी क्रम स्थिर नहीं हो पाया है। पिछले तीन मैचों में शीर्षक्रम में काफी बदलाव किये गए। उन्होंने कम से कम एक विदेशी बल्लेबाज से पारी का आगाज कराया लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

भारत की किरण नवगिरे शीर्ष तीन में हमेशा रही लेकिन मिली जुली सफलता मिली। ग्रेस हैरिस ने एक अहम पारी खेली और पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ जॉर्जिया वोल चमकी। यूपी का मध्यक्रम हालांकि एक टीम के रूप में नाकाम रहा और ना तो बड़ा स्कोर बन सका और ना ही लक्ष्य का पीछा करने में कामयाब रहे।

यूपी की कप्तान दीप्ति शर्मा ने कहा, 'हम मध्यक्रम में लगातार गलतियां कर रहे हैं। हमारा शीर्ष और निचला क्रम अच्छा खेल रहा है लेकिन

मध्यक्रम पर फोकस करना होगा। उम्मीद है कि आखिरी मैच में वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। यूपी वारियर्स ने इस सत्र में सर्वोच्च स्कोर 180 रन आरसीबी के खिलाफ ही बनाए थे। उन्होंने सुपर ओवर में वह मैच जीता था।

दूसरी ओर आरसीबी ने लगातार दो जीत के साथ शुरूआत की थी लेकिन उसके बाद लय से भटक गई। बेंगलुरू में टीम एक भी मैच नहीं जीत सकी। कप्तान मंधाना को उम्मीद होगी कि जगह बदलने से किस्मत भी बदलेगी। तालिका में चौथे स्थान पर काबिज आरसीबी के बल्लेबाज पिछले दो मैचों में नाकाम रहे और मंधाना का अपना फॉर्म चिंता का विषय है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 81 रन बनाने के बावजूद वह स्पिनरों के खिलाफ जूझती नजर आई। एलिसे पैरी भी लगातार अच्छा नहीं खेल सकी इसी तरह आरसीबी के गेंदबाज भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। उन्होंने पिछले मैच में सात गेंदबाजों को आजमाया लेकिन सफलता नहीं मिली।

तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने टूर्नामेंट में अभी तक 10 विकेट लिए हैं जबकि स्पिनर जॉर्जिया वेयरहैम ने 9 विकेट चटकाए हैं। लेकिन दोनों सही लाइन और लैंग्थ से गेंदबाजी नहीं कर पाई हैं। स्पिनर एकता बिष्ट और कनिका आहूजा भी बीच के ओवरों में उतना प्रभावित नहीं कर पाई।

टीमें

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू – स्मृति मंधाना (कप्तान), कनिका आहूजा, एकता बिष्ट, चार्ली डीन, किम गार्थ, ऋचा घोष (विकेटकीपर), हीथर ग्राहम, वीजे जोशीथा, सब्बिनेनी मेघना, नजहत परवीन, जगरावी पवार, एलिसे पेरी, राघवी बिस्ट, स्नेह राणा, प्रेमा रावत, रेणुका सिंह, जॉर्जिया वेरेहम, डैनी व्याट-हॉज।

यूपी वारियर्स – दीप्ति शर्मा (कप्तान), अंजलि सरवानी, चमारी अथापथु, उमा छेत्री, सोफी एक्लेस्टोन, राजेश्वरी गायकवाड़, अरुशी गोयल, क्रांति गौड़, ग्रेस हैरिस, चिनेले हेनरी, पूनम खेमनार, अलाना किंग, ताहलिया मैकग्रा, किरण नवगिरे, श्वेता सहरावत, गौहर सुल्ताना, साइमा ठाकोर, दिनेश वृंदा।

अंपायर के फैसले पर असहमति जताना पड़ा भारी

मुंबई इंडियंस की कप्तान पर लगा जुर्माना

लखनऊ (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर पर गुरुवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में यूपी वॉरियर्स के खिलाफ मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। डब्ल्यूप्रीमियर लीग ने अपने बयान में कहा कि हरमनप्रीत ने अनुच्छेद 2.8 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया है जो मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है। यह घटना अंतिम ओवर में हुई, जब मैदानी अंपायर ने नियम के अनुसार फील्डिंग प्रतिबंध लगाते हुए मुंबई को धीमी ओवर गति के लिए दंडित किया। इसके लिए मुंबई को 30 गज के घेरे के बाहर केवल तीन क्षेत्ररक्षक रखने थे। मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत फैसले से स्पष्ट रूप से नाखुश थीं और उन्होंने अंपायर अजितेश अर्गल से इस फैसले को चुनौती देने के लिए कहा। इस बीच, अंतिम ओवर फेंकने वाली ऑलराउंडर अमेलिया केर भी इस फैसले से काफी परेशान दिखीं। जैसे ही स्थिति बदली नॉन-स्ट्राइकर छोर पर खड़ी इंग्लैंड की क्रिकेटर सोफी एक्लेस्टोन ने अंपायर से अपनी राय जाहिर की। इस पर हरमनप्रीत और एक्लेस्टोन के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके दौरान रूढ़ कप्तान को उन पर उंगली उठाते हुए देखा गया।

रोहित शर्मा को सिर्फ 25-30 रन बनाकर संतुष्ट नहीं होना चाहिए : सुनील गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना ??है कि रोहित शर्मा को सिर्फ 25-30 रन बनाकर संतुष्ट नहीं होना चाहिए और लंबी पारी खेलने पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि क्रीज पर उनकी मौजूदगी भारत के लिए मैच का रूख बदलने वाला असर डाल सकती है।

गावस्कर ने कहा, '(अगर) वह (रोहित शर्मा) 25 ओवर भी बल्लेबाजी करते हैं तो भारत 180-200 रन के आसपास होगा। सोचिए कि अगर उन्होंने तब तक सिर्फ दो विकेट खो दिए तो जरा सोचिए कि वे क्या कर सकते हैं। वे 350 रन या इससे अधिक के स्कोर तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा,

'उन्हें इस बारे में भी सोचना चाहिए। आक्रामक होकर खेलना एक बात है, लेकिन 25-30 ओवर तक बल्लेबाजी करने का मौका देने के लिए थोड़ा संयम से खेलना चाहिए। अगर वह ऐसा करता है तो वह विपक्षी टीम से मैच छीन सकता है। इस तरह का असर मैच जीतने वाला होता है।

रोहित ने टूर्नामेंट में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमशः 20, 15 और 28 रन बनाए हैं। गावस्कर ने कहा, 'साथ ही मुझे लगता है कि बतौर बल्लेबाज क्या आप 25-30 रन बनाकर खुश हैं? आपको खुश नहीं होना चाहिए! इसलिए मैं उनसे यही कहूंगा कि अगर आप सिर्फ सात से नौ ओवर के बजाय 25 ओवर तक बल्लेबाजी करते हैं तो इससे टीम पर काफी अच्छा असर पड़ेगा।

दुबई में ग्रुप ए का अंतिम मैच खेलने के बाद भारत और न्यूजीलैंड रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में फिर से आमने-सामने होंगे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने न्यूजीलैंड की जीत का समर्थन करते हुए कहा कि उनकी टीम में कुछ ऐसे मजबूत क्रिकेटर हैं जो दबाव में नहीं आयेंगे। हुसैन ने कहा, 'वे दबाव में नहीं आएंगे। हम पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज आरोन फिंच के साथ रात्रिभोज कर रहे थे और उन्होंने बहुत अच्छी बात कही कि न्यूजीलैंड कभी भी दबाव में लाकर खुद को हराने वाली टीम नहीं है। टीम शानदार प्रदर्शन करेगी।

रोहित को मोटा कहने वाली कांग्रेस नेता ने शमी के रोजा ना रखने पर समर्थन किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट स्टार रोहित शर्मा की फिटनेस पर सवाल उठाने वाली कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का रोजा ना रखने पर समर्थन किया है। शमी की भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच से दौरान एनर्जी ड्रिंक पीने वाली फोटो वायरल हुई थी जिसके बाद यह सारा मामला सामने आया। विवाद तब शुरू हुआ जब ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने मोहम्मद शमी को रोजा न रखने के लिए 'अपराधी' कह डाला।

इसके बाद शमी के परिवार वाले और कोच ने उनका समर्थन किया। अब शमी के समर्थन में उतरते हुए शमा मोहम्मद ने कहा कि इस्लाम में कोई भी इस बात पर जोर नहीं देता कि जब आप कोई खेल खेल रहे हों, तो आपको रोजा रखना ही होगा।

Page - 11_Page - 11.qxd 08-03-2025 04:59 Page 1

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात दो साल के निचले स्तर पर

- भारतीय रिफाइनर अब छोटे आपूर्तिकर्ताओं की ओर कर रहा रुख

नई दिल्ली ।

अमेरिका द्वारा रूस के तेल व्यापार पर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते रूस से भारत आने वाले कच्चे तेल की आपूर्ति काफी घट गई है। फरवरी में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात दो साल के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस कमी को पूरा करने के लिए भारतीय रिफाइनर अब अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों के छोटे आपूर्तिकर्ताओं की ओर रुख कर रहे हैं। जनवरी में अमेरिका ने रूस के तेल व्यापार पर व्यापक प्रतिबंधों की घोषणा की/ इसमें 183 टैंकरों पर प्रतिबंध लगाया गया था जो रूसी तेल ढो रहे थे। इसके अलावा दो रूसी तेल कंपनियों और रूसी बीमा कंपनियों पर भी बैन लगाए थे। इन प्रतिबंधों के कारण भारतीय रिफाइनरों के लिए मास्को के कच्चे तेल की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति करना मुश्किल हो गई है। इस कमी को पूरा करने के लिए भारत अब कच्चे तेल के अन्य स्रोतों की तलाश कर रहा है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरातसे तेल आयात में गिरावट आई। वहीं फरवरी में इराक से तेल आयात 5.5 फीसदी बढ़कर 1.09 मिलियन बीपीडी हो गया, जबकि सऊदी अरब से आयात 6 फीसदी से अधिक घटकर 679,372 **bpd** रह गया. भारत का **UAE** से तेल आयात फरवरी में 22 फीसदी से अधिक घटकर 342,076 बीपीडी रह गया। दूसरी ओर भारत के तेल आयात के अपेक्षाकृत छोटे स्रोतों जैसे ब्राजील, नाइजीरिया, कोलंबिया, वेनेजुएला, मेक्सिको, कतर, ओमान, अल्जीरिया, कांगो गणराज्य, लीबिया और गैबॉन से तेल आयात फरवरी में बढ़ गया. फरवरी में अर्जेंटीना भी भारत के कच्चे तेल के आयात स्रोतों के नक्शे पर दिखाई दिया, जिसने लगभग 25,000 **bpd** की आपूर्ति की।

सोना फिसला, 85,700 के करीब, चांदी भी हुई सस्ती

नई दिल्ली ।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में गिरावट देखने को मिल रही है। शुक्रवार को दोनों कीमती धातुओं के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 85,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 97,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 294 रुपये की गिरावट के साथ 85,740 रुपये के भाव पर खुला और 300 रुपये की गिरावट के साथ 85,734 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही।

एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 185 रुपये की गिरावट के साथ 97,956 रुपये पर खुला। इस समय यह 249 रुपये की गिरावट के साथ 97,892 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,919.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

पिछला बंद भाव 2,926.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 11.90 डॉलर की गिरावट के साथ 2,914.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.21 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.33 डॉलर था। इस समय यह 0.12 डॉलर की गिरावट के साथ 33.21 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एसयूवी एक्स सी 90 का फेसलिफ्टेड वर्जन लॉन्च

नई दिल्ली ।

लग्जरी कारों का निर्माण करने वाली कंपनी वोल्वो कार इंडिया ने अपनी फ्लैगशिप 7-सीटर एसयूवी एक्स सी 90 का फेसलिफ्टेड वर्जन लॉन्च कर दिया है। नए मॉडल में एक्सटीरियर और इंटीरियर में कई अपडेट किए गए हैं, जिससे यह और भी प्रीमियम और आधुनिक बन गई है। इसकी शुरुआती कीमत रुपए 1,02,89,900 (एक्स-शोरूम) रखी गई है, जो इसके पिछले मॉडल की तुलना में रुपए2 लाख अधिक है। एक्स सी 90 के नए वर्जन में फ्रंट ग्रिल को रिफ्रेश किया गया है, जिसमें क्रोम एक्सेंट जोड़ा गया है। इसके अलावा, नए मैट्रिक्स-डिज़ाइन एलईडी हेडलैम्प्स और संशोधित टेललैम्प्स इसे पहले से ज्यादा आकर्षक बनाते हैं।

एसयूवी के फ्रंट और रियर बंपर भी अपडेट किए गए हैं। यह 20-इंच के ब्लैक डायमंड-कट मल्टी-स्पोक एलॉय व्हील्स, एल्युमीनियम रूफ रेल्स और पैनोरमिक सनरूफ के साथ आती है। इंटीरियर की बात करें तो इसमें ग्रेनड चारकोल डैशबोर्ड और नॉर्डिको अपहोल्स्ट्री का इस्तेमाल किया गया है, जो प्रीमियम लुक देता है। इसमें सेफ्टी के लिहाज से इसमें 360-डिग्री कैमरा, सभी तरफ़ पार्क असिस्ट और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) शामिल हैं। यह 2.0-लीटर पेट्रोल माइल्ड-हाइब्रिड इंजन के साथ आती है, जो 250एचपी की पावर और 360एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है।

इसमें 48वी बैटरी, 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन और ऑल-व्हील-ड्राइव (एडब्ल्यूडी) सेटअप दिया गया है। यह 7.7 सेकंड में 0-100 किमी/घंटा की स्पीड पकड़ सकती है और इसकी टॉप स्पीड 180 किमी/घंटा है। इसमें वेंटिलेटेड और मसाज फ़ंक्शन वाली पावर्ड सीटें, चार-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, हेड-अप डिस्प्ले, 12.3-इंच ड्राइवर डिस्प्ले और बिल्ट-इन गूगल इंटीग्रेशन के साथ 11.2-इंच का टचस्क्रीन दिया गया है। शानदार ऑडियो अनुभव के लिए इसमें 19-स्पीकर बोवर्स और विल्किंस साउंड सिस्टम दिया गया है।

देश में एआई डेवलपमेंट के लिए चाहिए बड़ा निवेश: बंसल

नई दिल्ली ।

फ्लिपकार्ट के को-फाउंडर और टेक दिग्गज सचिन बंसल ने कहा कि भारतीय कंपनियों के पास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फाउंडेशन मॉडल और लार्ज लैंग्वेज मॉडल डेवलप करने का बड़ा अवसर है। हालांकि, इसके लिए भारी कैपिटल इन्वेस्टमेंट, प्रतिबद्धता और कुशल प्रतिभा की जरूरत होगी। बंसल ने गुरुवार रात आयोजित बेंगलुरु के एक कार्यक्रम में कहा कि मैं इस बारे में काफी सोचता हूं, लेकिन एलएलएमएस बनाने को लेकर चुनौती ये है कि यह एक फुल टाइम जॉब है, इसे साइड प्रोजेक्ट की तरह नहीं किया जा सकता। इसके लिए बहुत ज्यादा पैसे की जरूरत होती है। अगर आप टैलेंट और पैसा एक साथ ला सके हैं यह एक मौका है और भारतीय ऐसा कर सकते हैं। सचिन बंसल ने प्रतिभा पलायन यानी भारतीय टैलेंट का विदेशों में जाने को एक बड़ा चैलेंज बताया है। बंसल ने कहा कि मैंने आईआईटी से कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएशन किया, और मेरे बैच के 80 फीसदी लोग भारत से बाहर हैं। वे या तो प्रोफेसर हैं, या गूगल जैसी कंपनियों में एआई पर काम कर रहे हैं, या फिर अपना स्टार्टअप चला रहे हैं। हमारा बेस्ट टैलेंट अमेरिका चला जा रहा है इसके विपरीत, चीन और ताइवान में प्रतिभाशाली लोग वापस आकर घरेलू टेक प्लेटफॉर्म बना रहे हैं।

इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल पर 67 रुपये प्रति घंटे की दर पर उपलब्ध होगा जीपीयू: वैष्णव

नई दिल्ली ।

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि देश में एआई के लिए अनुकूल हालात बनाने के लिए इंडियाएआई मिशन की पहली वर्षगांठ पर एक ऐतिहासिक पहल की गई है। इस मिशन के अंतर्गत, इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल छात्रों, स्टार्टअप, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और सरकारी विभागों को 67 रुपये प्रति घंटे की दर से जीपीयू, क्लाउड स्टोरेज और अन्य एआई सेवाओं तक पहुंच प्रदान करेगा। वैष्णव ने इस उपाय को इंडिया के अपने आधारभूत मॉडल को विकसित करने के लिए किया जा रहा नवाचार बताया है। उन्होंने बताया कि इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल का उपयोग भारत के इस आधारभूत मॉडल के लिए किया जा रहा है जो अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे है। केंद्रीय मंत्री ने इस उपाय की कोई संलग्न कोष नहीं होने का भी उल्लेख किया और यह बताया कि यह लाभप्रद नीति सरकार के मिशन का एक बड़ा घटक है। इस ऐतिहासिक पहल के साथ ही, सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने इस मौके पर भारत में एआई को लागू करने और उपयाग करने के तरीकों में सुधार करने का भी संकल्प जताया। इसके अलावा, मंत्रलय ने एआई और सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकारियों के लिए एक योग्यता ढांचा और इंडिया एआई स्टार्टअप्स ग्लोबल एक्सेलेरेशन कार्यक्रम भी

शुरू किया। इस प्रकार, इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल की यह पहल स्टार्टअप्स, एप्लिकेशन डेवलपर, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन सिद्ध करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है। इसके साथ भारत ने जैसे चंद्रयान अभियान के लिए किया है, ऐतिहासिक मौके पर प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी तरक्की की दिशा में कदम बढ़ा सकती है।

30 हजार टैक्सपेयर्स ने 29,208 करोड़ की विदेशी संपत्तियों का खुलासा किया

नई दिल्ली ।

पिछले साल से संबंधित वित्तीय जानकारी प्राप्त करने के बाद, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने टैक्सपेयर्स को आकलन वर्ष 2024-25 के लिए संशोधित आयकर रिटर्न में अपनी विदेशी संपत्तियों और आय की घोषणा करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अभियान के परिणामस्वरूप, 6,734 टैक्सपेयर्स ने अपनी आवासीय स्थिति को बदलकर अनिवासी कर ली। सीबीडीटी ने 19,501 टैक्सपेयर्स को उच्च विदेशी खाता बैलेंस वाले एसएमएस और ईमेल भेजकर अपनी विदेशी संपत्तियों और आय की घोषणा के लिए आईटीआर में संशोधन करने का अनुरोध किया। जागरूकता सत्र और सोशल मीडिया के माध्यम से इस अभियान का संदेश फैलाने के लिए कई उपाय अभियान किए गए। अधिकारी ने बताया कि लगभग 62 फीसदी टैक्सपेयर्स ने, जिन्हें नोटिफिकेशन मिला, सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और स्वेच्छा से अपने आईटीआर संशोधित किए। इस वर्ष आयकर विभाग के पहले विश्वास के अनुसार टैक्सपेयर्स ने अपनी आयकर घोषणाओं में वृद्धि देखी।

जियोस्टार 1,100 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

मुंबई । जियोस्टार 1,100 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की तैयारी कर रही है। इसकी प्रमुख कंपनी वायाकॉम18 का वॉल्ट डिज्नी के साथ नवंबर, 2024 में विलय हो गया था। इससे कुछ विभागों में कर्मचारियों की संख्या ज्यादा हो गई थी। हालांकि, निकाले जाने वालों को छह महीने से एक साल तक का वेतन दिया जाएगा। विलय के बाद पुनर्गठन के तहत कंपनी में छंटनी की शुरुआत फरवरी से शुरू हुई है, जो जून तक चलेगी। कंपनी वितरण, फाइनेंस, कॉमर्शियल और कानूनी विभाग में गैर जरूरी लोगों को निकालेगी। अगर कोई कर्मचारी एक साल पहले कंपनी में आया है तो उसे एक महीने का पूरा वेतन मिलेगा। इसी हिसाब से बाकी कर्मचारियों को भी मिलेगा। एक से तीन महीने का नोटिस होगा। विलय के बाद ये जियो देश का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट नेटवर्क बन गया है। यह सौदा 70,352 करोड़ रुपये में हुआ था। डिज्नी-रिलायंस एंटरटेनमेंट के पास अब 75 करोड़ दर्शक हो गए हैं। रिलायंस ने इस संयुक्त उपक्रम के लिए 11,500 करोड़ रुपए का निवेश किया है। डीएचएल जर्मनी में इस वर्ष लगभग 8,000 लोगों की छंटनी करेगी। कंपनी 2027 तक एक अरब यूरो की बचत करने की योजना बना रही है और उसी रणनीति के तहत यह फैसला लिया गया है। डीएचएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि कुल कार्यबल का एक फीसदी हिस्सा छंटनी का शिकार होगा।

दोपहिया वाहनों की बिक्री में सालाना छह फीसदी की गिरावट

- कारों की खुदरा बिक्री 10 फीसदी घटी

मुंबई । कारों व दोपहिया वाहन समेत विभिन्न प्रकार के वाहनों की मांग गिरने से गाड़ियों की खुदरा बिक्री फरवरी, 2025 में सालाना आधार पर 7 फीसदी की गिरावट के साथ 18,99,196 इकाई रह गई। फरवरी, 2024 में कुल 20,46,328 वाहन बेचे गए थे। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने कारों की खुदरा बिक्री फरवरी, 2024 से 10 फीसदी घटकर 3,03,398 इकाई रह गई। इस दौरान कुल 13,53,280 दोपहिया वाहन बिके। यह आंकड़ा फरवरी, 2024 में बिके 14,44,674 दोपहिया वाहनों की तुलना में 6 फीसदी कम है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 9 फीसदी घटकर 82,763 इकाई रह गई, जबकि ट्रैक्टर की बिक्री में भी 14.5 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। डीलरों का इन्वेंट्री लेवल अब भी 50-52 दिन के स्तर पर है। फाडा के एक अे धिकारी ने बयान में कहा फरवरी में सभी श्रेणियों में व्यापक गिरावट देखी गई। खुदरा विक्रेताओं ने बिना उनकी सहमति के उन्हें गाड़ियां भेजे जाने के बारे में चिंता जताना शुरू कर दिया। मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को अत्यधिक खेप के साथ खुदरा विक्रेताओं पर बोझ डालने से बचना चाहिए। मार्च में वाहनों की बिक्री को लेकर घरेलू यात्री वाहन बाजार में लंबे समय से दूसरे स्थान पर कायम ह्यूंडई मोटर इंडिया फरवरी में खुदरा बिक्री के मामले में चौथे स्थान पर खिसक गई। फाडा के आंकड़े से पता चलता है कि फरवरी में कंपनी ने 20 फीसदी कम वाहन बेचे। इसके साथ ही उसकी घरेलू बाजार में हिस्सेदारी घटकर 12.58 फीसदी रह गई। मारुति सुजुकी 38.94 फीसदी के साथ नंबर वन पर है। महिंद्रा एंड महिंद्रा और 13.15 फीसदी के साथ दूसरे और टाटा मोटर्स 12.75 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर है।

वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच सपाट बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच भारतीय शेयर बाजार कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को करीब-करीब सपाट बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को मामूली बढ़त के साथ 74,347 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 74,586 अंक के उछाल और 74,038 अंक के निचले स्तर पर झूलने के बाद 7.51 अंक की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी50 भी गिरावट में खुला। कारोबार के दौरान इंडेक्स में उतार-चढाव देखने को मिला। अंत में निफ्टी 7.80 अंक बढ़कर 22,552.50 पर बंद हुआ। ब्रोडर मार्केटस निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में तेजी जारी रही और यह 0.67 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ, जबकि निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.32 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ।

शुक्रवार को बाजार में निफ्टी 50 में शामिल शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा लाभ में दिखाई दी। जो 3.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुई। इसके बाद टाटा मोटर्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज ऑटो और हिंडाल्को में 1.23 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई। वहीं इंडसइंड बैंक, श्रीराम फाइनेंस, एनटीपीसी, बीपीसीएल और इंफोसिस निफ्टी 50 में शामिल सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर में शामिल रहे।

बात दें कि फरवरी में विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजारों से निकासी जारी रही, लेकिन वित्तीय सेक्टर के दिग्गज शेयरों में बिकवाली की रफ्तार जनवरी की भारी निकासी के मुकाबले काफी धीमी रही। हालांकि इकनॉमिक ग्रोथ में सुस्ती की चिंता बनी हुई है। नैशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने वित्तीय सेक्टर के शेयरों से 69.91 अरब रुपये की बिकवाली की जो अहम क्षेत्रों से हुई निकासी में सबसे ज्यादा है। हालांकि जनवरी में हुई निकासी के मुकाबले इसमें खासी कमी आई है क्योंकि तब एफपीआई ने वित्तीय क्षेत्र में 3 अरब डॉलर के शेयरों की बिक्री की थी।

ट्रंप की ट्रेड नीति से बाजारों में उथल-पुथल

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन अपनी टैरिफ नीति को अंतिम रूप देते समय शेयर बाजार की प्रतिक्रियाओं को ध्यान में नहीं रखेगा। ट्रम्प की तेजी से बदलती व्यापार नीति ने बाजारों को उथल-पुथल कर दिया है। जिसके कारण दुनिया भर के बाजारों में हाहाकर मचा हुआ है।

वैश्विक बाजारों से क्या संकेत ?

एशियाई बाजारों में शुक्रवार को गिरावट देखी गई, जो वॉल स्ट्रीट पर देखी गई गिरावट के चलते आई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि ट्रंप की टैरिफ रियायतें निवेशकों को भरोसा दिलाने में विफल रहीं। अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों ने चिंताओं को और बढ़ा दिया, जिसने अर्थव्यवस्था पर ट्रंप की नीतियों के संभावित नकारात्मक प्रभाव के बारे में चिंता जाहिर की है।

एसआईपी खातों के समय से पहले बंद होने की दर 48 फीसदी

मुंबई । घरेलू म्युचुअल फंड उद्योग में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के पंजीकरण में तेजी से वृद्धि के बावजूद एसआईपी खातों को समय से पहले बंद करने की दर भी बढ़ रही है। साल 2023 में 3.48 करोड़ नए एसआईपी पंजीकरण हुए लेकिन 2024 के अंत तक इनमें से केवल 1.82 करोड़ एसआईपी खाते सक्रिय रहे, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि पंजीकरण के दो साल के भीतर लगभग 48 फीसदी एसआईपी खाते बंद हो गए। इसके मुकाबले, 2022 में पंजीकरण हुए 2.57 करोड़ एसआईपी खातों में से 42 फीसदी 2023 के आखिर तक बंद हो गए थे। ये आंकड़े एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया की मासिक रिपोर्ट से प्राप्त हुए हैं। एसआईपी के बारे में उद्योग और निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लाभ को देखते हुए, 3 साल से अधिक के निवेश को बरकरार रखना आदर्श माना जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में ऑनलाइन और फिनटेक प्लेटफॉर्मों की बढ़ती हिस्सेदारी के कारण एसआईपी खातों के बंद होने की दर में वृद्धि हो रही है। इन प्लेटफॉर्मों के माध्यम से निवेश में आसान प्रक्रिया और बिना कमीशन वाले डायरेक्ट प्लान के कारण निवेशक तेजी से अपने पोर्टफोलियो में बदलाव कर रहे हैं।

लोअर स र्किट में जेनसॉल इंजीनियरिंग का शेयर

मुंबई । सौर ऊर्जा समाधान करने वाली जेनसॉल इंजीनियरिंग के शेयरों पर भारी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। बीते तीन कारोबारी दिनों में लगातार लोअर सर्किट लगने के साथ आठ कारोबारी सत्रों में यह स्टॉक 42 फीसदी से अधिक गिर चुका है। इसी बीच कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी के इस्तीफे की खबर सामने आई है। कंपनी ने गुरुवार देर शाम एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी, जिसके अनुसार उनका इस्तीफा 6 मार्च से प्रभावी हो गया है। उनकी जगह नया सीएफओ नियुक्त किया गया है, जो जेनसॉल ग्रुप में कॉरपोरेट फाइनेंस, रिस्क मैनेजमेंट और इंवेस्टर रिलेशंस जैसी भूमिकाएं निभा चुके हैं। रेटिंग एजेंसियों केयर और आईसीआरए ने लोन किश्तों के भुगतान में देरी के कारण जेनसॉल इंजीनियरिंग की क्रेडिट रेटिंग घटा दी, जिससे इसके शेयरों पर जबरदस्त बिकवाली का दबाव बना। कंपनी का कहना है कि यह रेटिंग कटौती शॉर्ट-टर्म लिक्विडिटी मिसमैच के चलते की गई है लेकिन ग्राहकों से मिलने वाले पेमेंट्स के जरिए स्थिति में सुधार हो रहा है। इसके बावजूद निवेशकों की चिंता बरकरार है और शेयरों में गिरावट जारी है।

लेंसकार्ट ने दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर फैक्ट्री का शिलान्यास किया

- तेलंगाना सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया

हैदराबाद ।

विश्वस्तरीय आईवियर उत्पादक कंपनी लेंसकार्ट ने हैदराबाद के बाहरी इलाके तुक्कुगुडा में दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर फैक्ट्री का शिलान्यास किया। इस महा योजना के लिए तेलंगाना सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस फैक्ट्री में फ्रेम, लेंस और आईवियर बनाने की प्रक्रिया एक साथ होगी। यह यूनीकार्न स्टार्टअप लेंसकार्ट की दूसरी फैक्ट्री है और यह चाहती है कि उसकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो। इस प्रोजेक्ट से 2,100 से अधिक नौकरियां बढ़ेंगी और इसके अंत में हर दिन 2 लाख से अधिक चश्मे बनेंगे। यह तेलंगाना सरकार के और गुरुग्राम स्थित लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के बीच किया गया रणनीतिक सहयोग है। इस निवेश से तेलंगाना को वैश्विक उद्योगों के लिए एक आकर्षक स्थान मिलेगा और राज्य के उद्यामिता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। कंपनी का कहना है कि हैदराबाद की फैक्ट्री अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगी। इसमें ऑटोमेशन का उच्च स्तर होगा। कंपनी के मुताबिक इससे उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर होगी। साथ ही, यह उनकी आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूत करेगा। इससे दुनिया भर में उच्च गुणवत्ता वाले आईवियर की आपूर्ति आसान होगी। चश्मे की यह बड़ी फैक्ट्री तेलंगाना सरकार और गुरुग्राम स्थित लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के

बीच एक रणनीतिक सहयोग का परिणाम है। तेलंगाना सरकार ने इस प्रोजेक्ट को कर्नाटक से अपनी ओर खींच लिया था। सरकार का कहना है कि यह निवेश तेलंगाना को वैश्विक उद्योगों के लिए एक पसंदीदा जगह बनाता है। यह राज्य में उन्नत विनिर्माण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देगा।

महिलाएं बन रही हैं वित्तीय स्वतंत्र, एमएफ निवेश में दोगुनी वृद्धि

पिछले पांच वर्षों में म्यूचुअल फंड में महिलाओं का निवेश हुआ डबल

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारतीय महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता की एक नई कहानी उभरी है। अब महिलाएं सिर्फ बचत तक सीमित नहीं, बल्कि म्युचुअल फंड (एमएफ) में भी निवेश कर उनकी वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में कदम बढ़ रही हैं। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में म्युचुअल फंड में महिलाओं का निवेश डबल हो गया है। महिलाएं अब म्युचुअल फंड के साथ वित्तीय स्वतंत्रता के सफर पर आगे बढ़ रही हैं। वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में महिलाओं का निवेश बढ़ रहा है। मार्च 2024 तक महिलाओं के पास कुल व्यक्तिगत निवेशकों की 33 फीसदी एयूएम हिस्सेदारी है। महिलाओं का कुल म्युचुअल फंड निवेश 2019 में 4.59 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2024 में 11.25 लाख करोड़ रुपए हो गया है। पिछले पांच वर्षों में महिलाओं ने इक्विटी म्युचुअल फंड्स को अपनी प्राथमिकता बनाया है, जो महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महिलाएं अब वित्तीय निवेश के माध्यम से अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए उत्साहित हो रही हैं। पिछले पांच वर्षों में महिलाओं के म्युचुअल फंड निवेश में दिखाई देने वाली वृद्धि, पैसिव इन्वेस्टिंग के प्रति उनकी रुझानीकर दृष्टि और वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है।

भारतीय नौसेना कर जुद्ध छेतर अस्तरीय परिचालन अभ्यास - 2025 कर समापन

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना कर कैपस्टोन जुद्ध छेतर अस्तरीय परिचालन अभ्यास (ट्रोपेक्स) कर बछर 2025 कर आयोजन जनवरी से मार्च तक तीन महीना कर अवधि में करल गेलक। ई महिना कर सुरुआत में सिराल ई अभ्यास से नौसेना परिचालन संबंधी सिद्धांत कर पुस्टि करेक में मदइत मिली।

अभ्यास में एक जल-स्थलीय अभ्यास - एम्फेक्स, लछ उपरे जुद्ध सामग्री कर सटीक डिलीवरी उपरे केंद्रित एगो संजुक्त कार्ज परनाली, साइबर आउर इलेक्ट्रॉनिक जुद्ध, आउर एगो सामरिक चरन सामिल रहे ।

ई अभ्यास से रास्ट्रीय समुद्री सुरछा हित कर रछा ले समन्वित आउर एकीकृत तरीका से बिबिध चुनौति कर जबाब देवेक कर नौसेना कर छमता कर मूल्यवान बेहतर होलक।

अरब सागर आउर बंगाल कर खाड़ी संगे हिंद महासागर में आयोजित ई अभ्यास कर संचालन छेतर उत्तर से दखिन तक 35 डिग्री दखिन अछान्स तक लगभग 4300 समुद्री मील आउर पश्चिम में होर्मुज जलडमरूमध्य से पूर्ब में सुंडा आउर लोम्बोक जलडमरूमध्य तक 5000 समुद्री मील तक फैलल आहे।

ट्रोपेक्स 25 में भारतीय नौसेना कर 65-70 जहाज, 9-10 पनडुब्बि आउर बिभिन्न परकार कर 80 से बेसी बिमानमन भाइग लेलयं। ई अभ्यास अन्य सेवामन कर संगे जुद्ध छेतर अस्तर कर परिदस कर जोजना आउर निस्पादन में बहुत उच्च अस्तर कर परिचालन तालमेल हासिल करलयं। इकर में भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना आउर भारतीय तटरक्षक बल कर इकाइमन कर बयापक भागीदारी देखल गेलक, जेकर में सुखोई-30, जगुआर, सी-130, फ्लाइट रिफ्यूलर आउर अवाक्स विमान, इन्फैं ट्री डिवीजन कर 600 से बेसी सैनिकमन आउर भारतीय तटरछक बल कर 10 से बेसी जहाज सामिल रहे।

ट्रोपेक्स 25 भारतीय नौसेना कर परिचालन तैयारी आउर जुद्ध ले सामग्री तत्परता कर आकलन करेक ले तइयार करल गेल गहन परिचालन अभियान कर सफल परिनति के चिह्नित करलयं। ई अभ्यास में जुद्ध ले तइयार, बिश्वसनीय, एकजुट आउर भविस ले तइयार बल रहेक कर नौसेना कर प्रतिबद्धता कर पुस्टि करलयं।

मारवाड़ी महिला सम्मेलन कर बसंत मेला 25 से, पोस्टर कर होलक बिमोचन

रांची। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन कर तत्वावधान में 19वां बसंत मेला कर आयोजन 25, 26 आउर 27 मार्च के महाराजा अग्रसेन भवन रांची में करल जात हे। इकर पोस्टर कर बिमोचन 7 मार्च के करल गेलक।

मेला में 50 गो स्टॉल लगाल जात हे। कुर्ती, छउवामन कर सामान, हैंडमेड आइटम, ज्वेलरी, भगवान कर लुगा, हाथ से बनल अचार, पापड़, मंगोड़ी इत्यादि सामग्री कर स्टॉल लागी। रांची, कोलकाता जामताड़ा पुरुलिया,पटना, जमशेदपुर से महिला उद्यमी स्टॉल लगायेक ले आवत हयं।

आयोजकमन बतालयं कि मेला में गणगौर कर अवसर में एके छइन कर नीचे महिलामन के गोटा सोपिंग करेक कर आनंद मिली। फूड स्टॉल कर स्वाद भी मिली।

संगठन कर मीडिया प्रभारी रीना सुरेखा बतालयं कि बसंत मेला कर परचार परसार ले पोस्टर कर बिमोचन अग्रसेन भवन में करल गेलक। ई अवसर में प्रादेसिक उपाध्यछ अलका सरावगी, साखा अध्यछ मधु सर्राफ, मंजू लोहिया, प्रीति पोद्दार, छाया अग्रवाल, सरिता अग्रवाल, प्रीति फोगला शशि डागा आदि उपस्थित रहयं।

सर्वाइकल कैंसर कर प्रति जागरुकता ले इनर व्हील क्लब निकलालक कार रैली

रामगढ़। रामगढ़ जिला में सर्वाइकल कैंसर कर प्रति जागरूकता फैलायेक ले इनर व्हील क्लब नवा पहल सुरू कइर हे। सुकरवार के क्लब कर सदस्यमन कार रैली निकलाय के सउब के जागरूक करेक कर काम कइर हे। कार रैली के थाना चौक से क्लब कर अध्यछ पिंकी पोद्दार कर दन से हरियर झंडी देखाय के रवाना करल गेलक। ई रैली झंडा चौक, मेन रोड, बिजुलिया, रामगढ़ कॉलेज होते पटेल चौक में जाय के सिरालक। ई दौरान ई संदेस देल गेलक कि सर्वाइकल कैंसर गर्भासय कर कैंसर होवेला। ई तब होवेला जब सर्विक्स कर परत में असामान्य कोसिका बिकसित होवे लागेला। कैंसर कर सामान्य लछन में असामान्य रक्तस्राव, मासिक धरम कर बीच ब्लीडिंग, मल आउर मूत्र त्याग करेक बेरा ब्लीडिंग होए सकेला।

संस्था कर अदमीमन बतालयं कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव ले वैक्सीन लगवायेक उचित आहे। सर्वाइकल कैंसर से बचाव ले एगो प्रभावी उपाय आहे। महिलामन कर नियमित रूप से सर्वाइकल पैप स्मीयर टेस्ट होवेक से सर्विक्स में केऊ भी परिबर्तन कर पहिले पता करल जाए सकेला। 24 बछर कर उम्र से लेइ के 50 बछर कर उम्र तक कर महिलामन के हर तीन बछर में स्क्रीनिंग करुवायेक चाही। 50 बछर कर बाद, 64 बछर तक हर पांच साल में स्क्रीनिंग करुवायेक चाही।

रैली में सचिव नवालजीत कौर, शर्मिष्ठा दत्ता ,अनुराधा श्रॉफ, दीपा वडेरा, ममता बसंत, नीतू अग्रवाल, नमिता श्रॉफ, पिंकी बंसल , जेनेशा वडेरा, प्रियंका जैन, मेघा बगड़िया, जसमीत कौर संगे आउर अदमीमन मौजूद रहयं।

मोंहे बिगड़ल

मोंहे बिगड़ल
गांव,घर,सामाज के,
का लखे सुधरामूं ?
लागथे परिवार चालाते
सिराय जामूं।
मोंहे बिगड़ल
गांव,घर,सामाज के,
का लखे सुधरामूं ?

देख थों हर टोला में
बिजेपी,कांगरेस,जे एम एम
कर बात होवेला,
रामाइन,बाइबल,कुरान
कर चारचा से साइंत
आदमी मन कर पेट भरेला,
मोंय का समुझामूं।
मोंहे बिगड़ल...

पहिले जे पुरखा मन के गिराएक ले
बानात रहैं तापावन,
उ बइन गेलक पेसा,कमुवाएक धन,
छउवइन पियथैं पाया से बागरा
जावानिये में टुटथे बदन ,
कहो हो हो ले डर लागेला,का कहमूं।

मोंहे बिगड़ल
गांव,घर,सामाज के,
का लखे सुधरामूं ?
लागथे परिवार चालाते
सिराय जामूं।
मोंहे बिगड़ल
गांव,घर,सामाज के,
का लखे सुधरामूं ?

संतोष महली, ईटा, लोहरदगा।

तसबीर में देखू रांची विश्वविद्यालय कर दीछांत समारोह

रांची। रांची विश्वविद्यालय कर 38वां दीछांत समारोह मोरहाबादी में विवि कर दीछांत मंडप में 7 मार्च के भेलक। समारोह कर मुध गोतिया राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार रहयं। इकर में 1 फरवरी, 2024 से 31 मार्च, 2025 कर दौरान परकासित होवल परीछा परिनाम कर आधार में सफल छात्र-छात्रामन के डिग्री आउर बिसय कर टॉपरमन के गोल्ड मेडल परदान करल गेलक।

समारोह में 63 गो गोल्ड मेडल बंटलक, जेकर में 48 गो छात्रा आउर 15 गो छात्र सामिल हयं। इकर अलावा 14 गो प्रायोजित गोल्ड मेडल देल गेलक। समारोह में डिग्री प्राप्त करेक वाला बिद्यार्थीमन कर संख्या 4410 आहे, इकर में 3291 गो छात्रा आउर 1119 छात्रमन हयं।

समारोह में छोड़ामन कर पहनावा- चरका पायजामा/धोती-कुर्ता आउर छोड़ीमन कर परिधान-लाल पाड़ कर सफेद साड़ी-लाल ब्लाउज इया सफेद सलवार-कुर्ता आउर लाल दुपट्टा रहे। मउका में कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा, डीएसडब्ल्यू डॉ सुदेश कुमार साहू, सीसीडीसी डॉ पीके झा, वित्त पदाधिकारी डॉ प्रीतम कुमार, प्रॉक्टर डॉ मुकुंद चंद्र मेहता संगे आउर पदाधिकारी उपस्थित रहयं।

ई अवसर में राज्यपाल कहलयं कि ई खली एगो दीछांत समारोह नई, बलकि आपने कर मेहनइत आउर समरपन कर उत्सव आहे। ढेइरे बछर कर मेहनइत, संघर्स आउर असंख्य सपना कर ई परिनति आहे। ई आपने संगे गोटा विश्वविद्यालय ले गर्ब कर छन आहे। ई अवसर खली आपने कर उपलब्धि कइ उत्सव नखे, बलकि आपने कर भविस कर दिसा तय करेक कर भी एगो महतपूर्न पड़ाव आहे।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना-गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक :** कृशन गोपालका,
सलाहकार संपादक : रतन लाल अग्रवाल। फोन नंबरः 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी**ः jharkhandwanitaudyog@gmail.com